सूर्योदय दि. 10-12-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1° | न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHI/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 06 अंक : 251 नई दिल्ली, शुक्रवार 10 दिसंबर-2021 नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

अनन्या पांडेय लाल ट्रांसपेरेंट फ्रंट...पृष्ठ-8

राष्ट्रीय औषध एवं शिक्षा अनुसंधान संस्थान विधेयक पर लगी संसद की मुहर

देश में सात शहरों में राष्ट्रीय औषध एवं शिक्षा अनुसंधान संस्थान (नाईपर) प्रस्तावित है लेकिन मोहाली संस्थान ही अस्तित्व में आ पाया है।

नई दिल्ली (एजेंसी)

राष्ट्रीय औषध एवं शिक्षा अनुसंधान संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने वाले 'राष्ट्रीय औषध एवं शिक्षा अनुसंधान संस्थान विधेयक 2021' को राज्यसभा ने गुरुवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। इसके साथ ही इस विधेयक पर संसद की मुहर लग गयी। यह विधेयक संसद की स्थायी समिति में भेजा गया था।

देश में सात शहरों में राष्ट्रीय औषध एवं शिक्षा अनुसंधान संस्थान (नाईपर) प्रस्तावित है लेकिन मोहाली संस्थान ही अस्तित्व में आ पाया है। शेष का निर्माण विभिन्न अवस्थाओं में हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा उर्वरक एवं रसायन मंत्री मनसुख मांडविया ने विधेयक पर लगभग तीन घंटे तक चली चर्चा का उत्तर देते हुए कहा कि दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के मूल्य नियंत्रित किये है लेकिन इसके लिये गुणवत्ता के साथ समझौता नहीं किया गया है। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सरकार जल्दी ही शोध एवं विकास नीति की घोषणा करेगी। इसमें सभी के सुझाव लिये गये हैं। उन्होंने कहा कि देश में 10 हजार से अधिक फार्मा कंपनियां हैं और 300 से अधिक फार्मा शिक्षण संस्थान हैं। देश में 10 लाख से अधिक फार्मासिस्ट काम कर रहे हैं। इनकी निगरानी अलग अलग स्तर पर होती है। विधेयक से बनने वाले कानून से शिक्षण और पठन पाठन के क्षेत्र मे एकरुपता हो सकेगी। फार्मा शिक्षण संस्थानों को दवा उद्योग से जोड़ा जा सकेगा और समय की जरुरत के अनुरूप इसमें बदलाव होगा। विभिन्न नाईपर संस्थानों में आपसी तालमेल हो सकेगा और शोध को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि नाईपर की संचालन परिषदों के अधिकारों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। संचालन परिषद में एक महिला सदस्य को शामिल करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा समाज के अन्य तबकों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार प्रक्रियाओं को सरल कर रही है जिससे शोध के कार्य संभव हो रहे हैं। कोविड टीके का भारत में निर्माण इसका उदाहरण है। अमेरिका में प्रयोग होने वाली 40 प्रतिशत दवाईयां भारत में बनी होती है। दुनिया में प्रयोग होने वाली पांच गोलियों में से एक भारत में निर्मित होती है। इससे पहले चर्चा में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस के नीरज डांगी ने कहा कि नाईपर की क्षमता बढ़ाई जानी चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा से मानव संसाधन तैयार किया जा सके। नाईपर संस्थान मोहाली के अलावा अन्य शहरों में भी खोले जाने चाहिए। समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव ने कहा कि संस्थान की संचालन परिषदों में अन्य पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति और जनजाति के प्रतिनिधित्व की व्यवस्था की जानी चाहिए। स्वायत्त संस्थानों की शक्तियां वास्तविक होनी चाहिए। द्रविड मुनेत्र कषगम के राजेश कुमार ने कहा कि नाईपर संस्थानों में आयुर्वेद और सिद्ध पद्धतियों पर भी शोध होने चाहिए और इसके लिए अलग विभाग बनाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इनकी संचालन परिषदों में समाज के सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इनकी संचालन परिषदों में समाज के सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

विकासशील देशों को जलवायु वित्त एवं पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों उपलब्ध कराने की अपील

20 देशों से इस बात पर विचार-विमर्श करने का आह्वान किया

नई दिल्ली (एजेंसी)

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज जी 20 देशों से इस बात पर विचार-विमर्श करने का आह्वान किया कि विकासशील देशों को जलवायु वित्त और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियां कैसे उपलब्ध कराई जा सकती हैं, ताकि पर्यावरण-अनुकूल विकास की दिशा में उनके प्रयासों को प्रोत्साहन दिया जा सके और इनमें तेजी लाई जा सके। श्रीमती सीतारमण ने रिकवर टूगेदर, रिकवर स्ट्रांगर विषय पर आयोजित जी-20सेमिनार में भाग लिया।

उन्होंने जी20 अध्यक्ष इंडोनेशिया द्वारा बाली में आयोजित जी20 अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में वर्चुअल रूप में भाग लिया। वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की मजबूत, स्थायी, संतुलित और समावेशी की स्थिति को फिर से प्राप्त करने के लिए सभी देशों की सामूहिक प्रगति सुनिश्चित करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बहुपक्षवाद और सामूहिक कार्य की भूमिका महत्वपूर्ण है। श्रीमती सीतारमण ने वैश्विक स्तर पर फिर से पहले की बेहतर स्थिति को प्राप्त करने में समावेश, निवेश, नवाचार और संस्थानों के महत्व को भी रेखांकित किया। वित्त मंत्री ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए फिर से पहले की स्थिति प्राप्त करने में असमानताओं को समाप्त करने के साथ टीकों औरदवाओं को किफायती बनाने तथा इन तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। इस संदर्भ में श्रीमती सीतारमण ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अब तक भारत टीकों की 1.25 अरब से अधिक डोज दे चुका है और 90 से अधिक देशों को 7.2 करोड़ से अधिक वैक्सीनों की आपूर्ति की है, जिनमें अनुदान के रूप में दिए गए टीके भी शामिल हैं। यह वैश्विक स्तर पर समन्वित होकर कार्य करने के सन्दर्भ में भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वित्त मंत्री ने विकास पथ पर त्वरित और स्थिर वापसी को सक्षम बनाने के लिए अवसंरचना के निवेश में वृद्धि के महत्व पर जोर दिया। श्रीमती सीतारमण ने इस बात पर भी जोर दिया कि पर्यावरण-अनुकूल निवेश, सरकारों के पुनर्निर्माण के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

> *सीतारमण ने रिकवर टूगेदर, रिकवर स्ट्रांगर विषय पर आयोजित जी-20सेमिनार में भाग लिया। उन्होंने जी20 अध्यक्ष इंडोनेशिया द्वारा बाली में आयोजित जी20 अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में वर्चुअल रूप में भाग लिया।*
>
> *वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की मजबूत, स्थायी, संतुलित और समावेशी की स्थिति को फिर से प्राप्त करने के लिए सभी देशों की सामूहिक प्रगति सुनिश्चित करना अनिवार्य है।*

एक नज़र

प्रहलाद पटेल, वी डी शर्मा ने जनरल रावत को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली (एजेंसी) केन्द्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने भारत के प्रथम प्रधान सेनापति चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी एवं 11 अन्य सैन्य अधिकारियों के एक हेलीकॉप्टर हादसे में हुए निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री पटेल ने यहां यूनीवार्ता से कहा कि भारतीय सेना में वीरता एवं त्याग की प्रतिमूर्ति और देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी श्रीमती मधूलिका रावत एवं 11 अन्य सैन्य अधिकारियों के असामयिक निधन से देश स्तब्ध और निशब्द है। हेलीकॉप्टर हादसे में जनरल रावत की सपत्नीक मृत्यु ने देश को झकझोर दिया है। श्री पटेल ने कहा कि वह जनरल रावत सहित सभी शहीद सैनिक अधिकारियों के परिजनों के प्रति संवेदना और दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने इस हादसे में घायल ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी जनरल रावत एवं अन्य सैन्य अधिकारियों के निधन पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने मध्यप्रदेश भाजपा की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि और दिवंगत सैन्य अधिकारियों के परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

देश में 50 करोड़ लोगों का पूर्ण टीकाकरण, 81 करोड़ से अधिक लोगों को दी गई पहली डोज

नई दिल्ली (एजेंसी)कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई में देश ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। गुरुवार तक देश में 50 करोड़ लोगों का पूर्ण टीकाकरण कर दिया गया। इसका मतलब है कि इतने लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज दे दी गई। कुल टीकाकरण का आंकड़ा भी 131 करोड़ को पार कर गया। इनमें 81 करोड़ से अधिक लोगों को पहली डोज दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुरुवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे के दौरान संक्रमण के 9,419 मामले सामने आए। देश में लगातार 13वें दिन संक्रमण का आंकड़ा 10 हजार से कम रहा है। सक्रिय मामलों की संख्या भी 94,742 रह गई है। यह कुल संक्रमण का 0.27 प्रतिशत है। इस महामारी से अब तक 3,40,97,388 स्वस्थ हो चुके हैं।

देश में कोरोना के सक्रिय मामले फिर बढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)

देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस के सक्रिय मामले फिर बढ़े हैं और संक्रमण के 9,419 नये मामले दर्ज हुए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 9,419 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या तीन करोड़ 46 लाख 66 हजार 241 हो गई है। इस दौरान 8,251 मरीज स्वस्थ हुये हैं और अब तक तीन करोड़ 40 लाख 97 हजार 388 लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं। इस अवधि में सक्रिय मामले 1009 बढ़कर 94,742 हो गये हैं। इसी अवधि में 159 मरीज जिंदगी की जंग हार गये तथा अब तक इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार लाख 74 हजार 111 हो गयी है। इस बीच बुधवार को 80 लाख 86 हजार 910 कोविड टीके लगाये गये हैं और इसके साथ ही कुल टीकाकरण संख्या एक अरब 30 करोड़ 39 लाख 32 हजार 286 हो गयी है। देश में रिकवरी दर 98.36 फीसदी तथा सक्रिय मामलों की दर 0.27 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.37 फीसदी है। देश में केरल सक्रिय मामलों और मृतकों के मामलों में अभी भी आगे है।

राज्य में सक्रिय मामले 887 बढ़कर 41,615 हो गये हैं। राज्य में 4,039 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 5095263 हो गयी है। इसी अवधि में 112 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 42,014 हो गयी है। महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 157 घटकर 9,964 रह गये है, जबकि 10 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,41,204 हो गया है।

किसान आंदोलन स्थगित, सरकार के वादे की प्रगति पर संगठन हर माह करेंगे समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)

संयुक्त किसान मोर्चा ने किसानों की मांगे पूरा करने के सरकार के वादे के बाद एक वर्ष से अधिक समय से जारी किसान आंदोलन स्थगित करने की गुरुवार को घोषणा की।

किसान नेता बलवीर राजेवाल ने सिंघु बार्डर पर यह घोषणा करते हुए कहा कि किसान 11 दिसंबर को दिल्ली सीमाओं और देश के अन्य स्थानों से धरना उठा लेंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि उनकी मांगें पूरा करने के सरकार के वादे के बाद मोर्चा की बैठक में आंदोलन स्थगित करने का फैसला लिया गया है। संवाददाता सम्मेलन में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अन्य संगठनों के किसान नेता भी मौजूद थे। श्री राजेवाल ने कहा, हम सरकार के वादे को पूरा करने के काम की हर माह समीक्षा करेंगे और उसके आधार पर आगे की रणनीति तय की जायेगी। उन्होंने कहा कि 11 दिसंबर को किसान विजय दिवस मनायेंगे और उसी दिन से दिल्ली और अन्य स्थानों पर एक वर्ष से अधिक समय से डटे किसान अपने घरों को लौटने लगेंगे। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे जाने और कल उनकी अंत्येष्टि होने के मद्देनजर किसान कल की बजाय शनिवार को विजय दिवस नहीं मनायेंगे। किसान 13 दिसंबर को स्वर्ण मंदिर भी जायेंगे। किसान नेता योगेन्द्र यादव ने कहा कि सरकार ने वादा किया है कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर समिति का गठन करेगी।

वर्तमान स्थिति पर एमएसपी के तहत खरीद जारी रहेगी। सरकार ने एमएसपी का भी भरोसा दिया। मोर्चा की 15 जनवरी को दिल्ली में बैठक होगी जिसमें सरकार के वादे पूरे करने की दिशा में उठाये गये कदमों की समीक्षा की जायेगी। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन से किसानों ने आत्मसम्मान हासिल किया है, एकता बनायी है और अपनी राजनीतिक ताकत का एहसास कराया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने एमएसपी पर समिति बनाने, पराली जलाने पर आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत कोई कार्रवाई नहीं करने और आंदोलन के दौरान मृत किसानों के परिजनों को सहायता राशि दी जायेगी।

बिरला ने की प्रमिला विसोई की प्रशंसा

नई दिल्ली (एजेंसी)

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को ओडिसा के अस्का से निर्वाचित सदस्य प्रमिला विसोई की प्रशंसा करते हुए कहा कि बहुत कम शिक्षित होने के बावजूद वह बहुत बड़ी समाज सेवक हैं और अपने जिले में स्वयं सहायता समूह चलाकर बड़ी संख्या में महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। श्रीमती प्रमिला ने शून्यकाल में महिलाओं का मुद्दा उठाया और उन्होंने अपनी बात ओडिया में रखी।

उनकी बात समाप्त होते ही श्री बिरला ने सदस्यों को बताया कि यही लोकतंत्र की खूबसूरती है कि उसमें प्रमिला जैसी समाजसेवी आती हैं और लोगों के मुद्दे शिद्दत से उठाती हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने ही श्रीमती प्रमिला को सदन में अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती प्रमिला जब उनके कक्ष में आई तो उन्होंने कहा कि उन्हें ओडिया के अलावा कोई दूसरी भाषा नहीं आती है, इस पर उन्हें अपनी बात ओडिया में ही रखने की सलाह दी और श्रीमती प्रमिला ने बहुत खूबसूरती के साथ अपनी बात सदन में रखी। बाद में बीजू जना दल के वरिष्ठ सदस्य भर्तृहरि महताब ने सदन को बताया कि उन्होंने ओडिया में महिलाओं के मुद्दे पर अपनी बात रखी है। अध्यक्ष ने जब उनकी शिक्षा के बारे में पूछा तो श्री महताब ने कहा कि उनकी शिक्षा बहुत कम है लेकिन वह अपने गुंजम जिले में संगठन की प्रमुख हैं और बड़ी संख्या में महिलाओं को रोजगार दे रही हैं। इसी बीच बीजद की चंद्राणी मुरमुर ने भी सदन में अपनी बात रखी और कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र के करनाजिया में केंद्रीय विद्यालय स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने जैसे ही अपनी बात पूरी की तो श्री बिरला ने उनके काम की भी प्रशंसा की और कहा कि वह सदन में सबसे कम उम्र की सदस्य हैं।

हरियाणा से आने वाले 15 एमजीडी गंदे पानी को री-साइकल कर रही केजरीवाल सरकार

विजय कुमार.ओपन सर्च

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अगले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले यमुना को साफ करने का लक्ष्य रखा है। यमुना में गिरने वाले लगभग 155 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रति दिन) गंदगी का स्रोत पड़ोसी राज्य हैं, जिनमें 15 एमजीडी हरियाणा के ड्रेन नंबर 6 के माध्यम से, 90 एमजीडी बादशाहपुर ड्रेन के माध्यम से और 50 एमजीडी उत्तर प्रदेश से आता है। दिल्ली सरकार यमुना को साफ करने की दिशा में तेज़ी से काम कर रही है और इसलिए दिल्ली सरकार ने पड़ोसी राज्यों से यमुना में गिरने वाले सभी प्रकार की गंदगी को ट्रीट करने का जिम्मा उठाया है।

इसी सिलसिले में गुरूवार की सुबह दिल्ली के जल मंत्री एवं दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने नरेला स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा कर मुआयना कर किया। इस मौके पर उन्होने कहा कि जिस प्रकार लगातार यमुना में पड़ोसी राज्यों की ओर से गंदा पानी और औद्योगिक अपशिष्ट बहाया जा रहा है, वह काफी चिंताजनक है। ऐसी स्थिति में केजरीवाल सरकार ने दूसरे राज्यों से आने वाले गंदे पानी को भी साफ करने का निर्णय लिया है। हालाँकि यह काम उन पड़ोसी राज्यों का ही है, लेकिन हमारा मानना है कि यमुना किसी राज्य की नहीं है, बल्कि देश की नदी है। इसलिए दिल्ली सरकार ने यमुना में गिरने वाले हर प्रकार के गंदे पानी को ट्रीट करने का फैसला किया है और नरेला स्थित एसटीपी में इसकी शुरुआत कर दी गई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने कुछ महीनों पहले यमुना को साफ करने के लिए 6 स्टेप एक्शन प्लान तैयार किया था। इसमे पड़ोसी राज्यों से आने वाले सिवेज़ एवं नालों के पानी को यमुना में गिरने से रोकने का प्लान भी शामिल है।

इसी के तहत दिल्ली जल बोर्ड ने ड्रेन नंबर 6 के ज़रिये हरियाणा से आने वाले 15 एमजीडी सिवेज़ को नरेला एसटीपी में रोककर उसे साफ करने का काम शुरू कर दिया गया है। इसके मद्देनजर नरेला एसटीपी की क्षमता को 10 एमजीडी से बढ़ाकर 20 एमजीडी करने के निर्देश दे दिये गए हैं, ताकि अब यहाँ ड्रेन नंबर 6 के ज़रिये आने वाले हरियाणा के 15 एमजीडी सिवेज़ को भी ट्रीट किया जा सके। री-साइकल किए गए पानी से दिल्ली सरकार टिकरी खुर्द में मौजूद एक झील को पुनर्जीवित करेगी, जिससे भूजल को रीचार्ज करने में मदद मिलेगी।

> *री-साइकल किए गए पानी से टिकरी खुर्द में बनेगी नई झील, इससे भूजल स्तर में होगा ज़बरदस्त इजाफा और लाखों लोगों को मिलेगा फायदा*
>
> *यमुना साफ करने के अपने लक्ष्य की दिशा में केजरीवाल सरकार का यह एक नया कीर्तिमान है : सत्येन्द्र जैन*

टिकरी खुर्द स्थित झील को पुनर्जीवित करने से न सिर्फ पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकेगा, बल्कि दिल्ली में घट रहे भूजल स्तर को सुधारने में भी मदद मिलेगी और प्राकृतिक पारितंत्र को भी सुधारेगा। इसके अलावा, मंत्री सत्येंद्र जैन ने ड्रेन नंबर 6 के 10 किलोमीटर के हिस्से को साफ कर उसे भी रीचार्ज जोन की तरह विकसित करने का निर्देश दिया। नरेला स्थित एसटीपी की बढ़ाई जा रही क्षमता, ताकि दिल्ली के साथ-साथ अब हरियाणा से आने वाले गंदे पानी को भी किया जा सके ट्रीट केजरीवाल सरकार ने कुछ महीनों पहले यह फैसला लिया था कि वह पड़ोसी राज्यों से आने वाले सिवेज़ के पानी को यमुना में नहीं गिरने देगी। दिल्ली में तकरीबन 500 एमजीडी गंदा पानी दिल्ली सरकार के 35 एसटीपी में ट्रीट किया जाता है। दिल्ली सरकार का मानना है कि अगर यह 500 एमजीडी पानी री-साइकल होने के बाद तालाब के माध्यम से भूजल में रिसकर वापस चला जाए तो इससे दिल्ली के भूजल स्तर में काफी सुधार होगा। नरेला में बने एसटीपी की क्षमता 10 एमजीडी है, जिसको अत्याधुनिक तकनीक की मदद से बढ़ाकर 20 एमजीडी किया जाएगा। नरेला स्थित इस एसटीपी में हरियाणा से आने वाली गंदगी को साफ करने का काम शुरु कर दिया गया है और एसटीपी की क्षमता बढ़ाने का काम साथ-साथ चल रहा है। दिल्ली सरकार इस ट्रीट किए गए पानी से टिकरी खुर्द के पास मौजूद एक तालाब को पुनर्जीवित करेगी, जिससे भूजल स्तर को ठीक करने में मदद मिलेगी।

इसके साथ ही दिल्ली सरकार यहाँ बायो- गैस प्लांट बनाएगी, ताकि यहाँ मौजूद कूड़े व मलबों से बायो चारकोल बनाया जा सके। डीजेबी लगभग 1 से 1.5 एकड़ के तालाबों को जल निकायों और बड़े तालाबों को झीलों के रूप में वर्गीकृत करता है। पानी के स्रोत को सुनिश्चित करने के लिए झीलों को मौजूदा उपचार संयंत्रों से जोड़ा जा रहा है।

शेयर बाजार में तेजी जारी

मुंबई (एजेंसी) वैश्विक स्तर के मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर कैपटल गुड्स, एनर्जी, टेलीकॉम और इंडस्ट्रीयल जैसे समूहों में हुयी लिवाली के बल पर आज लगातार तीसरे दिन शेयर बाजार में तेजी का रूख बना रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 157.45 अंक बढ़कर 58807.13 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 47.10 अंक उठकर 17516.85 अंक पर रहा। बीएसई में छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली का जोर दिखा जिससे मिडकैप 0.38 प्रतिशत बढ़कर 25608.33 अंक पर और स्मॉलकैप 0.80 प्रतिशत चढ़कर 29014.46 अंक पर रहा। बीएसई में बढ़त में रहने वाले प्रमुख समूहों में कैपिटल गुड्स 1.98 प्रतिशत, एनर्जी 1.38 प्रतिशत, टेलीकॉम 1.14 प्रतिशत और इंडस्ट्रीयल्स 1.08 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है। गिरावट में रहने वालों में बैंकिंग 0.53 प्रतिशत और वित्त 0.39 प्रतिशत प्रमुख है। बीएसई में कुल 3398 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2111 बढ़त में और 1165 गिरावट में रहे जबकि 122 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

एक नज़र

गूगल से बैंक कस्टमर केयर का नंबर लेते समय बरतें सावधानी, लखनऊ में ठगों फर्जी नंबर देकर पार की रकम

लखनऊ (एजेंसी) गूगल से स्टेट बैंक आफ इंडिया का कस्टमर केयर का नंबर लेकर फोन करना लोगों पर भारी पड़ रहा है। ठगों ने ऐसा करने वाली महिला समेत दो के खाते से रुपये पार कर दिए। तेलीबाग निवासी अमरेंद्र बहादुर वर्मा के मुताबिक सोमवार को वृंदावन योजना स्थित पीएनबी के एटीएम बूथ गए थे। रुपये तो नहीं निकले, लेकिन रकम निकाले जाने का मैसज आ गया। परेशान होकर गूगल से कस्टमर केयर का नंबर सर्च कर फोन मिलाया। फोन साइबर जालसाजों ने उठाया और अमरेंद्र को झांसे में लेकर एक ऐप डाउनलोड कराया। इसके बाद उनके खाते से 56,945 रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने साइबर क्राइम सेल में शिकायत की है। उधर, इंदिरानगर के ब्रह्मपुरी में रहने वाली नीलम शिवनाथ ने भी गूगल पर कस्टमर केयर ढूंढकर फोन मिलाया। इसके बाद ठगों ने नीलम को झांसे में लेकर उनके खाते से 73 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि ठगों ने अलग अलग कस्टमर केयर के नाम से अपने फोन नंबर डाल रखे हैं, जिससे लोग झांसे में आकर उन नंबरों पर फोन कर देते हैं। नौकरी के नाम पर छह लाख हड़पे, एफआइआर : गौतमपल्ली थाने में तीन लोगों के खिलाफ नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी की एफआइआर दर्ज की गई है। बरेली पुलिस लाइन में खाना बनाने वाले धर्मवीर ड्क्षसह को नौकरी से हटा दिया गया था। पैरवी के लिए वह उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या के आवास गए थे। आरोप है कि यहां पर उनकी मुलाकात राम नारायण कुशवाहा से हुई थी। उन्नाव निवासी राम नारायण ने धर्मवीर को राजस्व विभाग व रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा दिया और अभ्यर्थी लाने के लिए कहा। इसके बाद राम नारायण ने धर्मराज नाम के व्यक्ति से धर्मवीर की मुलाकात कराई। धर्मराज ने भी खुद को डिप्टी सीएम का रिश्तेदार बताया।

हापुड़ : सिंभावली के ग्राम पंचायत अधिकारी को दिनदहाड़े मारी गोली, वारदात अंजाम देकर बदमाश फरार

सिंभावली, हापुड़ (एजेंसी) हापुड़ जिले के सिंभावली से ड्यूटी कर घर लौटते समय ग्राम पंचायत अधिकारी पर जनपद अमरोहा के गजरौला स्थित हाईवे पर घात लगाए खड़े कार सवार तीन लोगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस दौरान एक गोली अधिकारी के बाए हाथ में लगी है। सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है। अधिकारी द्वारा साले सहित तीन लोगों पर हमला करने का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार जनपद अमरोहा के थाना गजरौला क्षेत्र के गांव चौबारा निवासी कपिल कुमार सिंभावली ब्लाक में ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उनके शादी सम्भल के नगर कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला नूरिया सराय निवासी ज्योति सागर से हुई है। लेकिन, पिछले तीन साल से पत्नी से विवाद चल रहा है। इसलिए पत्नी इन दिनों अपने मायके में रह रही है। आरोप है कि वह रोजाना की तरह आल्टो कार में सवार होकर सिंभावली से अपने गांव आ रहे थे। हाईवे से गजरौला थाना क्षेत्र अंतर्गत आनंदा डेरी के सामने पहुचे तो पहुंचे तो वहां पहले से ही घात लगाए खड़े तीन लोगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करनी शुरू कर दी। एक गोली उनके बाएं हाथ के ऊपर कंधे पर लगी है। घटना के बाद मौके पर जुटे लोगों ने उन्हें सरकारी एंबुलेंस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। पीड़ित ने अपने साले सहित तीन लोगों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है ,हालांकि पुलिस मामले को आपसी परिवार से जुड़ा हुआ मान रही है ,जिसको लेकर गहनता से जांच की जा रही है। इस संबंध में गजरौला थाना प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

तिहरा हत्याकांड : बड़ा सवाल-अटल घाट पर दिखा डाक्टर आखिर कहां हो गया गुम, गंगा की शरण में कानपुर पुलिस

कानपुर (एजेंसी) पत्नी व बच्चों की हत्या कर फरार हुए डाक्टर की ओर से बुना गया साजिश का जाल पुलिस तोड़ नहीं पा रही है। पुलिस उसके आत्महत्या करने के संदेह से बाहर नहीं निकल पा रही है। उसकी अंतिम मोबाइल लोकेशन अटल घाट से लेकर सरसैया घाट तक मिलने के बाद अटल घाट के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में अब उसकी मौजूदगी ने फिर पुलिस को गंगा के किनारे ला दिया है। बड़ा सवाल यह है कि पुलिस ने चार दिन पहले भी यहीं से उसकी तलाश शुरू की थी। कानपुर से फतेहपुर तक गंगा को खंगालने के बावजूद कोई महत्वपूर्ण साक्ष्य हाथ नहीं लगा। कल्याणपुर के इंदिरा नगर स्थित डिविनिटी होम्स अपार्टमेंट में डा. सुशील ने शुक्रवार सुबह अपनी पत्नी चंद्रप्रभा, 21 साल के बेटे शिखर व 16 साल की बेटी खुशी की हत्या कर दी थी। हत्या से पहले तीनों को जहर या बेहोश करने वाला कोई केमिकल दिया गया था। घटना के बाद डाक्टर भी वहां से फरार हो गया था। हालांकि, घर पर छोड़े गए नोट्स में उसने लिखा है कि वह खुद को भी खत्म कर लेगा। इसकेबाद जब पुलिस ने उसके मोबाइल फोन की लोकेशन खंगाली तो आखिरी लोकेशन अटल घाट से गंगा किनारे सरसैया घाट तक मिली। यही माना गया कि अपनों की हत्या करने के बाद डाक्टर ने गंगा में कूदकर आत्महत्या कर ली है, मगर गंगा में तलाशी के दौरान पुलिस को कोई साक्ष्य नहीं मिला। अब अटल घाट पर डाक्टर की मौजूदगी वाला सीसीटीवी वीडियो मिलने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि वह घर से निकलने के बाद गंगा किनारे गया था। सीसीटीवी फुटेज में वह एक बार घाट की सीढ़ियां उतरकर वापस आते देखा गया। दूसरी बार जब सीढ़ियां उतरा तो वापस नहीं आया। जिस तरह से उस समय घाट पर लोगों की मौजूदगी थी, उससे यह आशंका कम है कि उसने तभी आत्महत्या की होगी। यही नहीं, सीढ़ियां उतरने के काफी देर बाद डाक्टर ने अपने भाई को मैसेज भी किया था। ऐसे में मामला उलझ कर रह गया है। डीसीपी पश्चिम बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि गुरुवार को एक बार फिर से गंगा में तलाशी अभियान चलाया जाएगा।

मेरठ में बेटे की हत्या पर छलका मां का दर्द- आखिर मेरे लाल ने किसी का क्या बिगाड़ा था

मेरठ (एजेंसी) महज चौदह साल का आदित्य शर्मा घर से ट्यूशन के लिए निकला जरूर मगर लौटकर नहीं आया। अपने लाल को बरसों तक पाल पोसकर बड़ा करने वाले माता-पिता को क्या पता था कि उनका लाडला अब कभी घर नहीं लौटेगा, उसका शव ही बरामद होगा। दूसरे दिन परिवार के सदस्य गढ़ गंगा में उसकी अस्थियां लेकर गए थे, जबकि मम्मी रजनी शर्मा का घर पर रो-रोकर बुरा हाल था। रजनी के मुंह से बार-बार यही निकल रहा था कि उसे पता होता कि ऐसी घटना हो जाएगी तो वह अपने जिगर के टुकड़े को ट्यूशन ही नहीं भेजती। आदित्य का अंतिम संस्कार करने के बाद बुधवार को उसकी अस्थियां लेकर परिवार के सदस्य गढ़मुक्तेश्वर गए थे। दूसरी ओर घर पर बच्चे की मां रजनी और अन्य महिलाएं थीं।

आदित्य की चचेरी बहन रजनी के गले लगकर जार-जार रो रही थी। परिवार के सदस्य रजनी को समझा रहे थे। रजनी सबसे यही पूछ रही थी कि उसके लाल ने किसी का क्या बिगाड़ा था, जो उसके जिगर के टुकड़े को छीन लिया। भगवान को आदित्य हमसे वापस लेना था तो दिया ही क्यों था? अस्थि विसर्जन कर पिता सुशील शर्मा भी घर पहुंचे, उन्होंने भी रजनी को समझाने का प्रयास किया। सुशील का दूसरा बेटा 11 वर्षीय कार्तिक भी भाई का मौत पर सदमे में है। पिता सुशील शर्मा का मानना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भले ही हत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई हो, लेकिन अगले दो से तीन दिनों में पूरा मामला साफ हो जाएगा। आदित्य शर्मा सोमवार की शाम पांच बजे लापता हो गया था। परिवार के लोगों ने रात नौ बजे तक खुद तलाश करने के बाद थाने पहुंचकर परतापुर पुलिस को जानकारी दी। बच्चे के लापता होने के बाद भी पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

नवजात को बेचने के पहले नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को बना रखा था नौकरानी, महीनों से चल रही जांच

दोषी वह अधिकारी भी जो जानकारी होने के बावजूद भी महीनों से जांच का दावा कर रहे हैं।

उसे कई महीनों तक चाइल्ड लाइन की स्वयं सेविका तारा शुक्ला ने घर में नौकरानी बनाकर रखा था।

चाइल्ड लाइन में परियोजना समन्वयक संदीप वर्मा उसे धमकी देकर रुपये भी वसूलता था।

सुलतानपुर (एजेंसी)
वह अनपढ़ है, नासमझ है और समाज के उस वर्ग से आती है जो समाज की मुख्यधारा से जुडऩे को संघर्षरत है।

उसकी इसी विवशता का लाभ उन दानवों ने उठाया, जिन्हें मानव नहीं कहा जा सकता है। दोषी वह अधिकारी भी जो जानकारी होने के बावजूद भी महीनों से जांच का दावा कर रहे हैं। सुलतानपुर में जिस नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता का प्रसव करा बच्चा बेचा गया, उसे कई महीनों तक चाइल्ड लाइन की स्वयं सेविका तारा शुक्ला ने घर में नौकरानी बनाकर रखा था। चाइल्ड लाइन में परियोजना समन्वयक संदीप वर्मा उसे धमकी देकर रुपये भी वसूलता था। इसकी जानकारी जिम्मेदार विभागों को काफी दिनों पहले हुई, लेकिन दोषियों पर कार्रवाई की बजाए मामले को जांच में उलझा कर रखा गया है।

न तो कोई मुकदमा दर्ज कराया गया और न ही उन्हें पकडऩे का प्रयास किया गया। गरीब व अनपढ़ है पीड़िता : किशोरी का परिवार अनुसूचित जनजाति का है। भिक्षाटन करके परिवार का गुजारा होता है। परिवार के सभी सदस्य अनपढ़ हैं। इसी का फायदा उठाकर चाइल्ड लाइन के शातिर कर्मियों ने घटना को अंजाम दिया। वहीं जांच में पता चला है कि संदीप वर्मा पीड़िता के घर गया और धमकी दी कि इसका पालन पोषण ठीक से नहीं हो रहा है। गर्भवती होने के बाद भी जमीन पर सोती है। कुछ हो गया तो

सब फंस जाओगे। फिर चाइल्ड लाइन बुलवाया और कहा अब इसकी जिम्मेदारी चाइल्ड लाइन उठाएगा। फल मेवा व रहन-सहन की जिम्मेदारी सरकारी हो गई है, उसके बाद तारा शुक्ला अपने घर कुड़वार के देवलपुर गांव ले गई। पीड़िता बताती है कि उसे नौकरानी की तरह रखा गया। घर का झाड़ू-पोंछा सारा काम करवाया जाता था। अछूत मानकर खाना नहीं बनवाते थे। पीड़िता की मां ने यह भी बताया है कि संदीप कई बार अन्य लोगों के साथ नशे में उसके डेरे पर आकर रुपये वसूल चुका है। फर्जी नाम से भर्ती कराया, प्रसव होते ही ले गए नवजात : चुनहां के साकेत हास्पिटल में तारा शुक्ला ने पीड़िता के नाम को बदलकर रेनू गुप्ता व चाइल्ड लाइन का केस बताकर भर्ती कराया था। पहचान पत्र मांगने पर यह भी कहा कि इसके पास कुछ नहीं है। आपरेशन के बांड पर तारा ने ही दस्तखत किए थे। पता चला है कि सुबह करीब छह बजे भर्ती होने के कुछ घंटों बाद आपरेशन से बेटा पैदा हो गया था।

इसके तुरंत बाद तारा उसे लेकर जिला अस्पताल दिखाने के बहाने लेकर चली गई थी। सप्ताहभर भर्ती रहने के दौरान संदीप वर्मा भी वहां आता जाता रहा। कार्रवाई की बजाय जांच दर जांच में उलझे जिम्मेदार : पांच माह तक तारा की कस्टडी में रहने के दौरान न तो प्रोबेशन महकमा उसका फालोअप कर सका न ही बाल कल्याण समिति को कोई खबर लगी। फिर अक्टूबर में वह काउंसलर गीता वर्मा के संपर्क में आई। पूछताछ में सारी कहानी पीड़िता व उसके माता-पिता ने सुनाई। फालोअप रिपोर्ट प्रोबेशन अधिकारी के माध्यम से बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को एक महीने पहले ही भेज दी गई थी, लेकिन किसी ने इस गंभीर मामले में दोषियों को पकड़वाने व पीड़िता को न्याय दिलाने का प्रयास नहीं किया। केवल गोसाईगंज थाने को जांच के लिए लिखा गया। जब से एसओ संदीप राय ने पीड़िता उसके मां-बाप से बयान लिए और अस्पताल जाकर जांच शुरू की है तब से हड़कंप मचा हुआ है। डीएम और एसपी से भी मामला छिपाया : बताया जाता है कि नवंबर माह में ही डीएम रवीश गुप्ता और एसपी डा. विपिन कुमार मिश्र, प्रोबेशन, जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड व बाल कल्याण समिति व अन्य अफसरों के साथ बच्चों के कल्याण संबंधी बैठक कलेक्ट्रेट में हुई थी, लेकिन पीड़िता के साथ हुई शर्मनाक करतूत की जानकारी आला अफसरों को नहीं दी गई। पुलिस अधीक्षक डा.विपिन कुमार मिश्र ने बताया कि मामले में सभी बिंदुओं पर जांच चल रही है, जो भी दोषी होगा उसके विरुद्ध कार्रवाई होगी।

सीडीएस बिपिन रावत के साथ हेलिकाप्टर में थे देवरिया के ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह, लड़ रहे जिंदगी की जंग

जनरल बिपिन रावतत का साथ हेलीकाप्टर में थे। तमिलनाडु के आर्मी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। दुर्घटना में सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत समेत 13 लोगों की मौत हुई है।

चालक दल का नेतृत्व वरुण सिंह कर रहे थे। उनके पैतृक गांव के लोग वरुण के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

लखनऊ (एजेंसी)
तमिलनाडु में हुए सेना के हेलीकाप्टर हादसे में उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के कन्हौली (रुद्रपुर) के रहने वाले ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वह चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावतत का साथ हेलीकाप्टर में थे। तमिलनाडु के आर्मी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

दुर्घटना में सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत समेत 13 लोगों की मौत हुई है। चालक दल का नेतृत्व वरुण सिंह कर रहे थे। उनके पैतृक गांव के लोग वरुण के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। उनके चाचा दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि वरुण तमिलनाडु के वेलिंगटन में तैनात हैं और अपने बेटे और बेटी के साथ रहते हैं। पैतृक गांव कन्हौली में वरुण के बड़े चाचा दिनेश प्रताप सिंह व छोटे चाचा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता व पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह को हेलीकाप्टर में वरुण के सवार होने की जानकारी बुधवार को अपराह्न करीब तीन बजे मिली। अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि पहले तो वरुण के बारे में कुछ पता नहीं चल पा रहा था, लेकिन वरुण की पत्नी गीतांजली से मोबाइल फोन के जरिये संपर्क होने पर वरुण के गंभीर रूप से झुलसने की जानकारी मिली। हेलीकाप्टर के चालक दल का नेतृत्व वरुण कर रहे थे। अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि गीतांजली अस्पताल में उनके साथ हैं। वरुण के एक पुत्र व एक पुत्री हैं। मां उमा सिंह, चाचा दिनेश प्रताप सिंह, उमेश प्रताप सिंह, रमेश प्रताप सिंह व अखिलेश प्रताप सिंह का परिवार चिंतित है। गांव के लोग इस दुर्घटना से दुखी हैं। सभी लोग वरुण के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। एनडीए की परीक्षा पास कर बने वायुसेना में अधिकारी : वरुण सिंह की प्रारंभिक पढ़ाई उड़ीसा में हुई है।

एनडीए की परीक्षा पासकर वायु सेना में अधिकारी बने। उनके पिता कृष्ण प्रताप सिंह आर्मी में कर्नल के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। वरुण के छोटे भाई तनुज सिंह मुंबई में भारतीय नौसेना में अधिकारी हैं। उनके पिता कर्नल कृष्ण प्रताप सिंह छोटे बेटे के पास मुंबई गए थे, जहां वरुण के हेलीकाप्टर दुर्घटना में गंभीर रूप से झुलसने की जानकारी मिली।

राष्ट्रपति ने 15 अगस्त को शौर्य चक्र से किया सम्मानित : राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वरुण को अदम्य साहस के लिए 15 अगस्त को शौर्य चक्र से सम्मानित किया। वह 12 अक्टूबर 2020 को लाइट कांबेट एयरक्राफ्ट के साथ उड़ान पर थे, तभी फ्लाइंग कंट्रोल सिस्टम में खराबी आ गई। उन्होंने सूझबूझ से 10 हजार फीट की ऊंचाई से विमान की लैंडिंग कराने में सफलता हासिल की थी।

यूपी विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से, राज्यपाल की मंजूरी के बाद अधिसूचना जारी

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने 15 दिसंबर से विधानमंडल का शीतकालीन सत्र आहूत करने का निर्णय किया है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शीतकालीन सत्र के लिए अनुमति दे दी है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद विधान परिषद और विधान सभा सचिवालयों की ओर से इस बारे में बुधवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह इस वर्ष विधान परिषद का तीसरा और विधान सभा का चौथा सत्र होगा। विधान सभा के उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचन के लिए बीती 18 अक्टूबर को विधान सभा का तीसरा विशेष सत्र आहूत किया गया था। शीतकालीन सत्र में सरकार वित्तीय वर्ष 2022-23 के शुरुआती चार महीनों के दौरान सरकार के जरूरी खर्चों से निपटने के लिए

लेखानुदान लाएगी। वहीं सत्र के दौरान योगी सरकार चालू वित्तीय वर्ष के लिए दूसरा अनुपूरक बजट भी लाने की तैयारी कर रही है। शीतकालीन सत्र में विधायी कार्य भी होंगे। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से शुरू हो रहा है। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस सत्र में योगी आदित्यनाथ सरकार अगले वित्तीय वर्ष के लिए पूर्ण बजट लाने के बजाए चार महीने का लेखानुदान पास कराएगी। साथ ही वर्तमान वित्तीय वर्ष का दूसरा अनुपूरक बजट लाया जा सकता है। खास बात यह है कि मौजूदा 17वीं विधानसभा का यह संभवतः आखिरी सत्र है। इसमें सरकार कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कर सकती है। उत्तर प्रदेश सरकार का यह पांचवां साल है। चुनावी साल होने के नाते योगी आदित्यनाथ सरकार शीतकालीन सत्र के दौरान इस वित्तीय वर्ष के लिए दूसरा अनुपूरक बजट पेश कर सकती है। इसमें कुछ वर्गों पर डोरे डालने के लिए नई योजनाओं के लिए संसाधन जुटाये जाने को लेकर अहम निर्णय हो सकते हैं। इनमें किसानों और गरीब परिवारों के लिए सौगातें हो सकती हैं।

पीएम नरेन्द्र मोदी बनेंगे कानपुर मेट्रो के पहले यात्री, आइआइटी स्टेशन पर बन रहा वीआइपी लाउंज

कानपुर (एजेंसी)
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेट्रो के पहले यात्री बनेंगे। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन इसके लिए पूरी तैयारी कर चुका है। हालांकि उनकी यह यात्रा किस स्टेशन तक होगी, यह अभी तक तय नहीं है। उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री व केंद्र व और प्रदेश के कई मंत्री भी रहेंगे।

प्रधानमंत्री के 28 दिसंबर के कार्यक्रम के फाइनल होते ही मेट्रो के अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मेट्रो अधिकारियों के मुताबिक प्रधानमंत्री आइआइटी के दीक्षा समारोह में शामिल होने के बाद मेट्रो के आइआइटी स्टेशन पर आएंगे। वह सीढ़ियों से होते हुए कानकोर्स में पहुंचेंगे। यहां टिकट काउंटर है। मेट्रो के अधिकारी यहां उन्हें गो स्मार्ट कार्ड भेंट करने की योजना बना रहे हैं। इसे आटोमेटिक फेयर कलेक्शन गेट पर छुआ कर वह अंदर प्रवेश करेंगे और मेट्रो तक पहुंचेंगे। मेट्रो के अधिकारी इस तरह कानपुर के पहले गो स्मार्ट कार्ड को प्रधानमंत्री को देना चाहता है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री स्टेशन का निरीक्षण करेंगे और ट्रेन में भी बैठेंगे। प्रधानमंत्री की यात्रा किस स्टेशन तक होगी, इसकी अभी कोई जानकारी नहीं है, इसलिए फिलहाल अधिकारियों ने सभी स्टेशनों को प्रधानमंत्री की यात्रा के अनुरूप बनाने और सजाने की तैयारी की है। इसके साथ ही आइआइटी स्टेशन पर मेट्रो एक वीआइपी लाउंज बना रहा है। यह वीआइपी लाउंज इसके बाद स्थाई रूप से यहीं बना रहेगा। अधिकारियों के मुताबिक इसके बाद प्रधानमंत्री निराला नगर स्थित जनसभा में जाएंगे।

पीएम मोदी 11 दिसंबर को सरयू नहर परियोजना राष्ट्र को करेंगे समर्पित, सीएम योगी आज तैयारियों का लेंगे जायजा

लखनऊ (एजेंसी)
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 दिसंबर को बलरामपुर से सरयू नहर परियोजना राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस दौरान वह राप्ती बैराज स्थित नहर का मुख्य गेट खोलकर सरयू नहर में पानी छोड़ेंगे। इसके लिए घाघरा नदी से जुड़े सरयू नदी के गोपिया बैराज पर कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

इस कार्यक्रम से पूर्व तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को बहराइच, बलरामपुर और श्रावस्ती का दौरा करेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को सरयू नहर परियोजना के लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेंगे। बहराइच में गोपिया बैराज पर चल रहे काम का निरीक्षण करेंगे। वह श्रावस्ती के जमुनहा ब्लाक क्षेत्र स्थित राप्ती बैराज पहुंचकर सरयू नहर का निरिक्षण करेंगे। बहराइच से सीएम सीधे हेलीकाप्टर से राप्ती बैराज पहुंचेंगे। बहराइच व श्रावस्ती में बैराज पर लगेंगी एलईडी : पीएम के कार्यक्रम

के सजीव प्रसारण के लिए बहराइच व श्रावस्ती में दो स्थानों पर एलईडी लगाई जा रही है। गोपिया बैराज के साथ श्रावस्ती जिले के जमुनहा तहसील क्षेत्र में राप्ती बैराज पर भी एलईडी लगाई जा रही है। 40 बसों से जाएंगे लाभार्थी : बलरामपुर में आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थियों को ले जाने के लिए रोडवेज की 40 बसों को भी लगा दिया गया है। जिले से किसानों, लाभार्थियों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को ले जाने के लिए भी बसों की व्यवस्था की गई है।

50 हजार भाजपा कार्यकर्ता जाएंगे : प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए करीब 50 हजार कार्यकर्ताओं को ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। पदाधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। इसके लिए मंडल स्तर पर बैठक की जा रही है। इन्हें है ले जाने का लक्ष्य, कृषि विभाग : पां हजार किसान, बाल विकास : दो हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शहरी आवास : ढाई हजार लाभार्थी, ग्रामीण आवास : दस हजार लाभार्थी, एनआरएलएम : तीन हजार सदस्य, दो दिवसीय दौरे पर आज जाएंगे गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर गोरखपुर जाएंगे।

शुक्रवार को वह महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान उनके साथ मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद रहेंगे। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के पदाधिकारियों के साथ परिषद के समापन समारोह की तैयारियों की मंदिर में समीक्षा बैठक भी करेंगे।

कैंसर की सही समय पर पहचान होने से इलाज संभव है : डॉ.अरोड़ा

ओपन सर्च. संवाददाता

गाजियाबाद। भारत में सिर और गले का कैंसर खासकर ओरल एवं ओरोफेरिंजिल कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और मामलों की संख्या में यह अन्य देशों से बहुत आगे निकल चुका है।

विश्व में सिर और गले के कैंसर के कुल जितने मामले हैं उनसे भी ज्यादा भारत में हैं। उसमें भी बीमारू राज्यों में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है जहां पान मसाले और तंबाकू के चलन के कारण सर्वाधिक 2.5 लाख कैंसर के मामले हैं।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के 59 वर्षीय मदनलाल के गले में दर्दनाक अल्सर था, जिस कारण उन्हें दो महीने से कुछ भी निगलने में दिक्कत हो रही थी। मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर वैशाली गाजियाबाद में डायग्नोसिस करने पर उनकी जीभ के निचले हिस्से में कैंसर का पता चला, तो यहां के डॉक्टरों ने बायोप्सी एमआरआई और पेट सीटी स्कैन जैसी सभी तरह की जांच से रोग के स्टेज का पता लगाया। मरीज के जीभ के निचले हिस्से में जख्म धीरे धीरे बढ़ता जा रहा था। कई महीनों तक इलाज नहीं मिलने के कारण उनकी स्थिति बिगड़ती जा रही थी।

डॉक्टरों की टीम ने ऑन्कोलॉजी विभाग के ट्यूमर बोर्ड के साथ चर्चा की और फिर सर्जरी और इसके बाद रेडियोथेरापी की योजना बनाई। परंपरागत पद्धतियों से सिर्फ कैंसर को बढऩे से रोकने और रोग को पूरी तरह खत्म करने पर ही जोर दिया जाता है, लेकिन शारीरिक संरचना बिगडऩे, चेहरा विकृत होने, दाग, दांतों का स्वरूप बिगडऩे, कंधा झुक

जाने आदि रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी का ख्याल नहीं रखा जाता है। लेकिन आधुनिक उपचार पद्धतियों की उपलब्धता से न सिर्फ चौथे स्टेज के सिर एवं गले के कैंसर का सफल इलाज हो जाता है, बल्कि न्यूनतम शल्यक्रिया से बेहतर परिणाम भी मिलता है। इस तरह के कैंसर में टीओआरएस सफल साबित हुई है और इसमें अंगों के काम करने के अनुकूल परिणाम भी मिलते हैं। इस मरीज को ऑपरेशन के छठे दिन से खिलाया जाने लगा और बोलने तथा निगलने की क्षमता सुरक्षित रखते हुए एक सप्ताह के अंदर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मैक्स हॉस्पिटल वैशाली में हेड एंड नेक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के निदेशक डॉ.सौरभ कुमार अरोड़ा ने कहा श्रोबोट सहायता सर्जरी होने के कारण यह पद्धति लक्षित हिस्से पर सर्वाधिक परिशुद्धता के साथ काम करती है और इसकी न्यूनतम शल्यक्रिया ओपन सर्जरी की संभावना से बचाती है।

इस तरह के कैंसर के इलाज की शुरुआती पद्धतियों में कीमोथेरापी और रेडिएशन थेरापी करनी पड़ती थी, लेकिन शुरुआती चरण में यदि कैंसर पकड़ में नहीं आती तो मरीज के लिए ओपन सर्जरी ही अंतिम विकल्प रह जाता था। दुर्भाग्यवश टीओआरएस के ईजाद से पहले तक परंपरागत सर्जिकल पद्धति से जबड़ा बिगड़ जाता था, जिस कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी चेहरा विकृत हो जाता था। लेकिन अब यह न्यूनतम शल्यक्रिया तकनीक 100 फीसदी सुरक्षित है और यह मुंह तथा गले में दोबारा ट्यूमर होने की संभावना खत्म करने सफल रहती है। डॉ.अरोड़ा कहते हैं कि इस तरह के कैंसर की सही समय पर पहचान होने से इलाज संभव है लेकिन पश्चिमी दुनिया की तुलना में भारत में ऐसे मरीजों के जीवित होने की दर बहुत कम रहती है।

गले और सिर के कैंसर के ज्यादातर मामलों की पहचान करना और इलाज करना आसान है। ट्रांस ओरल रोबोटिक सर्जरी जटिल मामलों में भी कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने की आधुनिक पद्धति है। इसके जरिये जीभ, गला, मुंह, लैरिंक्स, फेरिंक्स तथा सिर एवं गर्दन के अन्य हिस्सों में होने वाले कैंसर का इलाज किया जा सकता है।

एक नज़र

जरूरतमंद और गरीब लोगों को गरम कपड़े वितरित किये गये

राजू बोहरा.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली में कड़ाके की सर्दी का मौसम शुरू हो गया है और सामाजिक संस्थाए भी गरीब और जरूरतमंद लोगो की मददत के लिए आगे आकर गरम कपड़े व अन्य सामग्री वितरित कर उनकी मददत करने में जुट गयी है ताकी वह लोग सर्दी से राहत पा सके। इस कड़ी में जानीमानी संस्था डेरा सच्चा सौदा भी जोरशोर से शामिल हो गयी है। ठंड शुरू होते ही डेरा सच्चा सौदा के सेवादार जरुरतमंद लोगों की मदद के लिए दिल्ली की सड़कों पर उतर आए हैं। डेरा सच्चा सौदा द्वारा चलाए जा रहे 135 मानवता भलाई कार्यो में से एक कार्य क्लॉथ बैंक के तहत आज दिल्ली की साध संगत ने मिलकर दिल्ली के रोहिणी सेक्टर पाच के बाके बिहारी मंदिर में लगभग 500 जरूरतमंद, गरीब लोगों को गर्म वस्त्र बाटे जिसमे कम्बल, जर्सी जुराब जूते टोपी शामिल है। दिल्ली के भंगीदास (अनिल इन्सां) ने बताया कि मुझे हजूर पिता डॉक्टर संत गुरमीत राम रहीम सिंह जी के पावन वचन अनुसार पिछले सप्ताह दिल्ली की संगत ने 130 परिवारों को कंबल व राशन देकर मदद की थी इसी तरह समय-समय पर सेवादार मानवता भलाई के कार्य करते रहते हैं। कोरोना काल के समय में भी हमने लोगों को राशन व अन्य सामग्री उपलब्ध करवाया और अब डेंगू के चलते खून दान करना, मरणोपरांत शरीर दान आंखें दान ऐसे कई कार्य दरबार की साध संगत करती रहती है। दिल्ली में जरूरतमंद लोगों को गरम कपडे वितरित का यह कार्य आगे भी समय समय पर जारी रहेगा।

ओला व उबर कैब से दिल्ली आते और चोरी के वाहन से वापस चले जाते

नई दिल्ली (एजेंसी) मध्य जिला के वाहन चोरी निरोधक दस्ता ने मेवात के रहने वाले कुख्यात वाहन चोर फैसल को गिरफ्तार किया है। फैसल अपने गिरोह के सदस्यों के साथ वाहन चोरी करने मेवात से ओला व उबर कैब से दिल्ली आता था। वाहन चोरी करने के बाद वे लोग उक्त वाहनों से वापस मेवात भाग जाते थे। एक साल के दौरान गिरोह दिल्ली में 200 से अधिक स्कूटी व बाइक चोरी कर चुका है। चोरी के वाहनों को गिरोह मेवात के रहने वाले तालिब को बेच देता था। डीसीपी मध्य जिला के मुताबिक फैसल, पुन्हाना, जिला नूंह, मेवात (हरियाणा) का रहने वाला है। इसकी निशानदेही पर चोरी की सात स्कूटी व एक बाइक बरामद की गई।

छह दिसंबर को वाहन चोरी निरोधक दस्ता को सूचना मिली कि हरियाणा के मेवात का एक गिरोह मध्य जिला में वाहन चोरी करने आने वाला है। एसीपी योगेश मल्होत्र व एसआइ संदीप गोदारा की टीम ने वर्धमान प्लाजा, पहाड़गंज के पास वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। इस दौरान एक युवक को लाल रंग की सुजुकी मोटरसाइकिल पर आते देख पुलिस टीम ने जब उसे रुकने का इशारा किया तब पुलिसकर्मियों को देखकर वह भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने कुछ दूर पीछा करने के बाद उसे दबोच लिया। उसकी पहचान कुख्यात वाहन चोर फैसल के रूप में हुई।

उधर पत्नी की आत्महत्या को सड़क दुर्घटना बताकर 50 लाख रुपये का मुआवजा मांगने पर तीस हजारी अदालत ने नाराजगी जाहिर करते हुए याचिकाकर्ता को राहत देने से इन्कार कर दिया। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) की पीठासीन अधिकारी कामिनी लाऊ ने कहा कि याची राजीव यादव ने अपनी पत्नी की आत्महत्या को मोटर दुर्घटना बताकर उसके शव पर पैसा वसूलने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता की पत्नी पूजा की मौत शादी के पांच महीने बाद हो गई थी। पूजा ने प्रताड़ना की शिकायत अपने माता-पिता से की थी। याची पर अपनी पत्नी की मौत के मामले में उत्तर प्रदेश की एक आपराधिक अदालत में मामला विचाराधीन है।

किसान आंदोलन स्थगित : राकेश टिकैत ने बताया कि कितने समय में खाली हो जाएगा यूपी गेट, किसान लौटेंगे घर

नई दिल्ली (एजेंसी) भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि किसान आंदोलन फिलहाल स्थगित किया गया है। अभी ये आंदोलन खत्म नहीं किया गया है। सिंघु बार्डर पर चल रही संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक खत्म होने के बाद कमेटी के नेताओं ने मीडिया से बात की। राकेश टिकैत ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा किसानों के हित के लिए शुरू से काम कर रहा था वो है और रहेगा। अभी सरकार ने हमारी मांगें मान ली है तो हम आंदोलन स्थगित करके अपने घरों को लौट रहे हैं। जनवरी में इसकी समीक्षा होगी यदि मांगें पूरी न हुई तो किसान फिर से आंदोलन कर सकता है। सरकार को इससे अवगत करा दिया गया है।

यूपी बार्डर खाली किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि किसानों ने अपने सामान बांधने शुरू कर दिए हैं, 11 दिसंबर से वो अपने घरों को लौटने लगेंगे, इसमें तीन से चार दिन का समय लग जाएगा। कुछ किसानों ने पहले से ही अपने सामान बांध रखे हैं मगर ये माना जा रहा है कि पूरी तरह से सड़क को खाली करने में तीन से चार दिन का समय अवश्य लग जाएगा। यूपी गेट पर जितने एरिया में टेंट आदि लगे हुए थे उन सभी को हटाने में समय लगेगा, किसानों ने अपने-अपने टेंट खोलने शुरू कर दिए हैं। इसके अलावा अन्य काफी चीजें हैं जिनको हटाने में इतना समय जरूर लग जाएगा।

मालूम हो कि आंदोलन की शुरूआत में इन जगहों पर सैकड़ों किसानों के लिए लंगर लगा करते थे, उनके लिए यहीं पर खाना बनता था, ठंड के दिनों में गर्म चाय, दूध आदि दिए जाते थे। खाना बनाने आदि के सामान भी यहां बहुतायत में रखे हुए हैं इसके अलावा हर मौसम से निपटने के लिए भी तमाम तरह के सामान रखे गए थे, उन सभी को यहां से सकुशल हटाना है। ऐसे में ये माना जा रहा है कि इन सभी सामानों को हटाने में तीन से चार दिन का समय तो लग ही जाएगा।

दिल्ली में 300 किलोमीटर के दायरे में आने वाले थर्मल प्लांट हो सकते हैं बंद! बिजली आपूर्ति पर सीआरईए ने दी ये अपडेट्स

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली एनसीआर की वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने के लिए राजधानी के 300 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी थर्मल प्लांटों को बंद किया जा सकता है। इससे सर्दियों में बिजली आपूर्ति को लेकर दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में कोई असर नहीं पड़ेगा। यह दावा, गैर सरकारी संगठन रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने अपनी रिपोर्ट में किया है। सीआरईए ने अपनी यह रिपोर्ट पिछले साल के आंकड़ों और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के इस साल के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए दी है। सीआरईए की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के 300 किमी के दायरे में स्थित थर्मल पावर प्लांटों ने पिछले साल 14 से 23 नवंबर तक बिजली उत्पादन नहीं किया था। इस बीच पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में बिजली की अधिकांश मांग को अन्य स्त्रोतों के जरिये पूरा किया गया था। इस अवधि के दौरान बिजली की मांग 175 मिलियन यूनिट से 275 मिलियन यूनिट तक रही और कमी 0 से 5 मिलियन यूनिट (उच्चतम मांग दिवस, 20 नवंबर का 0.65 प्रतिशत) की सीमा में रही। अन्य स्नोतों और क्षेत्रों ने पिछले साल 20 नवंबर को पंजाब, हरियाणा और दिल्ली को 269 मिलियन यूनिट बिजली प्रदान की थी। दरअसल, दिल्ली एनसीआर की बहुत खराब और गंभीर श्रेणी की वायु गुणवत्ता को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली के 300 किमी के दायरे में मौजूद 11 में से सिर्फ पांच थर्मल प्लांट को काम करने की अनुमति देते हुए शेष को 30 नवंबर तक बंद करने का आदेश दिया था। जिन पांच पावर प्लांटों को अनुमति मिली है, उनमें हरियाणा के झज्जर स्थित एनटीपीसी का पावर प्लांट, महात्मा गांधी थर्मल पावर प्लांट, पानीपत स्थित एचपीजीसीएल का पावर प्लांट, पंजाब के राजपुरा स्थित नाभा पावर प्लांट और पंजाब के ही मनसा स्थित तलवंडी साबो थर्मल पावर प्लांट शामिल है।

संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर के 132 प्लॉट्स को औने-पौने दामों में बेचने की तैयारी में भाजपा शासित एमसीडी

132 प्लॉट्स में से 94 प्लॉट्स अस्पताल, शौचालय, पार्क, फूड जोन्स, नाइट शेल्टर आदि सामुदायिक सुविधाओं के लिए आवंटित थे : दिलीप पांडेय

ज़मीन के जिस टुकड़े से इनके राजस्व की आमदनी हो सकती थी उसको यह लोग बेचने जा रहे हैं : दिलीप पांडेय

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। 'आप' विधायक दिलीप पांडेय ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर के 132 प्लॉट्स को औने-पौने दामों में बेचने की तैयारी में है। इन 132 प्लॉट्स में से 94 प्लॉट्स अस्पताल, शौचालय, पार्क, फूड जोन्स, नाइट शेल्टर आदि जैसे सामुदायिक सुविधाओं के लिए आवंटित थे।

ज़मीन के जिस टुकड़े से इनके राजस्व की आमदनी हो सकती थी उसको यह लोग बेचने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एमसीडी के आगामी चुनाव में सूपड़ा साफ होने के डर से भाजपा सबकुछ बेचकर अपनी तिजोरी भरने में लगी है। मेरी भाजपा से गुजारिश है कि जाते-जाते ईमानदारी का एक छोटा सा काम कर दीजिए। बस इतना बता दीजिए कि किसकी जेब में कितना पैसा गया है। प्रेसवार्ता में मौजूद नॉर्थ एमसीडी के एलओपी विकास गोयल ने दिलीप पांडेय की बात से सहमति जताई और कहा कि भाजपा ने स्कूल और अस्पताल की ज़मीने तक नहीं छोड़ी। सबकुछ प्राइवेट माफियाओं को बेचकर सिर्फ और सिर्फ कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार करने में व्यस्त है। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता, विधायक और विधानसभा में चीफ व्हिप दिलीप पांडेय ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज हम भाजपा शासित एमसीडी द्वारा जनता की जेब पर एक और अत्याचार को आपके सामने रखेंगे। नॉर्थ एमसीडी में भारतीय जनता पार्टी शासित एमसीडी ने संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में कुल 132 प्लॉट्स को औने-पौने दामों पर बेचने की तैयारी कर रखी है। औने-पौने दाम का मतलब सर्कल रेट पर बेचने जा रहे हैं। आप सभी जानते हैं कि पूरी दिल्ली में आपको सर्कल रेट पर ज़मीन नहीं मिलने वाली है। इसकी वजह क्या है? क्यों एमसीडी 132 प्लॉट्स को सस्ते दामों पर बेचने जा रही है, उसपर बात करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी को अब यह स्पष्ट हो चुका है कि आगामी चुनाव में उनका सूपड़ा साफ होने वाला है। उनकी हरकतों की वजह से चुनाव से पहले ही दिल्ली की जनता उन्हें लगभग नकार चुकी है। और अब जबकि उनका जाना तय है, लूट-खसोट और भ्रष्टाचार के जरिए, जो कुछ भी शेष रह गया हो 15 सालों की लूट के बाद, उसे भी लूटकर अपनी जेब गर्म करने की, तिजोरी भरने की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा कि मैं आपको बताना चाहूंगा कि इन 132 प्लॉट्स में से 94 प्लॉट्स ऐसे हैं जो सामुदायिक सुविधाओं के लिए थे। इन 94 प्लॉट्स पर या तो शौचालय बनना तय था, पार्क बनना तय था, फूड जोन्स बनना था, ट्रांसपोर्ट नगर के अंदर नाइट शेल्टर बनना तय था। एमसीडी ने इन 94 प्लॉट्स को भी अपनी लूट में शामिल कर लिया। ऐसा नहीं है कि ऐसी घिनोनी हरकत यह लोग पहली बार कर रहे हैं। ज़मीन के जिस टुकड़े से इनके राजस्व की आमदनी हो सकती थी उसको यह लोग बेचने जा रहे हैं। कितने ही स्कूल और हेल्थ सेंटर के लिए डीमार्क ज़मीन के टुकड़े इन्होंने पार्किंग माफियाओं को सौंप दिया। नॉवल्टी सिनेमा की ज़मीन जिसकी मार्केट वेल्यू 150 करोड़ थी, उसे सिर्फ 36 करोड़ में बेच दिया। आज तक पता नहीं चला, किसकी जेब में कितना गया।

गाजी मैदान, शीला मार्केट की जगह और ऐसी तमाम जगह हैं जिन्हें भाजपा, निगम में कभी लौटकर न आने के अंदेशे से बेचकर खा जाना चाहती है। यह लोग सबकुछ बेच रहे हैं। इमारतें बेच रहे हैं, प्लॉट्स बेच रहे हैं। या तो यह होता कि यह सब बेचकर निगम के आधीन काम करने वाले कर्मचारियों की तनख्वाह दे रहे हैं, वह भी नहीं हो रहा है। आज की तारीख में निगम के अध्यापक हड़ताल प्रदर्शन कर रहे हैं, सफाई कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं, निगम के हॉर्टिकल्चर में काम करने वाले कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं, किसी को तीन महीने से तो किसी को पांच महीनों से तनख्वाह नहीं मिली है। इससे सपष्ट होता है कि भाजपा निगम की संपत्तियों को बेचकर कमीशनखोरी कर रही है। हम आदेश गुप्ता जी से और निगम के मेयरों से पूछना चाहता हूं कि अब जब आपकी लूट का पर्दाफाश हो ही चुका है, जनता ने आपका साथ छोड़ ही दिया है और आप भी यह मान ही चुके हैं कि निगम में वापस नहीं आने वाले हैं तो जाते-जाते ईमानदारी का एक छोटा सा काम करोगे, तो दोनों लोकों में कल्याण होगा। बस इतना बता दीजिए कि किसकी जेब में कितना पैसा गया है। ऐसा करने से शायद आपके कुछ पाप धुल जाएं। शायद दिल्ली की जनता आपको माफ कर पाए। दिलीप पांडेय ने कहा कि मैं आम आदमी पार्टी की ओर से स्पष्ट करना चाहता हूं कि निगम के चुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ होने के बाद, निगम में झाड़ू चलने के बाद, यह जितने भी घोटाले हो रहे हैं, संपत्तियों की खरीद पर जितनी भी कमीशनखोरी हो रही है, निगम में आने के बाद आम आदमी पार्टी हर एक लेन-देन की जांच कराएगी। क्योंकि यह वित्तीय लेन-देन नहीं हैं बल्कि यह वित्तीय घोटाले हैं। जो भी व्यक्ति इन घोटालों में शामिल होगा, इसकी जांच की जाएगी और फिर सभी दोषियों को उनकी सही जगह पर पहुंचाया जाएगा, उन्हें जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा। संपत्तियों को बेचने की भाजपा की आतुरता तो देखिए।

मौसम अनुमान : हवा की रफ्तार ने उड़ाए दिल्ली के आसमान से प्रदूषण के कण, वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी) मंगलवार से बड़ी हवा की रफ्तार बुधवार को भी उसी गति में जारी रही। इसकी वजह से राजधानी का वायु गुणवत्ता स्तर सुधरने लगा है। दिल्ली का

वायु गुणवत्ता स्तर जो कि बेहद खराब श्रेणी में था वह अब खराब श्रेणी में आ गया है। आने वाले तीन दिन तक लगातार सुधार की संभावना है हालांकि 14 दिसंबर से फिर से वायु गुणवत्ता का स्तर बिगड़ना शुरू हो सकता है।

में बीते 24 घंटे में एयर इंडेक्स में सुधार हुआ है। मंगलवार को एयर इंडेक्स 255 था जबकि बुधवार को 237 दर्ज हुआ। नोएडा में मंगलवार को नोएडा में जहां 212 था वह 186 दर्ज हुआ। गुरुग्राम में यह स्तर 248 वह 185 पर आ गया।उधर बुधवार को आसमान साफ रहा। दिन में धूप खिली रही। अधिकतम तामपान जहां 24 डिग्री दर्ज किया जबकि न्यूनतम तामपान 10.1 डिग्री दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 38 से 95 रहा। बुहस्पतिवार को सुबह हल्का कोहरा रहेगा।

वहीं, आसमान साफ रहेगा और दिन में धूप भी खिली रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच से छह दिन आसमान लगातार साफ रहेगा इससे लगातार तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। इसमें अधिकतम तापमान 24 से खिसकर 22 से 23 डिग्री तक पहुंच सकता है जबकि न्यूनतम तापमान भी आठ से नौ डिग्री तक जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि पहाड़ों में बर्फबारी का दौर शुरू हो रखा है। इससे मैदानी इलाकों में सुबह-शाम ठिठुरन बढ़ गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 10 दिसंबर से उत्तरी हिमालय से आने वाली सर्द हवाओं से दिल्ली की ठिठुरन बढ़ जाएगी।

दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में बम धमाका, नायब कोर्ट जख्मी; जांच के दौरान इन चीजों को किया गया बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में गुरुवार सुबह बम धमाका हुआ है। मौके पर जांच में पहुंचे स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने बताया की ब्लास्ट टीन के डब्बे में हुआ। सफेद पाउडर डब्बे में रखा हुआ था। वह कोर्ट में रूम में बिखर गया। कुछ कील, मोटर साइकिल की बैटरी और वायर भी बिखरे हुए मिले हैं। हालांकि धमाके से मौके पर कोई गड्ढा नहीं हुआ है। सफेद पाउडर क्या है ये मौके पर पहुंची हस्त की टीम जांच के बाद बताएगी। स्पेशल सेल के स्पेशल कमिश्नर भी कोर्ट रूम में मौजूद हैं। मिली जानकारी के अनुसार, कोर्ट रूम नंबर 102 में लैपटाप बैग में कम तीव्रता का विस्फोट हुआ। लैपटाप बैग में टिफ़िन बम रखा हुआ था।

कोर्ट रूम में सुनवाई चल रही थी तभी अचानक ब्लास्ट हो गया। कम क्षमता वाला बम होने के कारण ब्लास्ट के दौरान कोर्ट रूम में मौजूद जज, वकील और तारीख पर आए लोग बाल बाल बच गए। हालांकि विस्फोट में एक नायाब कोर्ट जख्मी हो गए हैं। उन्हें अंबेडकर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां पर इलाज चल रहा है। घटना के समय महानगर दंडाधिकारी प्रीतु राज की अदालत में एक मामले की सुनवाई चल रही थी। ऐसे में कोर्ट में कई लोग मौजूद थे। यह दूसरा मौका है जब रोहिणी कोर्ट की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है।

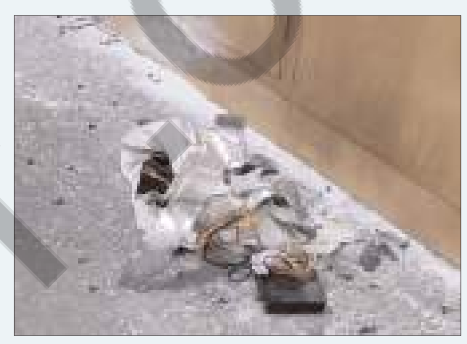

वहीं, दिल्ली पुलिस के पीआरओ की तरफ से जारी बयान में कहा गया है रोहिणी कोर्ट परिसर में एक लैपटाप बैग में कम तीव्रता का विस्फोट हुआ। फोरेंसिक और एनएसजी की टीमें इसका निरीक्षण और जांच कर रही हैं। इससे पहले रोहिणी के डीसीपी ने कहा कि लैपटाप बैग मौके से मिला है लेकिन उसमे लैपटाप था या नही, इसकी जानकारी अभी नहीं मिली है। मौके पर सारी चीजें बिखडी हुई हैं। पूरी तरह से जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। फिलहाल इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। रोहिणी कोर्ट के एक अहलमद ने बताया कि जिस समय ब्लास्ट हुआ वह दूसरी मंजिल पर थे। धमाका काफी तेज़ हुआ था। करीब 15 मिनट तक सुनाई देने बंद हो गया। दमकल विभाग के अनुसार सुबह दस बजकर 40 मिनट पर कोर्ट के रूम नंबर 102 में विस्फोट की सूचना मिली थी। यह एक मामूली विस्फोट थी और सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर बचाव कार्य को पूरा कर लिया गया। बहरहाल, कोर्ट रूम को सील कर पुलिस के आला अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। सितंबर को रोहिणी कोर्ट में कुख्यात गैंगस्टर जितेंद्र उर्फ गोगी की विरोधी गिरोह द्वारा हत्या कर देने के बाद पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने दिल्ली की सभी अदालतों की सुरक्षा समीक्षा कर अदालतों की सुरक्षा का जिम्मा दिल्ली पुलिस की सुरक्षा यूनिट को सौंप दिया था। पहले अदालतों की सुरक्षा स्थानीय पुलिस करती थी। अब एसीपी की निगरानी में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे।

बावजूद इसके रोहिणी कोर्ट में ब्लास्ट की घटना हो गई। बता दें कि सितंबर को रोहिणी कोर्ट में दो बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर कुख्यात बदमाश जितेंद्र मान उर्फ गोगी की हत्या कर दी थी। वारदात के समय उसे कोर्ट रूम में पेशी के लिए लाया गया था। कोर्ट रूम में जज के सामने बदमाशों ने जितेंद्र मान उर्फ गोगी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने दोनों हमलावरों को ढेर कर दिया था। बदमाश वकील के वेश में अदालत में घुसे थे। इस घटना के बाद रोहिणी कोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे।

आतिशी ने ओखला फेज 3 औद्योगिक क्षेत्र से लघु उद्योगपतियों से मुलाकात की

लघु उद्योगपतियों के साथ पहली बैठक में, विधायक आतिशी ने तुरंत उनकी सभी समस्याओं का समाधान करने का आदेश दिया

विधायक आतिशी द्वारा बड़े पैमाने पर रीसायकल मशीन लगा कर सीवर लाइन को खोलने , स्ट्रीट लाइट की समस्या ,पर्याप्त पानी की आपूर्ति की समस्या को लेकर तत्कालीन आदेश

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। कालकाजी के विधायक आतिशी ने ओखला फेज 3 औद्योगिक क्षेत्र का दौरा किया जहां उन्होंने लघु उद्योगपतियों से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उद्योगपतियों

ने अपनी समस्या का खुल कर ज़िक्र किया । लघु उद्योगपतियों के साथ पहली बैठक में, विधायक आतिशी ने तुरंत उनकी सभी समस्याओं को दूर कराने का आदेश दिया।

कालकाजी के विधायक आतिशी द्वारा बड़े पैमाने पर रीसायकल मशीन लगा कर सीवर लाइन को खोलने , स्ट्रीट लाइट की समस्या ,पर्याप्त पानी की आपूर्ति की समस्या को लेकर तत्कालीन आदेश भी दिया गया तथा प्रॉपर्टी के फ्री होल्डिंग्स को ले कर भी छस्ढ्ढष्ष्ट के साथ बैठक करने का निर्णय भी लिया गया, तत्पश्चात जल बोर्ड से भी बात कर वाटर ओवरफ्लो की समस्याओं से भी छुटकारा दिलाने का भरोसा दिलाते हुए बोरिंग होल जल्द से जल्द लगवाने के निर्णय भी दिया गया।

स्ट्रीट लाइट की मांग पर विधायक आतिशी ने बताया कि कमर्शल प्रॉपर्टी के चलते उद्योगपतियों को अपनी बिल्डिंग पर स्ट्रीट लाइट लगवानी होगी। कई उद्योगपति अपनी फैक्ट्री पर लाइट लगवाने के लिए आगे आये। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है ,आप की अपनी सरकार है । लोग वहां बिना कोई संकोच के अपनी समस्याओं को अपने छेत्र के नेताओं के साथ साझा करते है और तुरंत समाधान भी मिलता है। वहाँ के विधायक तथा मुख्यमंत्री को लोग हमेशा अपने समस्याओं के समय उनके साथ खड़े दिखाई देते हैं। दिल्ली एक मात्र ऐसा राज्य है जहाँ उद्योगपति खुशी से ,वक्त पर सरकार को टैक्स की भरपाई कर देते हैं।

लघु उद्योगपतियों के साथ हुए इस बैठक में उपस्थित सभी उद्योगपतियों ने विधायक आतिशी के निर्णय से प्रभावित होकर उनके कार्यशील की सराहना की। बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई और सभी ने खड़े होकर विधायक आतिशी के प्रभाव और स्वभाव की तालियों के साथ सराहना की।

चांदनी चौक के व्यापारी कपड़े पर जीएसटी में बढ़ोत्तरी के विरोध में काली पट्टी बांधकर कर रहे हैं विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी) कपड़े पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 5 फीसद से बढ़ाकर 12 फीसद किए जाने के विरोध में चांदनी चौक के 30 हजार से अधिक कपड़ा कारोबारियों ने क्रमवार आंदोलनों की घोषणा की है। इस क्रम में वे बृहस्पतिवार को बांह और सिर पर काली पट्टी बांधकर विरोध जता रहे हैं। दिनभर कपड़ा कारोबारी दुकानों पर काली पट्टी बांधकर बैठे रहेंगे।

इसी तरह वे 13 दिसंबर को टाउन हाल से लालकिला तक शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकालेंगे। जबकि इस बीच के दिनों में केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा दिल्ली के सभी सांसदों को अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौपेंगे। बता दें कि जीएसटी दर में यह बढ़ोत्तरी अगले वर्ष एक जनवरी से लागू होगी। इससे दिल्ली समेत पूरे देश के कपड़ा कारोबारियों में नाराजगी है। इसके खिलाफ सूरत, मुंबई समेत अन्य कपड़े के थोक बाजारों में भी व्यापारी आंदोलनरत है। बुधवार को चांदनी चौक स्थित दिल्ली हिंदुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन (डीएचएमए) के कार्यालय के सभागार में आंदोलन की रणनीति को लेकर कटरे और कूचे में स्थित कारोबारी संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई थी। इस बैठक की अध्यक्षता डीएचएमए के उपाध्यक्ष श्रीभगवान बंसल ने की व संचालन महामंत्री मुकेश सचदेवा ने की थी। बैठक में विभिन्न कटरों के व्यापारी प्रतिनिधियों ने इस बढ़ोतरी का पूरजोर विरोध करते हुए कहा कि इससे कपड़ा और महंगा हो जाएगा।

पुलिस की गिरफ्त में आए गैंगस्टर काला जठेड़ी गैंग के दो शार्पशूटर, पहले भी रहे हत्या के मामलों में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी) भारत नगर थाना पुलिस ने काला जेठड़ी गैंग के दो शार्पशूटर को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान जौन्ती गांव के अंकित उर्फ दीपांशु और कुतुबगढ़ के आशु उर्फ निखिल के रूप में हुई है। आरोपितों के पास से बाइक, दो पिस्टल और चार कारतूस बरामद किए गए हैं। आरोपित पहले भी हत्या व हत्या की कोशिश के मामलों में शामिल रहे हैं। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त ऊषा रंगनानी ने बताया कि मंगलवार शाम भारत नगर थाने के एसएचओ मोहर सिंह के निर्देशन में एसआइ विरेंद्र, हेड कांस्टेबल मो यामीन, कांस्टेबल स्नेह और नितिन संगम पार्क इलाके में गश्त पर थे। उन्होंने देखा कि दो युवक बिना नंबर प्लेट की बाइक पर आ रहे हैं। पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। जब उनकी तलाशी ली गई तो उनके पास से दो पिस्टल व चार कारतूस बरामद हुए। आरोपित कुख्यात काला जठेड़ी गैंग के सदस्य हैं। वह गैंग के एक सदस्य के निर्देशों का पालन करते हैं। पिस्टल भी उसी ने आरोपितों को दी थी।

दोनों नशा करते हैं और सितंबर में ही आब्जर्वेशन होम से बाहर आए थे। आरोपित पहले भी हत्या व हत्या के प्रयास के मामलों में शामिल रहे हैं। जानकारी के अनुसार अंकित बवाना थाना क्षेत्र में हत्या की कोशिश और कंझावला थाना क्षेत्र में हत्या के मामले में शामिल था। वहीं, आशु बवाना थाना क्षेत्र में हत्या की कोशिश के मामले में शामिल रहा है। उधर पश्चिमी दिल्ली में बुजुर्गों को एटीएम से पैसे निकालने में हो रही दिक्कत के दौरान

मदद के नाम पर ठगी का शिकार बनाने वाले बावरिया गिरोह के दो बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। द्वारका जिला पुलिस वाहन चोरी निरोधक दस्ते ने बावरिया गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों में रतन व राहुल शामिल है। दोनों नजफगढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस का दावा है कि दोनों गिरफ्तारियों से जिले के विभिन्न थानों में दर्ज नौ मामले सुलझे हैं। आरोपितों के पास से पुलिस ने चार एटीएम कार्ड, दो मोबाइल फोन, एक स्कूटी व एक मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपितों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस इस पूरे प्रकरण की तह में पहुंचने की कोशिश कर रही है ताकि अन्य आरोपित भी पकड़ में आएं। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त शंकर चौधरी ने बताया कि आरोपित ऐसे बुजुर्गों को शिकार बनाते थे, जिन्हें एटीएम से पैसे निकालने में दिक्कत होती थी। मदद के नाम पर ये ऐसे लोगों से एटीएम कार्ड लेते और फिर उसे बड़ी चालाकी से बदल कर फरार हो जाते थे। इस दौरान बुजुर्ग से ये एटीएम कार्ड का पिन भी पूछ लेते थे। दोनों आरोपित नूंह के बावरिया गिरोह से ताल्लुक रखते हैं। इस गिरोह का सरगना जानी नूंह के धागोट गांव का रहने वाला है। दरअसल, चार दिसंबर को बाबा हरिदास नगर थाना में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसमें कहा गया कि एटीएम बदलकर खाते से 1.5 लाख रुपये उड़ा लिए गए। एसीपी विजय सिंह की देखरेख में वाहन चोरी निरोधक दस्ते के प्रभारी इंस्पेक्टर कमलेश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने मामले की तहकीकात शुरू की। छानबीन के दौरान पता चला कि बदमाशों ने पीड़ित बुजुर्ग को जो एटीएम कार्ड सौंपा था, वह भी एक अन्य बुजुर्ग का था। इनके खाते से भी 28 हजार रुपये की निकासी की गई थी। ऐसे में पुलिस के सामने अब दो मामलों को सुलझाने की चुनौती थी। जिसके बाद पुलिस ने इसी दिशा में अपनी जांच को आगे बढ़ाया। अब पुलिस इस मामले में अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी है।

सम्पादकीय
ओपन सर्च

पूरब का पश्चिम में उजाला

हाल के दशकों में भारत तकनीक क्षेत्र का केंद्र बिंदु रहा है। इस क्षेत्र में साल-दर-साल किस तरह भारतीयों ने सफलता की सुनहरी इबारत लिखी, किसी से छिपा नहीं। गूगल से लेकर माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम से अडोब तक ऐसे बहुत से टेक्नोलॉजी जॉयन्ट्स हैं, जिनके सीईओ भारतीय हैं। नोकिया, पेप्सी और मास्टरकार्ड जैसी कंपनियों ने भी इन्वेंशन, मार्केटिंग व प्रबंधन के क्षेत्र में भारतीयों को महत्ता दी। अब इसी फेहरिस्त में ट्विटर का नाम जुड़ गया है। चंद रोज पहले ही भारतीय मूल के पराग अग्रवाल इसके सीईओ बने। अजमेर के एक माध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे 37 वर्षीय पराग आईआईटी, बॉम्बे के छात्र रहे, जिन्होंने 2001 में तुर्की में हुए इंटरनेशनल फिजिक्स ओलंपियाड में गोल्ड मेडल जीता था। इन्होंने कैलिफोर्निया के स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में पीएचडी की।

पराग की तरह चेन्नई में जन्मे गूगल की पैरेंट कम्पनी अल्फाबेट के सीईओ सुन्दर पिचाई ने भी आईआईटी खड़गपुर से स्नातक की डिग्री हासिल की और स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ साइंस और यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिआ से एमबीए किया। वहीं, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने मणिपाल यूनिवर्सिटी से बीटेक और अमेरिका की विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफसाइंस और शिकागो से एमबीए यानी मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन किया। एडोब के सीईओ शांतनु नारायण ने उस्मानिया यूनिवर्सिटी से स्नातक किया, बाद में उन्होंने कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से एमबीए किया। आईबीएम के सीईओ अरविन्द कृष्णा ने भी आईआईटी कानपुर से बीटेक किया और बाद में यूनिवर्सिटी ऑफइलेनॉइस से पीएचडी की। माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सीईओ और सैनडिस्क के कोफाउंडर संजय मेहरोत्रा ने बिट्स पिलानी और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया से बैचलर और मास्टर्स किया। बाद में स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी से बिजनेस की पढ़ाई की। उनके नाम 70 से ज्यादा पेटेंट्स हैं।

पालो आल्टो नेटवर्क्स के सीईओ निकेश अरोरा भी आईआईटी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से स्नातक हैं और इन्होंने नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी, बोस्टन से एमबीए की डिग्री हासिल की। आज दुनिया भर में तकनीकी, गैर तकनीकी, बैंकिंग आदि क्षेत्र में करीब दो दर्जन से अधिक ऐसी मल्टीनेशनल कंपनियां हैं जिनके सीईओ भारतीय है या रहे हैं। तो क्या कारण है कि ये बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने प्रमुख और महत्वपूर्ण पदों के लिए भारतीयों पर ही भरोसा करती हैं? जाहिर है व्यक्तिगत कौशल, योग्यता और कड़ी मेहनत के अलावा इन भारतीयों में पाए जाते हैं भारतीय संस्कृति के कुछ ऐसे खास गुण और मूल्य जो इन्हें सबसे अलग और सबकी पहली पसंद बनाते हैं। कितना सुखद है कि बहुत ही सामान्य पृष्ठभूमि से संबंध रखने वाले ये हुनरमंद आज अपनी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ता से इस मुकाम तक पहुंचे। इसमें दो मत नहीं कि भारत प्रगतिशील देश है जहां संसाधनों का अभाव रहता है। इस कारण बच्चों को कम उम्र से ही हर माहौल में ढल जाने और उसे अपने अनुकूल बनाने की शिक्षा परिवार से मिल जाती है। साथ ही इन्हें अप्रत्याशित परिस्थितियों, अनिश्चितताओं से निकलने और उन्हें अपने अनुकूल ढालने का ज्ञान भी हो जाता है। 135 करोड़ की विशाल जनसंख्या, उसमें भी आईआईटी जैसे प्रीमियर संस्थानों में प्रवेश के लिए कड़ी स्पर्धा तो वो परिस्थितियाँ बनाती हैं, जिससे छोटी आयु में बेहद कठिन प्रतिस्पर्धाओं का सामना करने की काबिलियत आ जाती है। बस यहीं से ये भारतीय वैश्विक स्तर के लिए, तैयार होते हैं। भारत एक बहु सांस्कृतिक देश है। यहां पले-बढ़े व्यक्ति को बचपन से ही दूसरों की संस्कृति और विचारों का सम्मान करना, बिना किसी पक्षपात के उनके साथ मिलकर काम करना, किसी भी मुद्दे का हल बातचीत से निकालना सिखाया जाता है। यही मंत्र एक मल्टीनेशनल कंपनी में विभिन्न देशों के लोगों के साथ मिलजुल कर रहने और काम करने में सहायक होता है। भारत में रिश्तों और व्यवहार की खास अहमियत होती है। सबके साथ मिलकर रहना, एक-दूसरे का ध्यान रखना, कई छोटी-बड़ी बातों की अनदेखी करना किसी भी सीईओ की दया, सहनशीलता बढ़ाने और स्वीकार्यता के गुणों को बढ़ाती है। हमारी बहुभाषी संस्कृति के कारण यहां पला-बढ़ा व्यक्ति कम-कम 2-3 भाषाएं और बोलियाँ बोल लेता है। यही गुण उन्हें कुशल वक्ता भी बनाता है। शायद यही वे कारण हैं कि अमेरिका में एक अवधारणा बन गई है कि भारतीय मूल के लोग तकनीकी और प्रबंधन के क्षेत्र में बहुत अच्छे होते हैं। इसीलिए वहाँ की इंडियन-अमेरिकन कम्युनिटी और दूसरे अल्पसंख्यकों में भारतीयों की ही सबसे सफल और समृद्ध कम्युनिटी है।

इसका पता 2015 के एक सर्वे से भी चला जिसमें सिलिकॉन वैली के एक तिहाई इंजीनियर्स भारतीय हैं। इसी से पता चला कि विश्व की 10 प्रतिशत हाईटेक कंपनियों के सीईओ भारतीय हैं, जो दूसरी बड़ी उपलब्धि है। ये सारी बातें कहीं न कहीं भारत के वैश्विक कद को बढ़ाती हैं तभी गूगल, ट्विटर, माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों के सीईओ भारतीय हैं। इससे भारत के प्रति विश्वास तो बढ़ता ही है जो हमारे लिए एक सॉफ्ट पावर की तरह काम करता है। यकीनन वैश्विक स्तर पर कहीं न कहीं इंडियन मल्टीनेशनल कॉरपोरेशन और इंडियन स्टार्टअप की संभावनाएं बढ़ेंगी। इतना ही नहीं, ये उपलब्धियाँ भारत को खासा प्रोत्साहित करती हैं। इससे जहाँ एक तरफ बच्चों को कड़ी मेहनत और इस क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिलता है, वहीं दूसरी तरफ बिजनेस फ्रेंडली एन्वायरमेंट भी बेहतर होता है। सही मायनों में हमारी जीत तब होगी जब विश्व की 18 प्रतिशत जनसंख्या वाले भारत के विश्व की प्रमुख 500 कंपनियों (फॉर्च्यून 500) में केवल दर्जन भर नहीं बल्कि तकरीबन 100 से अधिक सीईओ होंगे और इसमें भारत की 7 नहीं बल्कि 70 कंपनियां होंगी।

भारत-रूस करें चीन को अलग-थलग

आर.के. सिन्हा

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की हालिया भारत यात्रा चीन के लिए एक संदेश होनी चाहिए। उस चीन के लिए जो भारत की सरहदों पर बार-बार अतिक्रमण की कोशिश करने से बाज ही नहीं आ रहा है। पुतिन की नई दिल्ली

> भारत-चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में हुई झड़प के बाद रूस की तटस्थ नीति के चलते दोनों देशों के संबंध अब पहले की तरह तो नहीं रहेंगे। कहने वाले कह रहे थे कि कईयों को गिला यह था कि झड़प के बाद भी रूस की भारत के हक में ठोस प्रतिक्रिया नहीं आई थी। पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई भयंकर झड़प पर रूस ने कहा था कि वो भारत-चीन के बीच बढ़ते तनाव के कारण चिंता में है, लेकिन उसे उम्मीद है कि दोनों पड़ोसी देश इस विवाद को आपस में सुलझा सकते हैं।

यात्रा के दौरान दोनों के दरम्यान अनेक अहम मसलों पर समझौते हुए प् लेकिन, अगर साफ तौर पर या संकेतों में ही चीन को यह बता दिया जाता कि भारत-रूस हरेक संकट में एक-दूसरे के साथ खड़े रहेंगे, तो बेहतर होता। देखिए कि जब से दुनिया कोविड के शिकंजे में आई है तब से पुतिन सिर्फ दो ही देशों में गए हैं। पहले वे अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ रॉबिनेट बाइडेन से मिलने जेनेवा गए थे। उसके बाद वे भारत आए। इसी उदाहरण से समझा जा सकता है कि वे और उनका देश भारत को कितना महत्व देता है। इसलिए पुतिन की इस यात्रा को सामान्य या सांकेतिक यात्रा की श्रेणी में रखना तो भूल ही होगी। दरअसल भारत-रूस के बीच मौजूदा संबंधों में आई गर्मजोशी की जमीन तैयार करने में दोनों देशों के विदेश मंत्री क्रमशः एस.जयशंकर और सर्गेई लावरोव ने अहम रोल अदा किया है। दोनों देशों की यह चाहत है कि इनके बीच आपस में आगामी 2025 तक

30 अरब डॉलर का कारोबार और 50 अरब पूरा डॉलर के निवेश का लक्ष्य हो जाए।कोविड की चुनौतियों के बावजूद भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों और सामरिक भागीदारी में कोई बदलाव नहीं आया है। कोविड के खिलाफ लड़ाई में भी दोनों देशों के बीच सहयोग रहा है।

हालांकि कुछ जानकार मान रहे थे कि भारत-चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में हुई झड़प के बाद रूस की तटस्थ नीति के चलते दोनों देशों के संबंध अब पहले की तरह तो नहीं रहेंगे। कहने वाले कह रहे थे कि कईयों को गिला यह था कि झड़प के बाद भी रूस की भारत के हक में ठोस प्रतिक्रिया नहीं आई थी। पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई भयंकर झड़प पर रूस ने कहा था कि वो भारत-चीन के बीच बढ़ते तनाव के कारण चिंता में है, लेकिन उसे उम्मीद है कि दोनों पड़ोसी देश इस विवाद को आपस में सुलझा सकते हैं। चीनी सैनिकों के साथ झड़प में भारतीय सेना के कर्नल सहित 20 जवान मारे गए थे। चीन की सीमा पर यह पांच दशकों के बाद सबसे बड़ा सैन्य टकराव था, जिसने दोनों देशों के बीच पहले से ही अस्थिर सीमा गतिरोध को और बढ़ा दिया था। तब से भारत-चीन संबंध सामान्य नहीं हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन की तरफ से कहा गया था, 'निश्चित रूप से हम चीनी-भारतीय सीमा पर बहुत ध्यान से देख रहे हैं। हम मानते हैं कि दोनों देश भविष्य में ऐसी स्थितियों को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने में सक्षम हैं।' उस हिंसक झड़प में चीन को भी भारी नुकसान हुआ था जग हंसाई हुई थी सो अलग प् रूस को अपना पुराना और भरोसे का मित्र मानते हुए भारत उससे कुछ अतिरिक्त की उम्मीद कर रहा था। भारत की जनता की दिली इच्छा थी कि रूस उसी तरह से भारत के साथ खड़ा हो जैसे वह 1971 में पाकिस्तान के साथ जंग के समय में खड़ा हुआ था। तब वह सोवियत संघ था। इसमें कोई शक नहीं है कि रूस की प्रतिक्रिया से वे लोग निराश ही हुए थे जिन्होंने भारत-सोवियत संघ मैत्री का दौर देखा था। तब सोवियत संघ भारत के भरोसे के मित्र के रूप में सामने आता था। भारत-पाकिस्तान के बीच 1971 की जंग के समय सोवियत संघ ने भारत का हरसंभव साथ दिया था। यह बात भी सच है कि इन पचास सालों के दौरान दुनिया बहुत बदली है, पर इतनी भी नहीं बदली जितना कि रूस बदला। कायदे से उसे पूर्वी लद्दाख में झड़प के समय भारत के हक में खुलकर आगे आना चाहिए था। लेकिन, उसने औपचारिक किस्म का एक संतुलित बयान देकर अपनी जान छुड़ा ली थी। फिर कुछ हलकों में यह भी कहा जा रहा था कि आतंकवाद से लड़ने के मामले में भी भारत को रूस का अपेक्षित साथ नहीं मिला। ब्रिक्स देशों के मंच पर भी नहीं। सारी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान आतंकवाद की फैक्ट्री बन चुका है और चीन का उसे खुला समर्थन मिलता है। चीन भी तो ब्रिक्स का सदस्य ही है। इसके बावजूद रूस ने कभी चीन को इस बिन्दु पर सलाह नहीं दी कि वह पाकिस्तान से दूरियां बनाएं। ब्रिक्स, यानी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का संघ। इस में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका हैं। आतंकवाद के मसले पर सभी ब्रिक्स देशों को चीन और पाकिस्तान के खिलाफसमवेत स्वर से बोलना चाहिए था। लेकिन, यह अबतक तो कभी नहीं हुआ। चीन ब्रिक्स आंदोलन को लगातार कमजोर करता रहा है। चीन भारत के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रहा है। चीन के इस रवैये पर रूस चुप ही रहता है। भारत रूस से यह उम्मीद तो नही करता कि वह चीन से अपने सभी संबंध तोड़ ले। पर इतनी अपेक्षा तो कर सकता है कि वह सही मसले पर बोले। सत्य का साथ दे। भारत- रूस का दायित्व है कि वे धूर्त चीन पर लगाम लगाने के लिए रणनीति बनाएं।

यह सारी दुनिया में शांति स्थापित करने के लिये जरूरी है। बहरहाल, चालू साल 2021 भारत-रूस द्विपक्षीय संबंधों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इस साल 1971 की ट्रीटी ऑफ पीस फ्रेंडशिप एंड कोऑपरेशन के पांच दशक और हमारी सामरिक भागीदारी के दो दशक पूरे हो रहे हैं। पिछले साल दोनों देशों के बीच व्यापार में 17 फीसद की गिरावट हुई थी, परन्तु इस साल पहले 9 महीनों में व्यापार में 38 फीसदकी बढ़ोतरी देखी गई है। दोनों देश स्वाभाविक रूप से सहयोगी हैं और बहुत महत्वपूर्ण चीजों पर साथ दूसाथ काम कर रहे हैं, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र, अंतरिक्ष सहित उच्च तकनीक के क्षेत्र शामिल हैं। यहां तक तो सब ठीक है। भारत-रूस संबंध सारी दुनिया के लिए उदाहरण होने चाहिए। दोनों देशों को विश्व शांति और बंधुत्व के लिए सदैव प्रयासरत रहना होगा। अगर वे सिर्फ आपसी व्यापार में वृद्धि की ही बातें करेंगे और तब नेपथ्य में चले जाएंगे और जब दोनों पर संकट होगा तो फिर इस तरह की दोस्ती का मतलब ही क्या रहेगा?

न खाऊंगा का वादा तो पूरा हुआ लेकिन ना खाने दूँगा की हुंकार ने पूरा असर नहीं दिखाया है

ललित गर्ग

अन्तर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोध दिवस प्रतिवर्ष 9 दिसम्बर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। भ्रष्टाचार एक दीमक की तरह है जो देश एवं दुनिया को, उसकी अर्थव्यवस्था को और कुल मिलाकर नैतिकता एवं मूल्यों को खोखला कर रहा है। यह उन्नत एवं मूल्याधारित समाज के विकास में बड़ी बाधा है। दुनिया का लगभग हर देश इस समस्या से ग्रसित है। इसीलिये 31 अक्टूबर 2003 को संयुक्त राष्ट्र ने एक भ्रष्टाचार-निरोधी समझौता पारित किया था और तभी से यह दिवस मनाया जाता है।

आसान शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार उन लोगों के द्वारा जिनमें पॉवर होती है एक प्रकार का बेईमान या धोखेबाज आचरण को दर्शाता है। यह समाज की बनावट को भी खराब एवं भ्रष्ट करता है। यह लोगों से उनकी आजादी, स्वास्थ्य, धन और कभी-कभी उनके जीवन को ही खत्म कर देता है। किसी ने सही कहा है कि भ्रष्टाचार एक मीठा जहर है। विश्व भर में हर साल खरबों डॉलर की रकम या तो रिश्वतखोरी या फिर भ्रष्ट तरीकों की भेंट चढ़ जाती है जिससे कानून के शासन की अहमियत तो कम होती ही है, साथ ही मादक पदार्थों, हथियारों और लोगों की अवैध तस्करी, हिंसा, आपराधिक राजनीति एवं आतंकवाद को भी बढ़ावा मिलता है। हर साल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने वाली खरबों डॉलर की ये रकम वैश्विक घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 5 फीसदी के बराबर है। इसके कारण राष्ट्रों की समृद्धि से ज्यादा साख खतरे में पड़ी है। आज हमारे कंधे भी इसीलिये झुक गये कि भ्रष्टाचार का बोझ सहना हमारी आदत हो गयी है। भ्रष्टाचार के नशीले अहसास में रास्ते गलत पकड़ लिये और इसीलिये भ्रष्टाचार की भीड़ में हमारे साथ गलत साथी, संस्कार, सलाह, सहयोग जुड़ते गये। जब सभी कुछ गलत हो तो भला उसका जोड़, बाकी, गुणा या भाग का फल सही कैसे आएगा? तभी भ्रष्टाचार से एक बेहतर दुनिया बनाने के प्रयासों के रास्ते में भारी रुकावट पैदा हो रही है। भ्रष्टाचार एक गंभीर अपराध है जो सभी समाजों में नैतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास को कमजोर करता है। आज के समय में भ्रष्टाचार से कोई देश, क्षेत्र या समुदाय बचा नहीं है। यह दुनिया के सभी हिस्सों में फैल गया है, जो राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक संस्थानों को भी कमजोर करता है, सरकारी अस्थिरता में योगदान देता है और आर्थिक विकास को भी धीमा करता है, तभी इस विकराल होती समस्या पर नियंत्रण पाने के लिये संयुक्त राष्ट्र ने भ्रष्टाचार निरोध दिवस को आयोजित करने का निश्चय किया। दुःखद स्थिति है कि भारत अपनी आजादी के अमृत महोत्सव तक पहुंचते हुए भी स्वयं को ईमानदार नहीं बना पाया, चरित्र सम्पन्न राष्ट्र नहीं बन पाया। यह सत्य है कि जब राजनीति भ्रष्ट होती है तो इसकी परछाइयां दूर-दूर तक जाती हैं। हमारी आजादी की लड़ाई सिर्फ आजादी के लिए थी- ईमानदार एवं आदर्श व्यवस्था के लिए नहीं थी। यही कारण है कि आजादी के

> **दुनिया का लगभग हर देश इस समस्या से ग्रसित है। इसीलिये 31 अक्टूबर 2003 को संयुक्त राष्ट्र ने एक भ्रष्टाचार-निरोधी समझौता पारित किया था और तभी से यह दिवस मनाया जाता है। आसान शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार उन लोगों के द्वारा जिनमें पॉवर होती है एक प्रकार का बेईमान या धोखेबाज आचरण को दर्शाता है। यह समाज की बनावट को भी खराब एवं भ्रष्ट करता है। यह लोगों से उनकी आजादी, स्वास्थ्य, धन और कभी-कभी उनके जीवन को ही खत्म कर देता है।**

बाद बनी सरकारों के भ्रष्टाचार का विष पीते-पीते भारत की जनता बेहाल हो गई। हजारों लोग बेकसूर जेलों में पड़े हैं। रोटी के लिए, शिक्षा के लिये, चिकित्सा के लिये, रोजगार के लिए तरसते हैं। उपचार के लिए अस्पतालों के धक्के खाते हैं। आयुष्मान जैसी योजना भी भारत में भ्रष्टाचार की शिकार हो गई। कुछ सत्तापतियों की सात पीढ़ियों सुरक्षित हो गयी। आज हमारी व्यवस्था चाहे राजनीति की हो, सामाजिक हो, पारिवारिक हो, धार्मिक हो, औद्योगिक हो, शैक्षणिक हो, सब चरमरा गई है। दोषग्रस्त एवं भ्रष्ट हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदार बहुत पीछे रह जाता है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रगतिशील कदम उठाने वालों ने और समाज सुधारकों ने अगर व्यवस्था सुधारने में मुक्त मन से सहयोग नहीं दिया तो आजादी के कितने ही वर्ष बीत जायें, हमें जैसा होना चाहिए, वैसा नहीं हो पायेंगे, लगातार भ्रष्ट होते चले जायेंगे। भारत अभी भी विकासशील देशों में से एक है। पूर्ण रूप से विकसित ना होने का सबसे बड़ा कारण यहां देश में बढ़ता भ्रष्टाचार ही है। भ्रष्टाचार की बढ़ती विभीषिका को नियंत्रित करने के लिये 8 नवंबर 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोटबन्दी की घोषणा की थी। इसका असर भी देखने को मिला है। देश में भ्रष्टाचार कम हो रहा है।

यह बात विश्वसनीय नहीं लगती, लेकिन 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया' (टीआईआई) ने अपनी 'इंडिया करप्शन सर्वे-2019' नाम से जारी रिपोर्ट में यही दावा किया है। यह एक गैरसरकारी संगठन है, जो भ्रष्टाचार रोधी अभियान चलाने के साथ, भ्रष्टाचार की स्थिति पर वार्षिक सर्वेक्षण करके रिपोर्ट भी देता है। इस संगठन ने पहली बार भ्रष्टाचार कम होने की रिपोर्ट दी है। यह सुखद स्थिति है। भ्रष्टाचार निरोध दिवस मनाते हुए दुनिया के कतिपय राष्ट्रों ने ईमानदार शासन व्यवस्था देने का उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिनमें भारत में नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश में एक नयी चुस्त-दुरूस्त, पारदर्शी, जवाबदेह और भ्रष्टाचार मुक्त कार्यसंस्कृति को जन्म दिया है, इस तथ्य से चाह कर भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। न खाऊंगा का प्रधानमंत्री का दावा अपनी जगह कायम है लेकिन न खाने दूंगा वाली हुंकार अभी अपना असर नहीं दिखा पा रही है। सरकार को भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिये सख्ती के साथ-साथ व्यावहारिक कदम उठाने की अपेक्षा है।

पिछले 75 वर्षों की भ्रष्ट कार्यसंस्कृति ने देश के विकास को अवरूद्ध किया। आजादी के बाद से अब तक देश में हुये भ्रष्टाचार और घोटालों का हिसाब जोड़ा जाए तो देश में विकास की गंगा बहायी जा सकती थी। दूषित राजनीतिक व्यवस्था, कमजोर विपक्ष और क्षेत्रीय दलों की बढ़ती ताकत ने पूरी व्यवस्था को भ्रष्टाचार के अंधेरे कुएं में धकेलने का काम किया। देखना यह है कि क्या वास्तव में हमारा देश भ्रष्टाचार मुक्त होगा? यह प्रश्न आज देश के हर नागरिक के दिमाग में बार-बार उठ रहा है कि किस प्रकार देश की रगों में बह रहे भ्रष्टाचार के दूषित रक्त से मुक्ति मिलेगी। वर्तमान सरकार की नीति और नियत दोनों देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की है, लेकिन उसका असर दिखना चाहिए। भारत विश्व में अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिये प्रसिद्ध है लेकिन भ्रष्टाचार की वजह से इसको भारी क्षति पहुँचती रही है।

यूपी की राजनीति में पहले बाहुबली थे हरिशंकर तिवारी, चिल्लूपार में आज भी चलता है उनका सिक्का

गंगा मणि दीक्षित

1980 के दशक में पूर्वांचल के गोरखपुर से माफिया की शुरुआत होती है। हम बात कर रहे हैं हरिशंकर तिवारी की। ये वही हरिशंकर तिवारी हैं जिन्हें राजनीति के अपराधीकरण के लिए जाना जाता है। यूपी की राजनीति में हरिशंकर तिवारी उस वक्त चर्चा में आ जाते हैं जब 1985 में वे गोरखपुर की चिल्लूपार सीट से विधानसभा चुनाव लड़ते हैं और जेल की चारदीवारी के अंदर रहते हुए चुनाव जीत जाते हैं। इसके बाद हरिशंकर तिवारी के लिए राजनीति का दरवाजा खुल जाता है।

बता दें कि लोग हरिशंकर तिवारी को प्यार से बाबूजी कहकर बुलाते हैं। यूपी विधानसभा चुनाव ज्यों-ज्यों करीब आ रहे हैं प्रदेश में राजनीतिक उठापटक तेज होती जा रही है। पूर्वांचल की राजनीति में उठा पठक चालू हो गई है। पूर्वांचल के बाहुबली नेता हरिशंकर तिवारी के विधायक बेटे विनय शंकर तिवारी की अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने उनके पूरे कुनबे को (भाई कुशल तिवारी और रिश्तेदार गणेश पांडेय सहित) पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। माना जा रहा है कि यह कुनबा जल्द ही समाजवादी पार्टी में शामिल हो सकता है लेकिन यदि ऐसा होता है तो यह बसपा के साथ-साथ भाजपा के लिए चिंता का विषय हो सकता है। लिहाजा दोनों पार्टियों के रणनीतिकार तिवारी परिवार के अगले कदम पर नजर रखे हुए हैं। राजनीति में एक समय ऐसा था जब इंदिरा गांधी के खिलाफ जय प्रकाश नारायण मोर्चा खोले हुए थे। इस दौरान छात्र जेपी के साथ और इंदिरा के खिलाफ विरोध कर रहे थे। लेकिन पूर्वांचल में अलग ही कहानी चल रही थी। पूर्वांचल में माफिया, शक्ति और सत्ता की लड़ाई शुरू हो चुकी थी। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्र यहां बंदूकों की नाल साफ कर रहे थे। यही वह पल है जब हरिशंकर तिवारी की राजनीति में एंट्री होती है। लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं से वंचित इस क्षेत्र के युवाओं की दिलचस्पी कट्टों और खतरनाक हथियारों में आ गई। जेल में रहते हुए हरिशंकर तिवारी चुनाव जीते और साल 1997 से लेकर 2007 तक वे लगातार यूपी में मंत्री बने रहे। वह 22 सालों तक चिल्लूपार सीट से विधायक रहे। तिवारी को केवल 2 बार हार मिली। वह पहली बार साल 2007 में और दूसरी बार साल 2012 में चुनाव हारे। भाजपा, सपा, बसपा सभी सरकारों में वे कई मंत्रालयों को संभालते रहे। वैसे तो सीधे तौर पर हरिशंकर तिवारी पर लगे आरोप अभी तक साबित नहीं हुए हैं लेकिन कहते हैं कि उन्होंने ही क्षेत्र में माफिया राज की शुरुआत की। कॉलेज के दौरान से ही छात्रों पर नजर रखी जाने लगी। जो छात्र जितना अव्वल और तेज तर्रार होते उन्हें उतनी ही जल्दी माफियाओं की शरण मिल जाती थी। इन्हीं छात्रों में एक था श्रीप्रकाश शुक्ला जिसे पूरा उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि उत्तर भारत जानता है। हरिशंकर तिवारी के मुताबिक वे राजनीति में इसलिए आए क्योंकि उस समय के तत्कालीन मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह ने उन पर झूठे केस लगाकर जेल भेज दिया था। हरिशंकर तिवारी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह पहले प्रदेश कांग्रेस के सदस्य थे। इंदिरा गांधी के साथ काम कर चुके हैं, लेकिन चुनाव कभी नहीं लड़ा। तत्कालीन राज्य सरकार द्वारा किए गए उत्पीड़न के कारण उन्होंने राजनीति में आने का फैसला किया। 1980 के दशक में हरिशंकर तिवारी के खिलाफ गोरखपुर जिले में 26 मामले दर्ज किए गए। इन मामलों में हत्या करवाना, हत्या की कोशिश, किडनैपिंग, छिनैती, रंगदारी, वसूली, सरकारी काम में बाधा डालने जैसे न जाने कितने ही मामले थे। लेकिन हरिशंकर तिवारी आज तक किसी भी आरोप में दोषी नहीं पाए गए हैं। उनके बारे में कहा जाता है कि वे खुद जुर्म नहीं करते थे। बता दें कि गोरखपुर में राजपूतों के नेता माने जाने वाले वीरेंद्र शाही की हत्या भी उस समय श्रीप्रकाश शुक्ला ने की थी। हालांकि बाद में श्रीप्रकाश शुक्ला और हरिशंकर तिवारी के बीच मनमुटाव भी देखने को मिला था। कहते हैं कि इसी हत्या के बाद पूर्वांचल और यूपी की किस्मत में अपराध और माफियाराज स्थापित हो गया। पूर्वांचल में 1980 के दशक में विकास कार्यों हेतु सरकारी परियोजनाओं का आगमन हुआ। लेकिन सरकारी परियोजनों पर भी वर्चस्व हमेशा बाहुबलियों का रहा है। ऐसे में हरिशंकर तिवारी के पाले में पूरे पूर्वांचल का ठेका जाने लगा। पूर्वांचल में एक समय ऐसा भी था, जब सभी ठेके खुद ब खुद तिवारी को मिलने लगे क्योंकि उनके खिलाफ खड़ा होने के लिए कोई नहीं था। ऐसे में पूर्वांचल के रेलवे, कोयले सप्लाई, खनन, शराब इत्यादि अन्य तरह के सभी ठेकों पर हरिशंकर तिवारी और उनके लोगों का कब्जा रहा। अगर पूर्वांचल और बिहार के कुछ हिस्सों को देखे तो ऐसा अमूमन पाया जाता है कि जो शख्स किसी के लिए माफिया, बाहुबली या दंगाई होता है, वही किसी और के लिए रॉबिनहुड और भगवान भी होता है। पूर्वांचल में ऐसा हर बाहुबली, माफिया के साथ है। ऐसा ही कुछ हरिशंकर तिवारी के लिए भी कहा जा सकता है क्योंकि इतने आरोप के बावजूद चिल्लूपार की जनता उन्हें बार-बार जिताती रही और विधानसभा भेजती रही। साल 2012 में मिली हार के बाद से हरिशंकर तिवारी ने चुनाव नहीं लड़ा। उनकी आयु भी काफी अधिक हो चुकी है। वर्तमान में उनकी उम्र 85 वर्ष हो चुकी है। लेकिन आज भी चिल्लूपार में उनका प्रभाव है। वे अपने क्षेत्र के लोगों के यहां शादी ब्याह में दिख जाते हैं। साल 2017 से बसपा के टिकट पर उनके बेटे विनय शंकर तिवारी चिल्लूपार सीट से विधायक चुने गये। हरिशंकर तिवारी के लिए कहा जाता है कि यूपी और पूर्वांचल की राजनीति में अगर आपको दिलचस्पी है तो आप हरिशंकर तिवारी से प्यार या नफरत कर सकते हैं, उन्हें अपराधी या रॉबिनहुड मान सकते हैं लेकिन उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। बता दें कि हरिशंकर तिवारी फिलहाल अपने गोरखपुर के जटाशंकर मुहल्ले में किलेनुमे घर में रहते हैं। इस घर को तिवारी हाता के नाम से पूरे गोरखपुर व पूर्वांचल में जाना जाता है। वैसे यूपी की मौजूदा राजनीति में काफी समय से यह परिवार चर्चा में नहीं रहा है लेकिन पूर्वांचल के जातिगत समीकरणों में इसकी दखल से कोई भी इंकार नहीं करता। 80 के दशक में हरिशंकर तिवारी और वीरेन्द्र प्रताप शाही के बीच वर्चस्व की जंग ने ब्राह्मण बनाम ठाकुर का रूप ले लिया था। माना जाता है कि इन्हीं दो बाहुबलियों के विधायक बनने के बाद यूपी की सियासत में बाहुबलियों की एंट्री शुरू हुई।

हरिशंकर तिवारी चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र से लगातार छह बार विधायक रहे। कल्याण सिंह, राजनाथ सिंह और मुलायम सिंह यादव की सरकारों में कैबिनेट मंत्री रहे लेकिन 2007 के चुनाव में बसपा के राजेश त्रिपाठी ने उन्हें चुनाव हरा दिया। इसके बाद भी यूपी की सियासत में तिवारी परिवार का रसूख कम नहीं हुआ। उनके बड़े बेटे कुशल तिवारी संतकबीरनगर से दो बार सांसद रहे तो छोटे बेटे विनय शंकर तिवारी चिल्लूपार सीट से विधायक हैं। जबकि हरिशंकर तिवारी के भांजे गणेश शंकर पांडेय बसपा सरकार में विधान परिषद सभापति रहे हैं। अब कहा जा रहा है कि ये सभी नेता सपा में शामिल हो सकते हैं। तिवारी परिवार यदि सपा का दामन थामता है तो यह बसपा के साथ-साथ भाजपा के लिए भी चिंता का विषय हो सकता है। इसे जहां बसपा की सोशल इंजीनियरिंग को झटका माना जा रहा है वहीं राजनीतिक पंडितों का कहना है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में ब्राह्मणों की नाराजगी भाजपा के लिए भी कुछ सीटों पर मुश्किल खड़ी कर सकती है। सपा-बसपा-कांग्रेस सहित सभी राजनीतिक दल ब्राह्मणों को लुभाने में जुटे हैं। भाजपा का कोर वोटर माना जाने वाला यह वर्ग यदि उससे दूर जाने के साथ ही किसी एक पार्टी के साथ लामबंद होता है तो यह परेशानी का कारण बन सकता है। पूर्व मंत्री पंडित हरिशंकर तिवारी के दोनों बेटे व भांजे पिछले डेढ़ दशक से बसपा में थे। जुलाई 2007 में उन्होंने बसपा ज्वाइन की थी। हालांकि पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी ने कभी बसपा की सदस्यता ग्रहण नहीं की। वह निर्दलीय ही चुनाव लड़ते रहे। विनय शंकर तिवारी ने बसपा के टिकट पर बलिया लोकसभा उप चुनाव से राजनीति में कदम रखा। वहां से चुनाव हार गए। वहीं 2008 में खलीलाबाद लोकसभा उप चुनाव में उनके बड़े भाई कुशल तिवारी बसपा से मैदान में उतरे और सांसद बने। 2009 में दोनों भाइयों को बसपा ने एक बार फिर प्रत्याशी बनाया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

मोहाली 16 साल की नाबालिग ने बच्चे को दिया जन्म, घरवालों ने बदनामी के डर से छुपाई बात, मामला थाने पहुंचा

मोहाली। मोहाली में रहने वाली एक 16 साल की नाबालिग ने बच्चे को जन्म दिया है। घरवालों ने बदनामी के डर से किसी को यह बात नहीं बताना चाहते थे, लेकिन जब नाबालिग को अस्पताल लाया गया और उसके दस्तावेजों की जांच हुई तो युवती कम उम्र की निकली। इसके बाद मामला पुलिस के पास पहुंचा। सोहाना थाना पुलिस ने 16 साल की नाबालिक से दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ आइपीसी की धारा 376 व पोक्सो एक्ट की धारा 4 व 6 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपित की पहचान अजात निवासी जाजगीर चंपा छत्तीसगढ़ के रूप में हुई है। नाबालिग युवती ने गर्भवती होने के बाद एक बच्चे को जन्म दिया, जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ।

जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर सुखदीप कौर ने बताया कि आरोपित युवक अभी फरार है जिसकी तलाश में पुलिस की एक टीम छत्तीसगढ़ रवाना हो चुकी है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार पीड़िता के माता-पिता मजदूरी का काम करते हैं। जो मोहाली में किराये के मकान में रहते हैं। नाबालिग युवती छत्तीसगढ़ में अपने नाना नानी के पास रहती थी। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि करीब 2 साल पहले उसकी अजात नाम के युवक से दोस्ती हुई थी। दोस्ती की आड़ में आरोपित उसके साथ दुष्कर्म करता रहा और फिर उसे दोबारा कभी नहीं मिला। इसके बाद वह मोहाली में अपने माता पिता के पास आ गई। कुछ दिन पहले उसके पेट में दर्द हुआ तो उसने अपने परिवार को सारी बात बताई। बदनामी के डर से उसके परिवार वाले उसे चंडीगढ़ जीएमसीएच -32 अस्पताल ले गए जहां उसने एक बच्ची को जन्म दिया। पुलिस ने पीड़ित युवती के बयान दर्ज करने उपरांत उक्त आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

चंडीगढ़ पुलिस की नाकाबंदी देख भागने लगा युवक, जवानों ने दौड़कर दबोचा तो आरोपित से मिला हथियार

चंडीगढ़ (एजेंसी) नगर निगम चुनाव को लेकर शहर में पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चौकसी बढ़ा दी है। पुलिस शहर के विभिन्न एरिया में नाकाबंदी कर रही है। पुलिस टीमें अलग अलग एरिया में नाके लगाकर वाहनों को चेक करने के साथ ही पेट्रोलिंग के दौरान संदिग्धों से पूछताछ भी कर रही है। बापूधाम में पुलिस नाकाबंदी के दौरान एक युवक पुलिस को देखकर मौके से भागने लगा। पुलिस को उसपर शक हुआ तो उसका पीछा कर उसे दबोच लिया गया। पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उससे हथियार बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मनीमाजरा शास्त्री नगर के रहने वाले 25 वर्षीय दविंदर कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार नगर निगम चुनाव को देखते हुए बापूधाम चौकी इंचार्ज ने इलाके में नाके से लेकर पेट्रोलिंग बढ़ाते हुए हर संदिग्ध से पूछताछ करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत बुधवार को बापूधाम चौकी मैं तैनात सब इंस्पेक्टर मोहन सिंह क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रहे थे। पेट्रोलिंग के दौरान जैसे ही वह बापूधाम कॉलोनी स्थित ईडब्ल्यूएस फ्लैट के पास पहुंचे ,तो उन्होंने एक युवक को मुख्य सड़क की तरफ से आते हुए देखा। युवक की पुलिस पर नजर पड़ते साथ ही वह तेज कदमों से वापस जाने लगा। जिस पर संदेह होने पर सब इंस्पेक्टर ने जब उसे रोकने के लिए कहा, तो वह भागने लगा। जिसके बाद सब इंस्पेक्टर मोहन सिंह ने उसका का पीछा कर उसे दबोच लिया। इसके बाद आरोपित की तलाशी में उसके पास से एक कमानीदार चाकू बरामद हुआ।

अंबाला में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग का इंस्पेक्टर ने ली 20 हजार की रिश्वत, विजिलेंस ने रंगे हाथ पकड़ा

बराड़ा (एजेंसी) खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर विनोद दुबे सहित दो लोगों को बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते विजिलेंस ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस दर्ज करके तफ्तीश शुरू कर दी है। बराड़ा वार्ड नंबर नौ के डिपो होल्डर प्रवीण कुमार ने इस संबंध में प्रताड़ित कर दबाव बनाकर रुपये मांगने के आरोप लगाए थे। इंस्पेक्टर डिपो होल्डर पर दबाव बना रहा था कि उसके क्षेत्र में एक डिपो खोलने की फाइल आई है।

नियम के अनुसार डिपो नहीं खुल सकता था। इसके बावजूद दबाव बनाकर दो बार बीस-बीस हजार रुपये पहले भी ले लिए थे। विजिलेंस ने आरोपितों को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। विजिलेंस ने प्रवीण कुमार से संबंधित दस्तावेजों को भी कब्जे में लिया है। हालांकि आधिकारिक रूप से विजिलेंस के डीआइजी अशोक कुमार इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। उधर, आरोपित को वीरवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक वार्ड नंबर नौ के डिपो होल्डर प्रवीण कुमार को कई दिनों से इंस्पेक्टर तंग कर रहा था। वह उस पर दबाव बनाकर रिश्वत मांग रहा था। मामला बीस हजार रुपये में तय हो गया था।

इसको लेकर प्रवीण कुमार ने विजिलेंस के अधिकारियों को शिकायत दी, जिसके बाद एक टीम का गठन किया गया। इस टीम में विजिलेंस के अलावा प्रशासनिक अधिकारी को बतौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट शामिल किया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की। प्रवीण ने फोन पर इंस्पेक्टर से बात की, जिसने उसे होटल में आने और रुपये हरीश को देने की बात कही। इसके बाद प्रवीण होटल पहुंचा और रुपये हरीश को पकड़ा दिए। जैसे ही रुपये इंस्पेक्टर को पकड़ाए, वैसे ही विजिलेंस ने दोनों को पकड़ लिया।

रोहतक में एफसीआई की गेहूं ले जा रहे ट्रक चालक पर सरिया से हमला कर 25 हजार रुपये लूटे

रोहतक (एजेंसी) अनाज मंडी से गेहूं लेकर राजस्थान जा रहे ट्रक चालक के साथ बाइक सवार दो बदमाशों ने मारपीट कर 25 हजार रुपये और मोबाइल लूट लिया। शिवाजी कालोनी थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी गई शिकायत में झज्जर जिले के तलाव गांव निवासी हंसराज ने बताया कि उसने महराना के रहने वाले जयवीर से ट्रक ले रखा है, जिसे एफसीआइ के गोदाम में लगा रखा है।

बुधवार देर रात वह रोहतक अनाज मंडी स्थित गोदाम से गेहूं लेकर राजस्थान के झालावाड के लिए चला था। रोहतक आउटर बाईपास पहुंचते ही ट्रक का इंजन बंद हो गया। इस पर चालक हंसराज ने पास के एक ढाबे पर खाना खाया और वापस आकर ट्रक में लेट गया। इसी दौरान बाइक सवार दो आरोपित वहां पर आए। एक आरोपित ने दरातीनुमा हथियार से हंसराज के मुंह पर वार किए, जबकि दूसरे आरोपित ने उस पर सरिया से हमला करना शुरू कर दिया। इसमें हंसराज घायल हो गया। इसके बाद आरोपितों ने 25 हजार रुपये और मोबाइल लूट लिया। धमकी दी कि यदि पुलिस में शिकायत की तो जान से मार देंगे। आरोपितों के जाने के बाद पीड़ित पास के ढाबे पर पहुंचा, तब जाकर पुलिस को घटना की जानकारी दी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपितों की तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। शिवाजी कालोनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उधर, रामगोपाल कालोनी स्थित मंडप के बाहर से बाइक और स्कूटी चोरी का प्रयास कर रहे तीन आरोपितों को रंगेहाथ पकड़ लिया गया। मायना गांव के रहने वाले राकेश ने बताया कि वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है। बुधवार रात उसकी ड्यूटी रामगोपाल कालोनी स्थित एक मंडप में थी। जहां पर शादी-समारोह चल रहा था। इसी दौरान वहां पर तीन युवक पहुंचे। जो वहां पर खड़ी बाइक और स्कूटी चोरी करने की नीयत उनमें चाबी लगाकर देख रहे थे। आरोपितों को रंगेहाथ पकड़ लिया गया।

हरियाणा कांग्रेस विधायक दल की बैठक में बनी सरकार को घेरने की रणनीति, इन को विधासभा में उठाएंगे

चंडीगढ़ (एजेंसी)
कांग्रेस विधायक दल की बुधवार को हुई बैठक में विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान भाजपा-जजपा गठबंधन की सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की गई। विधायकों ने प्रदेश में नौकरियां बेचने का आरोप लगाते हुए इस मुद्दे पर सदन नहीं चलने देने की रणनीति बनाई। कानून व्यवस्था, महंगाई, रुकी हुई परियोजनाओं में गति का अभाव, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग में खाली पड़े पदों पर भर्ती नहीं होने के मुद्दे भी विधानसभा में उठाए जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा के आवास पर हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में तय हुआ कि सरकार से कोरोना की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए की जाने वाली तैयारियों पर जवाब मांगा जाएगा। बैठक के बाद हुड्डा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकारी अस्पतालों में स्पेशलिस्ट डाक्टरों के 70 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। स्पेशलिस्ट डाक्टरों के 1978 पद हैं, जबकि 669 पर ही डाक्टर काम कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग में 10 हजार पद खाली हैं। इसी तरह शिक्षा विभाग में 40 हजार से अधिक पद खाली चल रहे हैं। इन खाली पदों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारा प्रदेश कितने रसातल में जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था का बुरा हाल है। हर जिले में गंभीर अपराध बढ़ रहे हैं। बेरोजगारी में प्रदेश पहले ही नंबर वन हो चुका है। अपराधी बेखौफ हैं और लोग खौफ में जी रहे हैं। प्रदेश सरकार नंबरदारी प्रथा खत्म करने जा रही है, जबकि उसे यह मालूम नहीं कि नंबरदारी है तो सरकार है। फसलों के उचित दाम किसानों को नहीं मिले। धान की खरीद की प्रति एकड़ लिमिट तय कर दी गई है।

पहले डीएपी नहीं मिलता था। अब यूरिया नहीं मिल रहा है। विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम के दौरान जनता ने कांग्रेस विधायकों के समक्ष जो मुद्दे उठाए हैं, उन सभी को विधानसभा में पुरजोर तरीके से उठाया जाएगा। तीन कृषि कानूनों को वापस लेने से जुड़े सवाल पर हुड्डा ने कहा कि इस काम को बहुत पहले कर लिया जाना चाहिए था। अब सरकार को एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने के साथ ही दिवंगत किसानों के परिजनों को मुआवजा व नौकरियां दी जानी चाहिए। इसके अलावा किसानों पर दर्ज समस्त तरह के केस वापस लिए जाएंगे। हरियाणा लोक सेवा आयोग को भंग करने की मांग को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपने विधायकों के साथ बुधवार को राजभवन में दस्तक दी। कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बाद राजभवन पहुंचे हुड्डा ने राज्यपाल से कहा कि सरकार ने हरियाणा लोक सेवा आयोग के उप सचिव अनिल नागर को बर्खास्त कर पूरे मामले में लीपापोती की है। राजनीतिक संरक्षण के बिना नौकरियों में पैसे नहीं लिए जा सकते, इसलिए हरियाणा लोक सेवा आयोग को भंग कर पूरे मामले की न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए। राजभवन कूच करने से पहले हुड्डा ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक में भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार को विधानसभा में घेरने की रणनीति तैयार की। इसके बाद मीडिया से रूबरू हुए और फिर विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता के साथ हुई रूल्स कमेटी की बैठक में भागीदारी करने चले गए। हुड्डा राजभवन में शाम के वक्त गए और राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर हाईकोर्ट के सीटिंग जज से नौकरियों में हो रहे घोटाले की जांच की मांग की। हुड्डा ने मंगलवार को हरियाणा कांग्रेस कमेटी द्वारा पंचकूला में आयोजित प्रदर्शन में भागीदारी नहीं करने से जुड़े एक सवाल पर पूरी स्थिति साफ की।

उन्होंने कहा कि मैं दस साल तक प्रदेश का मुख्यमंत्री रहा हूं। मेरी भी कोई गरिमा है। मैं क्लर्कों का घेराव करने के लिए हरियाणा लोक सेवा आयोग के कार्यालय पर नहीं जा सकता। कांग्रेस प्रभारी विवेक बंसल का उनके पास फोन आया था। तब मैंने उन्हें यह बात बता दी थी। हुड्डा ने कहा कि मैंने विवेक बंसल से कहा था कि यदि कोई धरना होता है, राज्यपाल या राष्ट्पति अथवा प्रधानमंत्री से मिलने का कार्यक्रम है तो वह जाने को तैयार हैं। आगे भी यदि ऐसे प्रदर्शन होंगे तो वह उनमें भागीदारी नहीं करेंगे। मैंने किसी विधायक को इस कार्यक्रम में जाने से नहीं रोका और वह गए भी। उन्होंने कहा कि हरियाणा लोक सेवा आयोग के कार्यालय पर प्रदर्शन का कार्यक्रम उनसे पूछकर नहीं रखा गया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन आयोग में नौकरियां परचून की दुकान की तरह बिक रही हैं। सरकारी नौकरियों के रेट तय हैं। अब सरकार ने अनुबंध पर लगने वाली नौकरियां हरियाणा कौशल विकास निगम के जरिए दिए जाने की व्यवस्था कर भ्रष्टाचार की तीसरी दुकान खोल दी है।

हुड्डा ने कहा कि उपसचिव अनिल नागर का निलंबन लीपापोती से अधिक कुछ नहीं है। नौकरियां देना नागर के हाथ में नहीं था। वह सेटिंग करता था। सरकार ने दुकान के सेल्समैन को तो पकड़ लिया, लेकिन दुकान मालिक को कुछ नहीं कहा। यह कैसा न्याय है। उन्होंने आयोग के चेयरमैन और सदस्यों को बर्खास्त करने के साथ ही एचपीएससी को भंग करने की मांग की है। कांग्रेस सरकार में 11 भर्तियां रद होने से जुड़े सवाल पर हुड्डा ने कहा कि यह गलत प्रचार किया जा रहा है। कोर्ट में भर्ती को चुनौती कोई भी दे सकता है।

साथ आए किरण चौधरी व रणदीप सुरजेवाला, हरियाणा कांग्रेस में बन सकते हैं नए समीकरण

चंडीगढ़ (एजेंसी)
हरियाणा में लंबे समय से कई गुटों में बंटी कांग्रेस में अब नए सियासी समीकरण बनते दिख रहे हैं। दिल्ली दरबार में गहरी पैठ रखने वाले पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और पूर्व मंत्री एवं विधायक किरण चौधरी के बीच बढ़ती नजदीकियां कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति में कोई बड़ा गुल खिला सकती हैं। पंचकूला में मंगलवार को प्रदेश अध्यक्षा कुमारी सैलजा और हरियाणा प्रभारी विवेक बंसल के साथ खड़े हुए किरण और सुरजेवाला बुधवार को फिर एक साथ हरियाणा कांग्रेस के मुख्यालय पहुंचे और भर्तियों में गोलमाल को लेकर गंभीर आरोप जड़े। हरियाणा लोकसेवा आयोग और कर्मचारी चयन आयोग की भर्तियों में गोलमाल को लेकर रणदीप सिंह सुरजेवाला हमलावर हैं। वह लगातार दस्तावेजों के साथ पत्रकारों के बीच जाकर सरकार की घेराबंदी कर रहे हैं। वहीं, किरण चौधरी ने भी घोटाले को लेकर विधानसभा के शीतकालीन सत्र में काम रोको प्रस्ताव लगाया हुआ है। अभी तक अलग-

अलग मंचों से यह मुद्दा उठाते रहे सुरजेवाला और किरण चौधरी ने पहली बार संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस की जिसके बाद कांग्रेस की आंतरिक राजनीति गरमा गई है। दोनों दिग्गजों के एक मंच पर आने को पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा को बड़ी चुनौती माना जा रहा है। पार्टी में राष्ट्रीय स्तर पर स्थायी अध्यक्ष की नियुक्ति की मांग उठा रहे 23 नेताओं के समूह (जी-23) में शामिल हुड्डा जहां शक्ति प्रदर्शन का कोई मौका नहीं चूकते, वहीं किरण और सुरजेवाला की दिल्ली दरबार से नजदीकियां किसी से छिपी नहीं। ऐसे में हुड्डा सरकार में मंत्री रहे इन दोनों नेताओं का एकसाथ आना कई चर्चाओं को हवा दे रहा है। हालांकि सुरजेवाला से इस संबंध में सवाल दागा गया तो उन्होंने कहा कि इसमें कोई राजनीति नहीं देखी जानी चाहिए। सभी कांग्रेस का हिस्सा हैं और अपने-अपने तरीके से मुद्दों को उठा रहे हैं। बीते रोज पंचकूला में हरियाणा लोक सेवा आयोग के घेराव में सैलजा और बंसल के साथ ही 14 विधायकों और अन्य कई बड़े नेताओं ने भागीदारी की। इससे साबित होता है कि हम सब एक हैं। हम सभी का लक्ष्य नौकरी की दलाली करने वालों पर शिकंजा कसना है। सुरजेवाला ने आरोप जड़ा कि भर्ती घोटालों में शामिल सफेदपोश लोगों का राज खुलने के डर से अटैची कांड को दबाने की कोशिश की जा रही है। एचपीएससी के उपसचिव रहे अनिल नागर की बर्खास्तगी भी जांच को ठंडे बस्ते में डालने का एक और कदम है। जब आयोग ने खुद माना है कि भर्तियों का सारा रिकार्ड अनिल नागर की कस्टडी में था जिससे रिकार्ड की विश्वसनीयता नहीं रही तो फिर पिछले सात साल में हुई तमाम भर्तियां रद क्यों नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर सभी 32 पेपर लीक घोटालों और अटैची कांड की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि सूत्रों के मुताबिक आरोपित ने एक वीडियो विजिलेंस को दिया है, जिसमें दो बड़े लोग ओएमआर सीट भरवाते दिखते हैं। मुख्यमंत्री सारी स्थिति को स्पष्ट करें। किरण चौधरी ने कहा कि भर्तियों में गोलमाल को लेकर उन्होंने विधानसभा में काम रोको प्रस्ताव दिया है। उन्होंने

पंजाब सीएम चन्नी के भाई डा मनोहर सिंह लड़ेंगे चुनाव, एसएमओ के पद से दे चुके हैं इस्तीफा

मोहाली (एजेंसी) मैं मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का छोटा भाई हूं, इसलिए कांग्रेस पार्टी मुझे टिकट नहीं देगी। पार्टी की ओर से सर्वे करवाया जा रहा है। सर्वे में अगर पार्टी को लगेगा कि मैं सच में काम कर रहा हूं, लोग मुझे चाह रहे हैं तो पार्टी मुझे टिकट देगी। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के छोटे भाई डा मनोहर सिंह ने दैनिक जागरण से बातचीत में ये बात कही। बता दें कि डा मनोहर सिंह मोहाली के खरड़ सिविल अस्पताल में बतौर सीनियर मेडिकल आफिसर (एसएमओ) के पद पर तैनात थे, लेकिन उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। डा मनोहर सिंह ने कहा कि मैंने अगस्त 2021 में अपने पद से (एसएमओ खरड़) इस्तीफा दे दिया था। तब इस बात का अंदाजा भी नहीं था कि बड़े भाई चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब के मुख्यमंत्री बन जाएंगे। डा मनोहर सिंह जिला फतेहगढ़ साहिब के बस्सी पठाना विधानसभा हलके से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। बस्सी पठाना विधानसभा हलका एससी वर्ग के लिए रिजर्व है। डा मनोहर सिंह ने बताया कि कोविड के दौरान उनकी पोस्टिंग नंदपुर कलौर प्राइमरी हेल्थ सेंटर में थी। इस दौरान मैंने क्षेत्र में बहुत काम किया, लेकिन वहां के विधायक जीपी ने मेरा तबादला करवा दिया। तब तक क्षेत्र के लोग पूरी तरह से मेरे साथ जुड़ने लगे थे। चुनाव लड़ने के बारे में तभी सोच लिया था। बाकी पार्टी हाईकमान का जो निर्देश होगा उसी के तहत काम किया जाएगा। मनोहर सिंह ने कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से पत्रकारिता में मास्टर्स किया है। वे पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के लॉ ग्रेजुएट भी हैं। डा मनोहर न पंजाब सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और जनरल सेक्रेटरी भी रह चुके हैं। इसके अलावा एक एनजीओ साडी सांझ भी चलाते हैं जो बुजुर्गों की आंखों का उपचार करती है। बस्सी पठाना से कांग्रेस के मौजूदा विधायक गुरप्रीत सिंह जीपी ने कहा कि डा मनोहर का तबादला करवाने में मेरा कोई हाथ नहीं था। ये तो रूटीन ट्रांसफर थी। मैं तो अपना काम कर रहा हूं। इस समय मैं हलके का विधायक हूं। फिर इसी जगह से चुनाव लड़कर चुनाव जीतूंगा। इससे ज्यादा मुझे कुछ नहीं कहना।

पंजाब में कांग्रेस कंपेन कमेटी चेयरमैन बनाए गए सुनील जाखड़ पर सस्पेंस बरकरार, पार्टी की बढ़ी चिंता

चंडीगढ़ (एजेंसी)
पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की कंपेन कमेटी के चेयरमैन बनाए गए सुनील जाखड़ पर पार्टी में सस्पेंस बरकरार है। दरअसल, जाखड़ ने चेयरमैन बनाए जाने बावजूद अभी तक न तो पार्टी का धन्यवाद किया है और न ही यह स्पष्ट किया कि वह इस जिम्मेदारी को स्वीकार कर रहे हैं या नहीं। हिंद की चादर गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर जाखड़ ने ट्वीट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी, लेकिन साथ ही सस्पेंस और बढ़ा दिया। उन्होंने गुरु जी को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा पंजाब में धर्म, जाति, पहचान के आधार पर भेदभाव, असमानता की झूठी भावना पैदा करने वालों के विरुद्ध लड़ना जारी रखने का संकल्प लेता हूं। जाखड़ ने ट्वीट के जरिए अपना दर्द पार्टी को बता दिया है। क्योंकि हिंदू होने के कारण कांग्रेस ने उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया और इस बात के लिए पार्टी हाईकमान पर अंबिका सोनी ने दबाव बनाया था। तब भी जाखड़ ने गुरु तेग बहादुर जी की शहीदी का ही उदाहरण दिया था। बुधवार को जाखड़ ने अपने ट्वीट से साफ संकेत दे दिए हैं कि उनकी लड़ाई जारी रहेगी।

हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह पार्टी में रहकर ही अपना संघर्ष जारी रखेंगे या फिर वह किसी दूसरे विकल्प के बारे में विचार कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जाखड़ का रुख पार्टी के लिए चिंता का कारण बना हुआ है।

क्योंकि पार्टी ने न सिर्फ जाखड़ को कंपेन कमेटी का चेयरमैन बनाया है, बल्कि उन्हें स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य भी बनाया है। जाखड़ के करीबी सूत्र बताते हैं कि वह पार्टी के मंच से ही अपनी लड़ाई को जारी रखेंगे। कांग्रेस नेता भी जानते हैं कि जाखड़ की नाराजगी 2022 के चुनाव में पार्टी पर भारी पड़ सकती है, क्योंकि हिंदू कांग्रेस से दूर हो गया है।

पंजाब में शिअद का नया सियासी कार्ड, कहा- अल्पसंख्यकों व सिखों को जीवित रहना है तो उसे जीतना होगा

चंडीगढ़ (एजेंसी)
भाजपा से गठबंधन टूटने और भाजपा के कैप्टन गठजोड़ के प्रयासों के बीच शिरोमणि अकाली दल ने नया सियासी कार्ड खेला है। शिअद के प्रधान सुखबीर सिंह बादल के प्रधान सलाहकार हरचरण सिंह बैंस ने ट्वीट कर कहा है, आप इस बात से इन्कार नहीं कर सकते कि अगर भारत में अल्पसंख्यकों और सिखों को जीवित रहना है तो शिरोमणि अकाली दल को इस बार जीतना होगा।

उन्होंने आगे कहा कि यह सिर्फ सुखबीर के बारे में नहीं है। यह इससे भी बड़ी बात है। कभी-कभी इतिहास लोगों को उससे भी बड़ी भूमिका के लिए चुनता है, जितना कि हम महसूस करते हैं। अब तक पंथक मामलों को लेकर राजनीति करते आ रहे शिरोमणि अकाली दल का इस तरह का स्टैंड राजनीतिक विश्लेषकों को भी समझ नहीं आ रहा है।

वह उनके इस बयान को एक हारे हुए दल की बयानबाजी के रूप में देख रहे हैं, जबकि दूसरी ओर विपक्षी पार्टियों ने उनके इस बयान को धर्म आधारित राजनीति करार दिया है। भारतीय जनता पार्टी के महासचिव डा.

सुभाष शर्मा ने हरचरण बैंस को जवाब देते हुए कहा हैं कि सुखबीर बादल सिर्फ एक राजनेता हैं और अकाली दल सिर्फ एक राजनीतिक दल। उसे पंथ के समकक्ष बताकर अपनी दलगत राजनीति न करें। आपके व्यक्तव्य से लगता है कि आपको अपनी हार साफ दिखाई देने लगी है। क्या आपको लगता है कि पंजाब में सिखों को खतरा है? खतरा सिखों का नहीं है बल्कि उनके नाम पर राजनीति करने वाले बादल परिवार को है। हरचरण बैंस के इस बयान से लग रहा है कि असल खतरा सुखबीर बादल की प्रधानगी को लेकर है। अब कोई उनके अधीन काम नहीं करना चाहता। प्रकाश सिंह बादल के बाद सबसे सीनियर नेता सुखदेव सिंह ढींडसा और रंजीत सिंह ब्र्ह्मपुरा उनकी प्रधानगी को पहले ही चुनौती देते हुए बाहर हो गए हैं।

अब उनके निकटवर्ती मनजिंदर सिंह सिरसा जैसे लोग भी उन्हें छोड़कर भाजपा में चले आ गए हैं। पंजाब यूनिवर्सिटी के समाजशास्त्र विभाग के पूर्व प्रोफेसर मनजीत सिंह ने कहा कि हरचरण बैंस का ट्वीट निराशावादी है। लगता है कि उन्होंने मान लिया है कि पार्टी बुरी तरह से हार रही है।

उन्हें यह बताना चाहिए था कि अल्पसंख्यकों को खतरा किससे है। सिखों जैसी बहादुर कौम तो 1920 से लेकर 77 तक विभिन्न मोर्चों पर लड़ती ही रही है। मनजीत सिंह ने कहा कि अकाली दल की मौजूदा लीडरशिप के घुटनों में पानी भर गया है, जिस कारण पंथक लोग उनसे दूर चले गए हैं। अब ये सड़कों पर संघर्ष करने वाली पार्टी नहीं रही है।

ओमिक्रोन अलर्ट : पंजाब में स्वास्थ्य कर्मियों की हड़ताल से आरटीपीसीआर जांच पर 'ब्रेक', 5 हजार सैंपल करने पड़े स्टोर

लुधियाना (एजेंसी)
नेशनल हेल्थ मिशन (एनएनएच) के तहत सेहत विभाग में कांट्रैक्ट पर काम कर रहे करीब एक हजार कर्मचारियों की हड़ताल ने स्वास्थ्य विभाग की तबीयत खराब कर दी है। नए वैरिएंट ओमिक्रोन के खतरे के बीच कांट्रैक्ट कर्मचारियों की हड़ताल ने कोरोना की आरटीपीसीआर टेस्ट की जांच पर ब्रेक लगा दी है। विभाग को तीन दिन में करीब 5 हजार आरटीपीसीआर सैंपल जांच की रफ्तार बहुत धीमी होने के कारण स्टोर करने पड़े हैं। पटियाला स्थित सरकारी मेडिकल कालेज की वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैबोरेटरी (वीआरडीएल) के कांट्रैक्ट व आउटसोर्स से रखे कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। इस कारण लैब में आरटीपीसीआर सैंपलों की जांच बुरी तरह प्रभावित हो गई है। लुधियाना जिले में तीन दिन से रोजाना चार हजार सैंपल लिए जा रहे हैं।

इनमें से मात्र एक हजार सैंपल ही जांच के लिए पटियाला स्थित लैब में भेजे जा रहे हैं। बाकी सैंपलों को सिविल अस्पताल के आइडीएसपी सहित अन्य कलेक्शन सेंटरों में स्टोर किया जा रहा हैं। इनकी संख्या करीब छह हजार तक है। पहले रोजाना तीन से चार हजार सैंपल जांच के लिए

भेजे जा रहे थे। बताया जा रहा है कि कर्मचारियों की हड़ताल के कारण पटियाला लैब की ओर से सेहत विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट किया गया है कि वह रोजाना एक हजार से अधिक सैंपल जांच के लिए न भेजें। यही नहीं जांच के लिए भेजे जा रहे आरटीपीसीआर सैंपलों की जांच रिपोर्ट आने में भी अब देर लग रही है। दो से तीन दिन बाद रिपोर्ट मिल रही है। पहले 24 घंटे में रिपोर्ट मिल जाती थी। कोरोना के वैरिएंट का पता लगाने के लिए पहले पाजिटिव सैंपल पटियाला भेजे जा रहे थे। कर्मचारियों की कमी के कारण लैब ने जीनोम सिक्वेंसिंग करने से मना कर दिया है। अब पाजिटिव सैंपल दिल्ली भेजने पड़ रहे हैं। इसमें समय भी अधिक लग रहा है और विभाग का खर्च भी बढ़ गया है। गुरु अंगद देव वेटरनरी एंड एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी (गडवासू) स्थित वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैबोरटरी (वीआरडीएल) में कांट्रैक्ट व आउटसोर्स से रखे 28 कर्मचारी भी दो दिन से हड़ताल पर हैं। इनमें दो रिसर्च साइंटिस्ट, छह रिसर्च असिस्टेंट, आठ लैब टेक्नीशियन, तीन लैब अटेंडेंट, तीन स्वीकर और आठ डेटा एंट्री आपरेटर शामिल हैं। इस लैब में होशियारपुर जिले से आने वाले सैंपलों की जांच की जाती है।

दो दिन से सैंपलों की जांच नहीं हो रही है। दो माह पहले तक लुधियाना के सैंपल भी इस लैब में भेजे जाते थे लेकिन कोरोना के केस कम होने के बाद सैंपल यहां नहीं भेजे जा रहे थे। लैब की क्षमता एक दिन में पांच हजार सैंपलों की जांच करने की है।

एक नज़र

लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी की हुई सगाई, बहन रोहिणी ने पहली बार हटाया था रहस्य पर से पर्दा

पटना (एजेंसी) । नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के विवाह का इंतजार खत्म हो चुका है। दिल्ली में राजश्री संग उनकी सगाई हो चुकी है। लालू प्रसाद यादव के छोटे पुत्र का किस लड़की से विवाह हो रहा है, इस रहस्य से भी पर्दा उठ चुका है। दुल्हन की पहली तस्वीर सामने आ चुकी है। वे दिल्ली के फ्रेंड्स कालोनी की रहने वाली हैं। उनका परिवार मूल रूप से रेवाड़ी का रहने वाला है। राजश्री और तेजस्वी की दोस्ती

पुरानी है। तेजस्वी के साथ वह आरके पुरम के डीपीएस में पढ़ती थीं। दोनों अब विवाह के बंधन में बंधने जा रहे हैं। लालू परिवार की ओर से शादी को लेकर गोपनीयता बरती गई है। लालू के एक करीबी रिश्तेदार ने बताया कि सगाई और शादी की रस्में एक साथ ही पूरी कर ली जाएंगी। इस बीच तेजस्वी के बड़े भाई तेज प्रताप यादव ने सगाई होने की पुष्टि की है। इसके पहले बहन राहिणी ने ट्वीट कर बताया था कि भाई का सेहरा सजने वाला है। घर-आंगन खुशियों से गुलजार होने वाला है। इससे साफ हो गया था कि तेजस्वी की शादी हो रही है। बताया जा रहा कि शादी के लिए पिछले कई वर्षों से बातचीत चल रही थी, लेकिन परिवार के कुछ सदस्य सहमत नहीं थे। इसके चलते मामला टल रहा था। मीसा भारती के फार्म हाउस व आवास में सगाई और शादी की तैयारियां की गई हैं। इसके लिए लालू-राबड़ी की सातों बेटियां और दामाद व उनके परिवार के साथ करीबी रिश्तेदार बुलाए गए हैं। विवाह समारोह में सिर्फ लालू परिवार के करीबी रिश्तेदार ही शामिल हो रहे हैं। अन्य किसी को नहीं बुलाया गया है। यहां तक कि बिहार में भी किसी को निमंत्रण नहीं दिया गया है। राजद के वरिष्ठ नेताओं को शादी के बारे में नहीं पता है। हरियाणा में लालू परिवार की यह दूसरी रिश्तेदारी होगी। इसके पहले लालू-राबड़ी की पुत्री अनुष्का की शादी कैप्टन अजय सिंह यादव के पुत्र राव चिरंजीव के साथ हुई है।

पूर्णिया में छह बच्चे की मां प्रेमी संग फरार, पति को इस तरह छोड़ा

पूर्णिया (एजेंसी) । छह बच्चे की मां अपने प्रेमी के साथ घर से भाग जाने का मामला उस समय उजागर हुआ जब पीड़ित पति ने आरोपी प्रेमी को पकड़कर पिटाई करने लगा। घटना बुधवार को सहायक खजांची हाट थाना क्षेत्र के सुदीन चौक के पास हुई। घटना के बाद वहां भीड़ जमा हो गया। इसके बाद थाने की गश्ती पुलिस आरोपी प्रेमी को हिरासत में लेकर थाना लाई।

पीड़ित पति श्रीनगर थाना क्षेत्र के जंगली निवासी मनोज कुमार ने बताया कि उसकी पत्नी सदर थाना क्षेत्र के एक निजी अस्पताल के पास चाय की दुकान करती थी और वही रामबाग में रहती थी। इधर दो दिन से अमित कुमार नाम के एक युवक के साथ घर छोड़कर भाग गई। काफी खोजबीन के बाद आरोपी प्रेमी का सुदीन चौक के पास पकड़ा और पत्नी के बारे में पूछताछ की लेकिन उसने जानकारी देने से इंकार कर दिया। मामले को लेकर थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि घटना सदर थाना क्षेत्र की है। इस वजह से आरोपी के विरुद्ध आवेदन उसी थाने में दिया गया है। पीड़ित पति द्वारा सदर थाने में आवेदन दिया जा रहा है।

दुकान के बाहर बाइक की डिक्की से उच्चकों ने 4.50 लाख रुपये उड़ाए

औरंगाबाद (एजेंसी) । नगर थाना क्षेत्र के महाराजगंज रोड में आइडीबीआइ बैंक से आगे तीन की संख्या में रहे उच्चकों ने गुरुवार को बाइक की डिक्की तोड़कर 4,50,000 रुपये चुरा लिए। पैसा चुराने के बाद तीन की संख्या में रहे अपराधी फरार हो गए। बताया जाता है कि ओबरा थाना क्षेत्र के अरंडा गांव निवासी राइस मिल मालिक रवींद्र सिंह का पुत्र अमित कुमार उर्फ गोलू आइडीबीआइ बैंक से पैसा निकालकर ओबरा स्थित इंडिया नंबर-वन एटीएम में डालने जा रहा था। बैंक से पैसा निकालकर बाइक की डिक्की में रख लिया था। बैंक के आगे पेट्रोल पंप के पास स्थित हार्डवेयर दुकान के बाहर बाइक खड़ी कर राइस मिल का सामान खरीदने लगा तभी उच्चकों ने डिक्की का ताला तोड़कर पैसा चुरा लिया। हार्डवेयर दुकान से गोलू बाइक के पास लौटा तो डिक्की खुला देख अवाक रह गया। डिक्की में रखा रुपये गायब हो गया था। घटना की सूचना नगर थाना पुलिस को दी गई। सूचना पर एसडीपीओ गौतम शरण ओमी एवं नगर थानाध्यक्ष अंजनी कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे। पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी फुटेज को देखा। बताया जाता है कि फुटेज में बाइक से रुपये निकालते अपराधी देखे जा रहे हैं परंतु उनका चेहरा साफ नहीं आ रहा है। पुलिस ने आइडीबीआइ बैंक में लगे सीसीटीवी फुटेज को देखा। एसडीपीओ ने बताया कि बाइक पर सवार दो अपराधी एवं एक अन्य बाइक की डिक्की से पैसा चोरी करते देखे गए हैं। पुलिस चोरों की पहचान कर गिरफ्तार करने में लगी है। पैसा चोरी की सूचना के बाद भीड़ लग गई। जांच करने पहुंचे एसडीपीओ से नागरिकों ने बताया कि शहर की स्थिति ठीक नहीं है। छिनतई गिरोह हमेशा घटना को अंजाम दे रही है परंतु पुलिस उन्हें पकड़ नहीं रही है। बता दें कि इससे पहले भी उच्चकों ने बैंक से रुपये निकालकर घर जा रहे लोगों का रुपये छीन फरार हो गए थे।

कड़ाके की ठंड से बिहार के लोगों को बचा रहा कोहरा, पछुआ हवा के कारण गिरेगा प्रदेश का तापमान

पटना (एजेंसी) । प्रदेश में पछुआ हवा का प्रभाव बना हुआ है। इसके प्रभाव से प्रदेश में अगले चार से पांच दिनों में न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री की गिरावट की संभावना है। सुबह मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहेगा। मौसम विज्ञानी की मानें तो पर्वतीय क्षेत्रों से आ रही

उत्तर पश्चिमी हवा चलने से पारे में गिरावट के साथ धीरे-धीरे ठंड बढ़ेगी। हालांकि, कड़ाके की ठंड के अभी आसार नहीं हैं। आगे पश्चिमी विक्षोभ होने के कारण कड़ाके की ठंड का असर देखा जाएगा। हालांकि, ऐसी स्थिति बिहार में नहीं बन रही। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के दक्षिणी भाग में न्यूनतम तापमान में दो डिग्री की गिरावट देखी गई। पटना में सुबह और शाम को ठंड रह रही है। बुधवार को हवा की रफ्तार आठ से दस किमी प्रतिघंटे रही। इस कारण पटना में धुंध की स्थिति नहीं रही। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बुधवार को गया में घना कोहरा रहा। वहां दृश्यता चार सौ मीटर दर्ज की गई। पटना में सुबह में मौसम साफ रहने के साथ शाम ढलते ही ठंड में बढ़ोतरी देखी गई। हालांकि, अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं देखा गया।

पांच साल बाद इस जिले के 12 शिक्षकों पर गिरी निलंबन की गाज

बक्सर (एजेंसी) । बक्सर जिले के विभिन्न स्कूलों में कार्यरत रहे सरकारी 12 शिक्षकों पर 5 साल के बाद निलंबन की गाज गिरी है। इनमें से 5 शिक्षक सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं, जिनमें से एक की मौत हो गई है। विभागीय कर्मियों की मिलीभगत से यह मामला पूरे पांच सालों से दबा हुआ था। जिला लोक शिकायत में परिवाद दाखिल होने के बाद कमिश्नर के निर्देश पर डीएम द्वारा डीडीसी की अध्यक्षता में बनाई गई तीन सदस्यीय टीम की जांच के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद डीएम के निर्देश पर सभी कार्यरत व सेवानिवृत्त शिक्षकों के खिलाफ निलंबन सहित अन्य कार्रवाई प्रारंभ की गई है। इससे डीईओ कार्यालय के कर्मियों की सांठगांठ से फर्जीवाड़ा करने वाले शिक्षकों में हड़कंप मचा हुआ है। डीएम के निर्देश पर 20 अप्रैल 2016 को शिक्षा विभाग के अधिकारियों की गठित टीम द्वारा नगर परिषद के अंतर्गत सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया था। इसके बाद 12 शिक्षक-शिक्षिकाओं को डीईओ द्वारा निलंबित कर दिया गया था। लेकिन कार्यालय के निर्गत पंजी लिपिक वीरेंद्र प्रसाद सिंह के द्वारा निलंबन पत्र निर्गत करने के बावजूद तत्कालीन संचिका प्रभारी उदय शंकर मिश्र द्वारा निलंबन पत्र का तामिला संबंधित शिक्षक व शिक्षकों को नहीं कराया गया। इतना ही नहीं उक्त पत्र की प्रति बीईओ, कोषागार पदाधिकारी तथा निकासी सह व्ययन अधिकारी को भी उपलब्ध नहीं कराई गई। वहीं उस पत्र की प्रति तत्कालीन विशेष पदाधिकारी को गोपनीय शाखा को भी नहीं दी गई। इसके चलते संबंधित शिक्षकों का वास्तविक निलंबन नहीं हो सका। जानकार बताते हैं कि आपस में सांठगांठ कर पूरी संचिका को ही कार्यालय से गायब कर दिया गया था। इस मामले में सिमरी प्रखंड के कठार गांव निवासी अजय कुमार सिंह द्वारा जिला लोक निवारण शिकायत पदाधिकारी के यहां एक परिवाद दायर किया गया। तय समय सीमा के बाद भी जब मामले का निष्पादन नहीं हुआ तो उनके द्वारा आयुक्त पटना प्रमंडल सह प्रथम अपीलीय

प्राधिकार के यहां अपील की गई। प्रमंडलीय आयुक्त के निर्देश के बाद डीएम द्वारा इस पूरे मामले की जांच के लिए डीडीसी की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया था। इसमें डीईओ व बीईओ बक्सर सदस्य के रूप में शामिल थे। टीम ने जब पूरे मामले की गहन रूप से जांच की तो पूरे मामले का खुलासा हो सका। दुलारी देवी तत्कालीन प्रधान शिक्षिका अनुसूचित जाति प्राथमिक विद्यालय मठिया, प्रभा कुमारी तत्कालीन प्रभारी प्रधानाध्यापक गौरीशंकर मध्य विद्यालय, ललिता जिउत तत्कालीन प्रधानाध्यापक आदर्श मध्य विद्यालय नया बाजार तथा धीरेंद्र प्रताप सिंह तत्कालीन प्रभारी प्रधानाध्यापक बाल कुसुम मध्य विद्यालय बक्सर शामिल है। ये सभी चारों शिक्षक व शिक्षिकाएं सेवानिवृत्त हो चुकी हैं। इसके अलावा जिन सात अन्य शिक्षकों को निलंबित किया गया है, वह अभी कार्यरत हैं।

इनमें देवंती कुमारी सहायक शिक्षक विश्वामित्र प्राथमिक विद्यालय चरित्रवन, कुमारी सावित्री सहायक शिक्षक प्राथमिक विद्यालय अमला टोली, उमेश ठाकुर सहायक शिक्षक नरेंद्र देव मध्य विद्यालय, प्रभावती देवी निलंबित सहायक शिक्षक नेहरू स्मारक मध्य विद्यालय सिद्धनाथ घाट संप्रति अनुसूचित जाति प्राथमिक विद्यालय मठिया, पार्वती कुमारी सहायक शिक्षक कन्या प्राथमिक विद्यालय बंगाली टोला, किरण कुमार बाल कुसुम मध्य विद्यालय संप्रति प्राथमिक विद्यालय अमला टोली तथा सोना कुमारी जिउत सहायक शिक्षक जवाहर मध्य विद्यालय, बक्सर शामिल हैं। सेवानिवृत्त हो चुके शिक्षकों के खिलाफ डीईओ द्वारा विभिन्न पत्रों के द्वारा बिहार पेंशन नियमावली नियम 46 बी के तहत विभागीय कार्रवाई संचालित की गई है। वही कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को निलंबित करते हुए विभागीय कार्यवाही के अधीन भी रखा गया है। इस पूरे मामले में डीईओ कार्यालय के दो कर्मी की संलिप्तता उजागर हुई है। इसके बाद उन लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गाज गिरी है। इनमें से एक स्थानांतरण होने के बाद दूसरे जिला से सेवानिवृत्त भी हो चुके हैं। कार्यालय लिपिक वीरेंद्र प्रसाद सिंह के विरुद्ध डीईओ द्वारा प्रपत्र क गठित कर आरडीडीई के यहां रिपोर्ट भेजा गया था। इसके बाद क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक द्वारा उन्हें निलंबित करते हुए विभागीय कारवाई के अधीन किया गया है। वहीं, तत्कालीन संचिका प्रभारी उदय शंकर मिश्र का स्थानांतरण डीईओ कार्यालय पटना हो गया था, जो अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इस मामले में उन्हें भी दोषी मानते हुए डीईओ द्वारा बिहार पेंशन नियमावली नियम 43 बी के तहत विभागीय कार्रवाई संचालित करने के लिए डीईओ पटना को प्रतिवेदित किया गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश के फैसले के साथ खड़े हुए चिराग पासवान, मांझी की मांग को किया खारिज

पटना (एजेंसी) । बिहार में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए लगातार कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समीक्षा बैठक के बाद प्रशासन एक्टिव मोड में है। लगातार छापेमारी अभियान चलाकर शराब तस्करों की नकेल कसी जा रही है। लेकिन इसके साथ ही शराबबंदी को लेकर बिहार में सियासत भी जारी है। नीतीश सरकार में शामिल हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने ही शराबबंदी पर सवाल उठा दिया है। मांझी ने शराबबंदी के फैसले पर समीक्षा करने की बात कही है। मांझी के इस बयान पर लोक जनशक्ति पार्टी(रामविलास) के अध्यक्ष और जमुई सांसद चिराग पासवान ने प्रतिक्रिया दी है। चिराग पासवान ने सीएम नीतीश कुमार के फैसले का समर्थन करते हुए बिहार में शराबबंदी लागू रहने की बात कही है। चिराग पासवान ने बिहार में शराबबदी कानून को लागू रखने की बात कही है। उन्होंने पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बिहार जैसे राज्य में शराबबंदी लागू रहनी चाहिए। राज्य में शिक्षा का बहुत अभाव है।यहां बहुत से लोगों को जानकारी नहीं है कि नशीले पदार्थों से क्या-क्या नुकसान हो सकता है। इसलिए बिहार में शराबबंदी कानून लागू

रहनी चाहिए। चिराग पासवान ने कहा कि शराबबंदी कानून की समीक्षा के पक्ष में मैं नहीं हूं। चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में अब भी जहरीली शराब से लोगों की मौत हो रही है। बिहार विधानसभा परिसर में शराब की बोतलें मिल रही हैं। उन्होंने कह कि केवल शपथ कराने से काम नहीं चलेगा। पांच साल बाद भी शराबबंदी कानून राज्य में सफल नहीं हो पाई। नीति आयोग की रिपोर्ट में बिहार निचले पायदान पर है। उन्होंने कहा कि इन सब के पीछे कारण ये है कि सरकार किसी कानून को जमीनी स्तर पर लागू नहीं कर पाई।

सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को मुआवजा लेने में आ रही हैं दिक्कतें

परिवहन विभाग का नया नियम बना वजह

पटना (एजेंसी) । बिहार में नया नियम लागू होने के बाद सड़क दुर्घटना के हताहतों में मुआवजा लेने की दिलचस्पी कम हो गई है। परिवहन विभाग की ओर से बनाए गए नियम को लागू हुए लगभग तीन महीने होने को हैं, लेकिन अब तक मात्र 100 लोगों ने ही डीटीओ कार्यालय में आवेदन दिया है, जिसमें से 10 की मंजूरी मिली। जबकि चार लोगों को ही सरकारी सहायता मिल सकी है। नए नियम के तहत डीटीओ कार्यालय में आवेदन देने की जटिलता के कारण दुर्घटना में हताहत हुए लोग या उनके परिजन इसमें दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। दरअसल, पहले सड़क दुर्घटना होने पर मृतक के परिजनों या घायलों को सरकारी सहायता आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से मिला करती थी। प्रखंड कार्यालय में लोग आवेदन दिया करते थे और जिलों से पैसा मिलने पर हताहतों को पैसा आसानी से मिल जाया करता था। कई मामलों में तो डीएम की पहल पर दुर्घटना के दिन ही लोगों को पैसे मिल जाते थे। आपदा प्रबंधन के माध्यम से मृतक के परिजनों को चार लाख मिला करता था। 15 सितंबर से राज्य में बिहार मोटरगाड़ी (संशोधन-एक) नियमावली-2021 लागू किया गया है। इस नियम के बाद राज्य में सड़क दुर्घटना के फलस्वरूप गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को 50 हजार और मृतक के आश्रितों को पांच लाख दिए जाते हैं। परिवहन विभाग ने इसके लिए

बिहार वाहन दुर्घटना सहायता निधि नाम से रिवॉल्विंग फंड का गठन किया है। नहीं रुक रही हर्ष फायरिंग, अब रिसेप्शन में मुखिया पति ने चलाई गोली नए नियम के तहत सड़क दुर्घटना होने पर उसकी सूचना स्थानीय थाना को अनिवार्य रूप से देना है और साथ ही, एफआईआर भी दर्ज करना है। मौत की स्थिति में पोस्टमार्टम रिपोर्ट सरकारी अस्पताल से प्राप्त करना है, जबकि गंभीर रूप से घायल होने की स्थिति में स्थानीय सरकारी अस्पताल से इंजूरी रिपोर्ट प्राप्त करनी है। सके बाद इन दस्तावेजों के साथ संबंधित जिले के जिला परिवहन पदाधिकारी के यहां आवेदन करना है। विभाग ने यह भी कहा है कि आवेदन देते समय आवेदकों को उस गाड़ी का नंबर भी एफआईआर में दर्ज करना है, जिससे दुर्घटना हुई है। इस जटिलता के कारण बिहार में अब लोग सड़क दुर्घटना होने पर आवेदन देने सामने नहीं आ रहे हैं। खासकर दूरदराज गांवों में दुर्घटना होने पर लोग जिला मुख्यालय आकर डीटीओ ऑफिस में आवेदन देने से परहेज कर रहे हैं। कई मामलों में पुलिस-प्रशासन के लोग ही खुद पहल कर लोगों से आवेदन दिलवा रहे हैं। यही कारण है कि 15 सितम्बर से लागू इस नियम के बाद 11 अक्टूबर को पहला मुआवजा खगड़िया में मिला। इसके बाद अब तक बमुश्किल 100 लोगों ने डीटीओ के यहां आवेदन दिए। इसमें से 10 लोगों के आवेदन की मंजूरी दी गई है और चार लोगों को ही अब तक सरकारी सहायता मिल सकी है। जबकि इस अवधि में बिहार में सड़क दुर्घटना में कई गुना अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

सेना के लांसनायक गया जंक्शन पर चार बोतल अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार, बंगाल से आए थे लेकर

गया (एजेंसी) । रेल पुलिस की टीम ने गया जंक्शन पर मंगलवार की रात संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से सफर कर रहे सेना के लांस नायक को चार बोतल अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अनिल कुमार उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के खेर थाना क्षेत्र के माया रामगढ़ी निवासी हैं। वे वर्तमान समय में पश्चिम बंगाल की यूनिट जाट रेजीमेंट में लांसनायक के पद पर कार्यरत है। रेल थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि जीआरपी टीम की ओर से चलाए जा रहे जांच अभियान के दौरान संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन से जवान को पकड़ा गया। गया जंक्शन पर जैसे ही ट्रेन खड़ी हुई, टीम ने कोच संख्या डी-वन की बर्थ संख्या 33 पर सफर कर रहे यात्री के बैग की जांच की। जांच में चार बोतल अंग्रेजी शराब बरामद होने पर रेल पुलिस ने जवान को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार जवान के विरुद्ध रेल थाने में उत्पाद अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

पंचायत चुनाव कराने आए मतदानकर्मी नशे के हालत में पकड़े गए। मोहनपुर प्रखंड के 18 पंचायत में बुधवार को पंचायत चुनाव कराने को लेकर आए दो मतदान कर्मी नशे की हालत में मतदान केंद्र पर मंगलवार की देर शाम पहुंचे जहां पर महिला पुलिसकर्मी पर छेड़छाड़ एवं अभद्र व्यवहार करने लगे। यह देख महिला पुलिसकर्मी ने मोहनपुर थाना को दूरभाष पर सूचना दिया। मोहनपुर थाना अध्यक्ष तुरंत करवाई करते हुए दोनों मतदान कर्मियों को गिरफ्तार कर थाने लाया। मोहनपुर थाना अध्यक्ष विकास चंद्र यादव ने बताया कि पकड़े गए मतदान कर्मी मुकेश कुमार औरंगाबाद के रहने वाले हैं। वह अनुमंडल अस्पताल शेरघाटी में टेक्निकल पद पर कार्यरत हैं। वह नशे के हालात में थे। वहीं अरविंद कुमार ग्राम बाजितपुर थाना बेलागंज के शिक्षक है। उक्त दोनों लोग शराब के नशे में मतदान कराने को लेकर मतदान संख्या 213 और 214 पर गए थे। उक्त दोनों कर्मी काफी नशे की हालत में थे और महिला पुलिसकर्मी के साथ छेड़छाड़ के साथ अभद्र व्यवहार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उक्त दोनों कर्मियों को मेडिकल जांच कराया गया। जिसमें शराब पाई गई। उन्होंने कहा कि शराब अधिनियम के तहत उक्त दोनों कर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए जेल भेज दिया जाएगा।

अवैध बालू खनन मामले में दरभंगा के एडीएम के ठिकानों पर ईओयू की रेड, पटना समेत कई जगह छापा

पटना (एजेंसी) । बालू के अवैध खनन मामले में आर्थिक अपराध इकाई ने गुरुवार को औरंगाबाद के पूर्व जिला परिवहन पदाधिकारी और फिलहाल दरभंगा में आपदा प्रबंधन के अपर समाहर्ता अनिल कुमार सिन्हा के चार कानों पर छापेमारी की है। इसमें पटना के गोला रोड एवं मजिस्ट्रेट कालोनी स्थित आवास, भोजपुर के मुफसिल थाना अंतर्गत रतनपुर गांव स्थित पैतृक आवास और दरभंगा के कार्यालय एवं आवास में तलाशी ली जा रही है।

बता दें कि भोजपुर जिले के आरा मुफस्सिल थाना के रतनपुर गांव में अनिल कुमार कुमार सिन्हा का पैतृक घर है। यहां भी ईओयू की टीम पहुंची है। यहां परिवार का कोई सदस्य नहीं है। फिलहाल मकान केयरटेकर के जिम्मे है। जांच करने वाले अधिकारी फिलहाल कुछ नहीं बता रहे हैं। घर के बाहर पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया है। बताया जाता है कि पटना के गोला रोड, मजिस्ट्रेट कालोनी के साथ ही भोजपुर स्थित पैतृक आवास और दरभंगा में कार्यालय व आवास पर अधिकारियों के नेतृत्व में छापेमारी की जा रही है। उनके खिलाफ निगरानी ने मामला दर्ज कराया था। इसके बाद कोर्ट से सर्च वारंट जारी किया गया था। सूत्रों का कहना है कि जांच-पड़ताल में अकूत कमाई का पता चला है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गौरतलब है कि शराब और बालू माफिया से मेल जोल कर अवैध कमाई करने वाले कई अफसरों पर हाल के दिनो में कार्रवाई हो चुकी है। स्पेशल विजिलेंस यूनिट और आर्थिक अपराध इकाई की टीमों ने छापेमारी कर अवैध कमाई का पर्दाफाश किया है। एक दिन पहले मोतिहारी के उत्पाद अधीक्षक के ठिकानों पर की गई रेड में काली कमाई की पोल खुली थी। लगातार हो रही इस कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है।

डिवाइडर से टकराकर पलटी पुलिसकर्मियों को ले जा रही बस, 17 घायल, दो की हालत गंभीर

पटना (एजेंसी) । बीएसएपी के कम से कम 17 प्रशिक्षु कांस्टेबल सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। इनमें से दो की हालक गंभीर है। यह घटना तब हुई जब गुरुवार को खगड़िया जिले के एक गांव के पास उनकी बस पलट गई। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। खगड़िया के एसपी अमितेश कुमा ने बताया कि बीएसएपी जवान वीआईपी ड्यूटी खत्म करने के बाद मुंगेर से दरभंगा जा रहे थे। उन्हें ले जा रही बस पसरहा थाना के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर बगुलवा-ढाला के पास पलट गई। 8 दिसंबर को मुंगेर के तारापुर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दौरे को लेकर कांस्टेबलों को तैनात किया गया था। घायलों में कुंदन कुमार और लाल बहादुर नाम के दो जवानों की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल खगड़िया रेफर कर दिया गया है। एसपी मौके पर पहुंचे और उन्होंने घायलों को इलाज के लिए भेजा। घायल कांस्टेबल प्रमोद कुमार, अनिल, संजय कुमार, विजय चौरसिया ने बताया कि वे सभी दरभंगा बीएसएपी की 13वीं बटालियन के हैं और उन्हें सीएम की सुरक्षा के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था। घटना उस वक्त हुई जब उन्हें लेकर जा रही बस बस देर रात करीब 12.30 बजे भागलपुर जीरो माइल पहुंची और सभी चाय पीकर दरभंगा के लिए रवाना हो गए। लगभग 2 बजे जब बस बगुलवा ढाला से गुजर रही थी, चालक ने बस से अपना नियंत्रण खो दिया और बस डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। सभी घायलों को खगड़िया के नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनमें से 15 को छुट्टी दे दी गई।

बिहार में ऐसे लगेगी शराब पर लगाम? नीतीश सरकार ने बनाया सख्त प्लान

पटना (एजेंसी) । शराब के धंधे पर रोक लगाने को जिलों में एंटी लीकर टास्क फोर्स (एएलटीएफ) का गठन किया जाएगा। इस टास्क फोर्स की जिम्मेदारी खासकर ग्रामीण इलाकों में होनेवाले शराब के अवैध कारोबार पर लगाम लागने की होगी। जिला पुलिस के अधीन बनने वाली इस विशेष फोर्स का गठन कुछ इस तरह किया जाएगा कि यह बड़ी कार्रवाई करने में सक्षम हो। डीजीपी एसके सिंघल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान सभी जिलों को एएलटीएफ का गठन करने का आदेश दिया है। पुलिस मुख्यालय के मुताबिक हर जिले में अच्छी खासी संख्या में एंटी लीकर टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। डीजीपी द्वारा जिलों को कम से कम 5-6 ऐसी टीम का गठन करने को कहा गया है। हर टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर रैंक के अफसर करेंगे। इसके अलावा इसमें सब-इंस्पेक्टर, जिला सशस्त्र बल

के 4 जवान और मद्यनिषेध विभाग से संबद्ध किए गए 10 होमगार्ड को रखा जाएगा। जिलों के एसपी एएलटीएफ के गठन का आदेश जारी करेंगे। आदेश में टास्क फोर्स के मद्यनिषेध संबंधि दायित्वों के साथ टीम के सभी सदस्यों का नाम और मोबाइल नंबर भी अंकित रहेगा। टीम के गठन का जो आदेश जारी होगा उसकी एक कॉपी आईजी मद्यनिषेध को भी उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए हैं। एंटी लीकर टास्क फोर्स की हर एक टीम को जिले के ग्रामीण थाना से टैग किया जाएगा। जिस थाना से टीम टैग होगी उसके साथ संयुक्त रूप से शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करेगी। हालांकि एएलटीएफ को स्वतंत्र रूप से भी कार्रवाई की छूट दी गई है। टीम अपनी सूचना पर खुद भी कार्रवाई कर सकती है, इसके लिए उसे किसी की इजाजत लेने की जरूरत नहीं होगी। वर्तमान समय में जिलास्तर पर एक एंटी लीकर टास्क फोर्स काम कर रही है। पर हाल के दिनों में जहरीली शराब से हुई मौत के बाद प्रत्येक जिले में 5-6 टीमों का गठन करने का आदेश दिया गया है। इन्हें खासकर ग्रामीण इलाकों में देसी शराब के अवैध धंधे को रोकने की जिम्मेदारी दी जाएगी। ताकि ग्रामीण इलाकों में चोरी-छुपे शराब बनाने के धंधे पर रोक लगाई जा सके।

स्टोक्स की नोबॉल से एशेज की समस्या हुई उजागर

ब्रिसबेन (एजेंसी) । बेन स्टोक्स की पांव की नोबॉल के कारण इंग्लैंड को आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का कीमती विकेट नहीं मिल पाया लेकिन इससे एशेज श्रृंखला में 'टेक्नोलोजी' से जुड़ी समस्या भी उजागर हो गयी। स्टोक्स ने मार्च के बाद जब अपना पहला ओवर किया तो उसके तुरंत बाद ही वार्नर को यह जीवनदान मिला जो तब 17 रन पर खेल रहे थे। इससे यह भी पता चला कि स्टोक्स ने अपनी पिछली तीन गेंदों पर भी क्रीज से आगे पांव रखा था लेकिन अंपायर ने उसे नोबॉल नहीं दिया था। बाद में आस्ट्रेलिया के एशेज प्रसारक चौनल 7 ने खुलासा किया कि स्टोक्स ने मैच के दूसरे दिन गुरुवार को 14 बार अपना पांव क्रीज से आगे रखा था लेकिन केवल दो बार ही नोबॉल दी गयी।

वार्नर को भी पहले आउट दे दिया गया था लेकिन रीप्ले से नोबॉल का पता लगने के बाद अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। इससे मैच अधिकारियों को लेकर बड़ी समस्या भी उजागर हो गयी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने कहा कि गाबा में टेक्नोलोजी से जुड़ी समस्या का मतलब है कि तीसरे अंपायर पॉल विल्सन यह पता करने के लिये कि गेंदबाज ने क्रीज से आगे पांव रखा है, प्रत्येक गेंद के रीप्ले की समीक्षा नहीं कर सकते। इसका मतलब है कि मैदानी अंपायरों को ही इस पर फैसला करना होगा। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने मैच की कमेंट्री के दौरान इस तरह की खराब अंपायरिंग की आलोचना की। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस व्यवस्था को लागू किया जिसमें तीसरे अंपायर को नोबॉल की जांच करने की अनुमति दी गयी। पिछले साल नियमों में बदलाव से पहले मैदानी अंपायर ही क्रीज से आगे पांव रखने पर गेंदबाज को सूचित करके नोबॉल देते थे।

एशेजः सीए के सीईओ ने कहा, पांचवां टेस्ट जहां भी होगा, वो डे-नाइट खेला जाएगा

ब्रिस्बेन (एजेंसी) । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के सीईओ निक हॉकली ने गुरुवार को कहा कि पांचवा टेस्ट जहां भी होगा, वो डे-नाइट में खेला जाएगा। उन्होंने कहा कि कई राज्य पांचवे टेस्ट के लिए दिलचस्पी दिखा रहे हैं, जिसकी जल्द घोषणा की जाएगी। हॉकली ने कहा, पर्थ में सख्त क्वारंटीन नियमों के कारण पांचवा टेस्ट नहीं खेला जाएगा। टेस्ट अब मेलबर्न, होर्बत और सिडनी में खेला जा सकता हैं। उन्होंने शेन टेस्ट क्रिकेट शो में कहा, कही भी पांचवा टेस्ट खेला जा सकता है, और वह टेस्ट पिंक बॉल से खेले जाने की योजना है। हमने सभी खिलाड़ियों को खेलने का मौका दिया है। हमने बोर्ड के सामने कई तरह के विचार रखे हैं और ऐसा करने के लिए सिफारिश की है। हॉकले ने एशेज टेस्ट की मेजबानी नहीं करने के पर्थ के फैसले पर दुख व्यक्त किया क्योंकि पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया ने अपने सख्त क्वारंटीन नियमों में कोई ढील नहीं दी थी। हॉकले ने पर्थ में पांचवें टेस्ट की मेजबानी नहीं करने के लिए सीए की आलोचना को पूरी तरह से अनुचित करार दिया। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से अनुचित है। उन्होंने कहा है कि हमने पिछले 18 महीनों में पूरे देश में सरकारों के साथ काम किया है, जिसमें पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाई सरकार भी शामिल है। लेकिन पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया सरकार से कोई बात नहीं बन पाई।

अफगानिस्तान जनवरी में कतर में नीदरलैंड की मेजबानी करेगा

काबुल (एजेंसी) । अफगानिस्तान अगले साल जनवरी में तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिये कतर की राजधानी दोहा में नीदरलैंड की मेजबानी करेगा। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने बयान में कहा, ''तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 21 जनवरी से शुरू होगी, जिसमें दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 23 और 25 जनवरी को खेले जाएंगे। तीनों मैच का आयोजन एशियन टाउन क्रिकेट स्टेडियम दोहा, कतर में किया जाएगा।'' अफगानिस्तान ने वनडे सुपर लीग के तहत इस साल जनवरी में अपनी पहली श्रृंखला में आयरलैंड को 3-0 से हराकर 30 अंक हासिल किये थे। वनडे सुपर लीग में प्रदर्शन के आधार पर टीम विश्व कप 2023 के लिये क्वालीफाई करेंगी। नीदरलैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद अफगानिस्तान जनवरी और फरवरी में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगा। अफगानिस्तान को आईसीसी क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग के तहत 2023 तक आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान की मेजबानी करनी है तथा फिर भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका का दौरा करना है।

पेन को फिर से आस्ट्रेलिया की तरफसे खेलते हुए देखना चाहता हूंः हॉकले

मेलबर्न (एजेंसी) । क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निक हॉकले ने टिम पेन की देश की टेस्ट टीम में वापसी का समर्थन करते हुए कहा है कि वह पूर्व कप्तान को फिर से आस्ट्रेलिया के लिये ''खेलते और प्रदर्शन करते हुए'' देखना चाहते हैं।

पेन ने 2017 में अपनी सहकर्मी को अश्लील संदेश भेजने का खुलासा होने के बाद टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी और बाद में वह अनिश्चितकाल के लिये अवकाश पर चले गये। हॉकले ने एसईएन रेडियो से कहा, ''हम उन्हें अपने प्रांत और आस्ट्रेलिया की तरफसे फिर से खेलते हुए देखना पसंद करेंगे। हम उन्हें जल्द से जल्द वापसी करके खेलते हुए और अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखना चाहते हैं।'' बुधवार को अपना 37वां जन्मदिन मनाने वाले पेन को 2018 में केपटाउन में गेंद से छेड़छाड़ के मामले के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गयी थी।

सौरव गांगुली ने विराट कोहली को कप्तानी से हटाने पर तोड़ी चुप्पी, कहा- नहीं मानी बात तो हटाना पड़ गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बुधवार को विराट कोहली से वनडे कप्तानी छीन कर रोहित शर्मा को देने का अहम फैसला लिया। टी20 विश्व कप से पहले ही कोहली ने इस फार्मेट में कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी। वनडे और टेस्ट में वह कप्तान रहना चाहते थे। उनको कप्तानी से हटाए जाने पर बीसीसीआइ के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है।

गांगुली ने एएआइ से बात करते हुए कहा, यह एक ऐसा फैसला है जिसे बीसीसीआइ और सलेक्टरों ने साथ मिलकर लिया है। दरअसल बीसीसीआइ ने विराट कोहली से इस बात की गुजारिश की थी कि जैसे उन्होंने टी20 की कप्तानी छोड़ी वैसे ही वनडे लेकिन वह इस बात पर राजी नहीं हुए। सारे चयनकर्ताओं को यह बात सही नहीं लगी कि दो लिमिटेड ओवर फार्मेट (टी20 और वनडे) के मुकाबले में दो अलग अलग कप्तान रहे। भारतीय क्रिकेट टीम विराट कोहली की कप्तानी में अब तक एक भी आइसीसी टूर्नामेंट नहीं जीत पाई। टी20 विश्व कप उनके लिए बतौर कप्तान आइसीसी टूर्नामेंट जीतने का आखिरी मौका था लेकिन यहां टीम पहले दौर से ही बाहर हो गई। यहां तक कि भारतीय टीम के उपर पाकिस्तान के खिलाफ इतिहास की सबसे बड़ी हार का कलंक लगा।

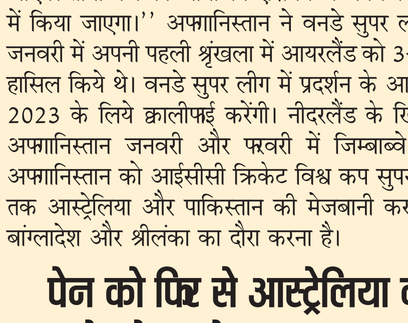

टीम अब तक किसी भी आइसीसी विश्व कप में पाकिस्तान की टीम से कभी नहीं हारी थी। गांगुली ने आगे कहा, सारी चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया कि विराट टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी करते रहेंगे और रोहित लिमिटेड ओवर फार्मेट की कप्तानी का जिम्मा संभालेंगे। मैंने अध्यक्ष होने के नाते उनसे खुद बात की थी और मुख्य चयनकर्ता ने भी उनके साथ इस मामले में चर्चा की थी।

हेड और वार्नर ने दिलायी आस्ट्रेलिया को 196 रन की बढ़त

ब्रिसबेन (एजेंसी) । डेविड वार्नर केवल छह रन से शतक से चूक गये लेकिन ट्रैविस हेड ने नाबाद शतक जड़ा जिससे आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को यहां अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 343 रन बनाकर 196 रन की बड़ी बढ़त हासिल की। वार्नर ने तीन जीवनदान का फायदा उठाते हुए 94 रन की पारी खेली। उन्होंने मार्नस लाबुशेन (74) के साथ दूसरे विकेट के लिये 156 रन की साझेदारी की। इसके बाद आस्ट्रेलिया का मध्यक्रम लड़खड़ा गया लेकिन हेड ने 95 गेंदों पर 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 112 रन बनाकर आस्ट्रेलिया की बड़ी बढ़त सुनिश्चित की। इंग्लैंड की टीम अपनी पहली पारी में 147 रन पर आउट हो गयी थी।

हेड के शतक के अलावा वार्नर को जीवनदान मिलना और बेन स्टोक्स का लगातार क्रीज से आगे पांव रखना गुरुवार को चर्चा के मुख्य विषय रहे। वार्नर जब 17 रन पर थे तब स्टोक्स ने उन्हें आउट कर दिया था लेकिन रीप्ले से पता चला कि गेंदबाज ने नोबॉल की है और अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। इससे यह भी पता चला कि स्टोक्स ने अपनी पिछली तीन गेंदों पर भी क्रीज से आगे पांव रखा था लेकिन अंपायर ने उसे नोबॉल नहीं दिया था। बाद में आस्ट्रेलिया के एशेज प्रसारक चौनल 7 ने खुलासा किया कि स्टोक्स ने 14 बार अपना पांव क्रीज से आगे रखा था लेकिन केवल दो बार ही नोबॉल दी गयी। लंच के तुरंत बाद वार्नर ने 48 रन के निजी योग पर ओली रोबिनसन की गेंद पर दूसरी स्लिप में कैच दिया लेकिन रोरी बर्न्स ने उसे छोड़ दिया। वार्नर तब 60 रन पर थे जब हसीब हमीद ने उन्हें रन आउट करने का आसान मौका गंवाया। लाबुशेन का भाग्य ने ऐसा साथ नहीं दिया। उन्होंने 116 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और दो छक्के लगाये और गेंदबाजों पर दबदबा बनाया लेकिन लीच पर ढीला शॉट खेलकर मार्क वुड को आसान कैच दे बैठे। स्टीव स्मिथ (12) चाय के विश्राम से ठीक पहले वुड की गेंद पर विकेटकीपर जोस बटलर को कैच दे बैठे। वार्नर आखिर में चाय के विश्राम के तुरंत बाद रोबिनसन की गेंद पर कवर में स्टोक्स को कैच दे बैठे। रोबिनसन ने अगली गेंद पर कैमरन ग्रीन को बोल्ड किया। इससे आस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 189 से पांच विकेट पर 195 रन हो गया। नये विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने रोबिनसन की हैट्रिक नहीं बनने दी लेकिन वह केवल 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। हेड और कप्तान पैट कमिन्स (12) ने इसके बाद 70 रन की साझेदारी की जिसने गाबा में पहले दोनों दिन आस्ट्रेलिया का दबदबा सुनिश्चित किया

। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने कमिन्स को लेग स्लिप में कैच कराया। इंग्लैंड के नयी गेंद लेने के बाद हेड ने क्रिस वोक्स पर चौका लगाकर अपना तीसरा टेस्ट शतक पूरा किया जिसके लिये उन्होंने केवल 85 गेंदें खेली। स्टंप उखड़ने के समय हेड के साथ मिशेल स्टार्क 10 रन पर खेल रहे थे। रोबिनसन इंग्लैंड के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 48 रन देकर तीन विकेट लिये जिसमें मार्कस हैरिस (तीन) के रूप में पहली सफलता भी शामिल है। बायें हाथ के स्पिनर जैक लीच ने लाबुशेन का कीमती विकेट लिया। इसे छोड़कर दिन भर उनकी गेंदों की धुनाई होती रही। उन्होंने 11 ओवर में 95 रन देकर एक विकेट लिया है।

बेन स्टोक्स ने 5 ओवर में फेंकी 14 नो बाल, लेकिन एक ही पकड़ी गई तो अंपायरिंग पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम को एशेज सीरीज के पहले टेस्ट के दूसरे दिन नो बाल के कारण विकेट नहीं मिला। हालांकि, नो बाल पर वैसे भी कम ही विकेट मिलता है, लेकिन लाइव एक्शन में कुछ तकनीकि खामी थी, जिसके कारण थर्ड अंपायर फ्रंट फुट की नो बाल को चेक नहीं कर पा रहे थे। वहीं, इस दौरान बेन स्टोक्स ने लगातार तीन नो बाल फेंकी, जिस पर ध्यान नहीं गया और फिर चौथी नो बाल पर उन्होंने डेविड वार्नर को क्लीन बोल्ड कर दिया।

आइसीसी के नियम के मुताबिक, इस गेंद को थर्ड अंपायर ने आउट होने के बाद चेक किया तो पाया गया कि बेन स्टोक्स ओवरस्टेप कर गए थे। बाद में इसका खुलासा हुआ का थर्ड अंपायर नो बाल चेक नहीं कर रहा है, जो कि ब्राडकास्टिंग टीम की तरफ से इरर था। अगर बेन स्टोक्स को पहले पता चलता कि वे लगातार ओवरस्टेप कर रहे हैं तो वे क्रीज के पीछे से गेंदबाजी करते। इसी वजह से आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग अंपायरों पर भड़क गए।

रिकी पोंटिंग ने घरेलू ब्राडकास्टर चैनल 7 पर टिप्पणी करते हुए, अंपायरिंग को दयनीय कहा। फरवरी 2020 से नो बाल पर फैसला लेना टीवी अंपायर की जिम्मेदारी रही है, लेकिन बाद में यह सामने आया कि उन्हें इस टेस्ट के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक इस टेस्ट के लिए काम नहीं कर रही है, जिम्मेदारी वापस मैदान के अंपायर पाल राइफेल और राड टकर को सौंप दी गई है। मैदानी अंपायरों के लिए हर गेंद को देखना आसान नहीं होता है। वहीं, बेन स्टोक्स ने पांच ओवरों में कुल 14 नो बाल कीं, जिसमें सिर्फ उसी गेंद को नो बाल करार दिया गया, जिस पर उनको विकेट मिला था। इंग्लैंड की टीम के गेंदबाजी कोच ने भी यही कहा है कि गेंदबाजी के लिए अपना पैर देखना संभव नहीं है। अंपायर की तरफ से जानकारी दी जानी चाहिए थी। अगर उनको पता होता कि वे ओवरस्टेप कर रहे हैं तो फिर वे इस पर ध्यान देते और वो विकेट इंग्लैंड की टीम को मिल जाता, क्योंकि बाद में वार्नर ने 94 रन बनाए।

भारत के पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा का खुलासा, एडम गिलक्रिस्ट आईपीएल 2009 में रोहित शर्मा को बनाना चाहते थे उपकप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी) । रोहित शर्मा ने विराट कोहली से एक साल पहले साल 2007 में इंटरनेशनल क्रिकेट में आगाज किया था। रोहित को भारत को पूर्णकालिक कप्तान बनने में 14 साल लगे। वनडे और टी-20 इंटरनेशनल में लंबे समय तक विराट कोहली के डिप्टी के तौर पर रोहित ने काम किया। बुधवार को बीसीसीआई ने उन्हें वनडे का कप्तान बना दिया। इससे पहले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद उन्हें टी-20 की कप्तानी भी सौंप दी गई थी। कोहली भी भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक है पर वो आईसीसी के बड़े टूर्नामेंट में भारत को जीत नहीं दिला पाए हैं। भारत के पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने खुलासा किया कि एडम गिलक्रिस्ट चाहते थे कि रोहित डेक्कन चार्जर्स के उपकप्तान बनें।

प्रज्ञान ओझा ने क्रिकबज से कहा,%जब रोहित पहली बार मुंबई की टीम में आए, तो उन्हें कभी भी एक लीडर के तौर पर प्रोजेक्ट नहीं किया गया। धीरे-धीरे चीजें बदलने लगीं जब उन्हें डेक्कन चार्जर्स के कोर ग्रुप में रखा गया। एडम गिलक्रिस्ट रोहित शर्मा को उप-कप्तान बनाना चाहते थे।% ओझा साल 2009 की बात कर रहे थे जब डेक्कन चार्जर्स ने खिताब जीता था। गिलक्रिस्ट उस सीजन में आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, उनके बाद रोहित ने 362 रन बनाए थे। रोहित आईपीएल के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। उन्होंने मुंबई इंडियंस को 5 आईपीएल खिताब जिताए हैं। कोहली की अनुपस्थिति में रोहित ने भारत को साल 2018 में एशिया कप भी जिताया था। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने 10 वनडे मैच खेले हैं। इसमें से 8 में टीम इंडिया को जीत और सिर्फ दो में हार मिली है। इस दौरान रोहित ने बल्लेबाजी करते हुए 77.57 की औसत से 543 रन बनाए हैं। इसमें एक दोहरे शतक समेत दो शतक भी शामिल हैं। इसमें 2018 में यूएई में खेला गया एशिया कप भी शामिल है।

रोहित शर्मा बने भारत के नए वनडे कप्तान, इस धुरंधर को मिलेगी उपकप्तानी!

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ ने बुधवार 8 दिसंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले टेस्ट सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया। इसी के साथ ये भी स्पष्ट कर दिया है कि वनडे प्रारूप में अब विराट कोहली नहीं, टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा होंगे। रोहित शर्मा को टेस्ट प्रारूप में भी टीम की उपकप्तानी मिल गई है। ऐसे में अब सीमित ओवरों की क्रिकेट में उपकप्तान कौन होगा, ये दिलचस्प सवाल है। वनडे और टी20 क्रिकेट में रोहित शर्मा कप्तानी करते नजर आएंगे, जबकि टीम इंडिया का उपकप्तान सीमित ओवरों की सीरीज में कौन होगा, इसका जवाब शायद केएल राहुल के रूप में होगा। केएल राहुल को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया था। इसके अलावा कई खिलाड़ी इस रेस में हैं। सीमित ओवरों की क्रिकेट में उपकप्तान की रेस में केएल राहुल सबसे आगे हैं, लेकिन उनको विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत से टक्कर मिल रही है। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह भी सीमित ओवरों की उपकप्तानी हासिल करने वालों के दावेदारों में शुमार हैं, लेकिन भारतीय क्रिकेट के इतिहास में बहुत कम गेंदबाजों को उपकप्तानी या कप्तानी मिली है। ऐसे में श्रेयस अय्यर का दावा भी उपकप्तान के लिए मजबूत लग रहा है, जो अब तीनों फार्मेट में रन बना रहे हैं। आस्ट्रेलिया के दौरे पर सीमित ओवरों की सीरीज के लिए रोहित शर्मा चोट के कारण नहीं गए थे। वहां, विराट कोहली टीम के कप्तान थे और केएल राहुल को उपकप्तान नियुक्त किया गया था। इसके अलावा जब विराट ने टी20 क्रिकेट की कप्तानी छोड़ी तो रोहित शर्मा के कप्तान बनाए जाने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में केएल राहुल टीम के उपकप्तान थे। ऐसे में केएल राहुल उपकप्तान बनाए जाने की रेस में सबसे आगे हैं।

अपने कौशल को निखारने में लगी है युवा शटलर अदिति भट्ट

नयी दिल्ली (एजेंसी) । पिछले कुछ महीनों में शानदार परिणाम देने वाली युवा बैडमिंटन खिलाड़ी अदिति भट्ट अपने स्ट्रोक्स और दमखम पर ध्यान देकर अपेक्षाओं के दबाव को दूर करना चाहती हैं। उत्तराखंड की 18 वर्षीय अदिति ने उबेर कप फाइनल्स में थाईलैंड के खिलाफ मुकाबले में विश्व में 13वें नंबर की बुसानन ओंगबामरंगफान के सामने कड़ी चुनौती पेश की थी।

वह तीन गेम तक चले मैच में हार गयी थी लेकिन अपने प्रदर्शन से उन्होंने खासा प्रभावित किया था और उन्हें साइना नेहवाल और पीवी सिंधू की तरह देश की अगली बैडमिंटन स्टार कहा जाने लगा। डेनमार्क में अपने चार में से दो मैच जीतने वाली अदिति ने पीटीआई से कहा, ''जब लोग कहते हैं कि आप भविष्य हो और हम आपको ओलंपिक में देखना चाहते हैं तो कई बार यह डराने वाला हो सकता है। लोग आपसे बहुत उम्मीद करते हैं लेकिन

यह ठीक है, किसी तरह का दबाव नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ियों (स्पेन की अनिया सेटियन और स्कॉटलैंड की रेचेल सुगडेन) के खिलाफ दो मैच जीतने के बाद मैं अच्छा प्रदर्शन करने के प्रति आश्वस्त थी लेकिन मैंने नहीं सोचा था कि मैं एक गेम (बुसानन के खिलाफ) जीतने में सफल रहूंगी। मैं अच्छा खेल रही थी और वह दबाव में थी क्योंकि वह जूनियर से खेल रही थी। यह शानदार मैच था।'' अदिति को इसका लाभ हंगरी अंतरराष्ट्रीय चौंपियनशिप में मिला जहां वह फाइनल्स में पहुंची। उन्हें चयन ट्रायल्स के जरिये सुदीरमन कप और उबेर कप के लिये भारतीय टीम में चुना गया था। उन्होंने कहा, ''जब मुझे सुदीरमन कप और उबेर कप के लिये चुना गया तो यह सपना सच होने जैसा था। टीम में सभी सीनियर खिलाड़ियों जैसे अश्विनी पोनप्पा ने मेरी काफी मदद की।'' उनका पहला मैच ओलंपिक चौंपियन चेन यू फी के खिलाफ था और अदिति ने कहा कि इससे उन्हें इस बात का अंदाजा हो गया कि सीनियर स्तर पर सफल होने के लिए उन्हें क्या करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''मैं चेन के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित और नर्वस दोनों थी। उसका कोर्ट मूवमेंट और सटीकता शानदार थी। मुझे अपने फुटवर्क, दमखम, सटीकता और स्ट्रोक पर वास्तव में अच्छी तरह से काम करना होगा।''

पिंक बाल से खेला जाएगा एशेज सीरीज का पांचवां टेस्ट, क्रिकेट के इतिहास में पहली बार होगा ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी) । क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ निक हाकले ने एक बड़ा ऐलान एशेज सीरीज को लेकर किया है। निक हाकले ने कहा है कि इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के बीच पांचवां एशेज टेस्ट पिंक बाल से खेला जाएगा। इस तरह इस एशेज सीरीज में दो मैच डे-नाइट टेस्ट होंगे। इस तरह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार होगा, जब एक टेस्ट सीरीज के दो मुकाबले पिंक बाल से खेले जाएंगे। सीरीज का दूसरा टेस्ट भी डे-नाइट टेस्ट है।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ निक हाकले की टिप्पणी तब आई जब कोविड -19 महामारी संबंधी प्रतिबंधों के कारण पांचवें एशेज टेस्ट को पर्थ से बाहर कर दिया गया। पर्थ में होने वाले टेस्ट मैच को कैंसिल गया। ऐसे में इस मैच का आयोजन मेलबर्न, कैनबरा और सिडनी में आयोजित कराने की

योजना बनाई गई। जल्द ही इस बात का फैसला भी हो जाएगा कि आखिरी टेस्ट मैच किस मैदान पर खेला जाएगा। हालांकि, तारीख में कोई बदलाव नहीं होगा। सेन टेस्ट क्रिकेट से बात करते हुए निक हाकले ने कहा, हमारी बहुत रुचि रही है। मैं विवरण में नहीं जाउंगा, क्योंकि हम अभी सभी विवरणों के माध्यम से जा रहे हैं, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, हम जितनी जल्दी हो सके एक स्थिति में आने के लिए काम कर रहे हैं। उम्मीद है कि निकट भविष्य में कोई घोषणा होगी। आखिरी मैच 14 जनवरी से खेला जाना है।

उन्होंने आगे कहा, हमने सभी के प्रति निष्पक्ष रहने की कोशिश की है, हमने सभी को एक अवसर दिया है, हम कई तरह के विचार करेंगे, और अंततः यह मेरा काम है कि मैं बोर्ड को एक सिफारिश रखूं। योजना है, जहां भी यह खेला जाता है, गुलाबी गेंद के साथ एक डे-नाइट टेस्ट हो। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने सोमवार को पुष्टि की कि पांचवां एशेज टेस्ट मैच कोविड-19 महामारी संबंधी प्रतिबंधों के कारण पर्थ स्टेडियम से स्थानांतरित किया जाएगा।

कप्तानी से हटाने के एक दिन बाद बीसीसीआई ने की विराट कोहली की तारीफ, भड़क उठे फैंस

नई दिल्ली (एजेंसी) । विराट कोहली से टीम इंडिया की वनडे टीम की कप्तानी छिनने के एक दिन बाद बीसीसीआई ने ट्वीट कर पूर्व कप्तान की तारीफ की है। इससे उनके फैंस काफी नाराज दिखे। उन्होंने सोशल मीडिया में बीसीसीआई की इस बात को लेकर आलेचना की कि उन्होंने इतनी देर में उन्हें ट्वीट किया। वो विराट कोहली को अचानक कप्तानी से हटाने से नाराज दिखे। हालांकि ये बात सामने आ रही है कि विराट कोहली कप्तानी नहीं छोड़ना चाहते थे लेकिन बीसीसीआई ने 48 घंटे समय देने के बाद उन्हें कप्तानी से हटा दिया।

बीसीसीआई ने गुरुवार को ट्वीट कर लिखा, एक लीडर जिसने धैर्य, जुनून और दृढ़ संकल्प के साथ टीम का नेतृत्व किया. थैंक यू कैप्टन विराट कोहली। विराट कोहली ने टीम इंडिया की तरफ से 95 वनडे मैचों में कप्तानी की और भारत को 65 मैच में जीत दिलाई। उनकी जीत का औसत 70.43 रहा जो कि शानदार है। उनकी कप्तानी में भारत को 27 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। विराट कोहली की अगुवाई में भारत ने 19 में से 15 बाइलेट्रल सीरीज जीती। वनडे टीम की कमान संभालने के बाद कोहली ने 21 शतकों समेत 5449 रन बनाए हैं। वो भारत को जीत दिलाने वाले चौथे सबसे सफल वनडे कप्तान हैं। कोहली की अनुपस्थिति में रोहित ने भारत को साल 2018 में एशिया कप भी जिताया था। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने 10 वनडे मैच खेले हैं। इसमें से 8 में टीम इंडिया को जीत और सिर्फ दो में हार मिली है।

परिणीति ने बॉलीवुड में पूरे किए 10 साल, कहा-अभी तो सफर शुरू हुआ है

परिणीति चोपड़ा ने 10 साल पहले फिल्म लेडीज वर्सेज रिकी बहल से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने इश्कजादे, शुद्ध देसी रोमांस और हंसी तो फंसी, द गर्ल ऑन द ट्रेन और संदीप और पिंकी फरार जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया। सिनेमा में अपने 10वें वर्ष पर, अभिनेत्री का कहना है कि वह अब अपने करियर में कभी भी कंर्फट जोन के साथ काम नहीं करेंगी। परिणीति ने कहा कि मुझे भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ ऐतिहासिक फिल्मों में काम करने और हमारे शानदार फिल्म उद्योग के कुछ बेहतरीन निर्देशकों, अभिनेताओं, तकनीशियनों के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है। जब आप अपने काम से प्यार करते हैं, तो समय बहुत जल्द निकल जाता है और यह मेरे साथ हुआ है। सिनेमा में 10 साल पूरे करने के बाद, मुझे लगता है कि मैंने अभी अपनी यात्रा शुरू की है। मैं सिनेमा में अपने अगले दशक के लिए वास्तव में जाने के लिए उत्सुक हूं। मुझे उस तरह के प्रस्ताव पसंद आ रहे हैं जो मुझे मिल रहे हैं। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि द गर्ल ऑन द ट्रेन और संदीप और पिंकी फरार के साथ, निर्देशक उन्हें एक नई रोशनी की तरह देख रहे हैं और मुझे उस तरह का काम दे रहे हैं जो मैं हमेशा से करना चाहती थी। परिणीति अगली बार मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ ऊंचाई और रणबीर कपूर के साथ एनिमल जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। **(एजेंसी)**

गोपी किशन के रीमेक में बेटे अहान को चाहते हैं सुनील शेट्टी

सुनील शेट्टी बहुत खुश हैं क्योंकि अहान को फिल्म तड़प में उनके काम के लिए जबरदस्त प्रशंसा मिल रही है। बॉलीवुड स्टार ने कहा कि वह अपनी फिल्म गोपी किशन के रीमेक में अपने बेटे को अभिनय करते हुए देखना चाहते हैं। एक्शन कॉमेडी फिल्म गोपी किशन 1994 में रिलीज हुई थी। इसमें सुनील शेट्टी ने डबल रोल निभाया था और इसमें अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर और करिश्मा कपूर भी थीं। रीमेक के लिए उन्होंने अपनी एक फिल्म के बारे में बात करते हुए सुनील ने में कहा, गोपी किशन। 60 वर्षीय स्टार ने कहा, क्योंकि इसके दो पहलू हैं। इसमें एंग्री यंग मैन और क्रेजी कैरेक्टर है, जो बहुत ही प्यारा कैरेक्टर है। हालांकि, सुनील को लगता है कि अहान के लिए अन्य शैलियों में हाथ आजमाना अभी थोड़ी जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, मुझे अब भी लगता है कि अहान को किसी भी अन्य शैली में काम करने से पहले अभी तीन या चार फिल्मों की जरूरत है.. रोमांस और एक्शन के अलावा क्योंकि खुद को स्थापित करना, अपनी तीव्रता और अपने प्रदर्शन को दिखाना अब बहुत महत्वपूर्ण है। फॉक्स स्टार स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत तड़प, साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित, फॉक्स स्टार स्टूडियो द्वारा सह-निर्मित और मिलन लुथरिया द्वारा निर्देशित, 3 दिसंबर को रिलीज हुई थी। **(एजेंसी)**

संजीदा शेख ने फिर ब्रालेट पहन इंटनेट पर मचाया बवाल

टेलीविजन की जानी मानी अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों काफी बोल्ड होती जा रही हैं। वह लगभग ही दिन ही सोशल मीडिया पर अपनी हॉट एंड बोल्ड वीडियोज पोस्ट कर फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। ?संजीदा फैंस के बीच न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि अपने बोल्ड इमेज को लेकर भी चर्चा में बनीं हुई हैं। इसी बीच संजीदा का और वीडियो सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है। इस वीडियो पर वह हमेशा ही तरह ही काफी बोल्ड नजर आ रही हैं। यहां देखें संजीदा का वीडियो... टीवी एक्ट्रेस संजीदा शेख ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर अपना एक लेटेस्ट वीडियो पोस्ट कर फिर से इंटरनेट पर आग लगा दी है। इस वीडियो में संजीदा हमेशा ही तरह ही बाफी बोल्ड नजर आ रही हैं। आप खुद इस वीडियो में देख सकते हैं कि संजीदा ने अपने एक बेहद ही बोल्ड ब्रालेट पहने नजर आ रही हैं। वीडियो में उनका पोज देने का अंदाज काफी कातिलना हैं। इस दौरान उन्होंने ब्लैक और ब्राइन कलर की ब्रालेट पहनी हुई है। वहीं उनके बाल खुले हुए हैं। संजीदा के इस वीडियो को हमेशा की तरह ही फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। अबतक इसे काफी व्यूज मिल चुके हैं। वहीं इस पर कमेंट कर लगातार फैंस अपने रिएक्शन दे रहे हैं। आपको बता दें कि हाल ही में संजीदा शेख ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में संजीदा हमेशा की तरह ही काफी बोल्ड नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने मल्टीकलर शॉर्ट ड्रेस के साथ मरुन कलर के हाई वेलवेट बूट पहने थे। वीडियो में उनके बाल एक साइड पर नजर आ रहे थे। वीडियो में संजीदा की सादगी ने हर किसी का दिल जीत लिया था। **(एजेंसी)**

अनन्या पांडेय

लाल ट्रांसपेरेंट फ्रंट कट गाउन में लग रहीं कयामत

चंकी पांडेय की बेटी अनन्या पांडेय एक्ट्रेसेज की मौजूदी पीढ़ी की चर्चित अदाकारा हैं। अनन्या बैक टू बैक फिल्मों में आ रही हैं और उनके पास कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वहीं, सोशल मीडिया में भी अनन्या के चाहने वालों की कमी नहीं है। इंस्टाग्राम पर अनन्या काफी लोकप्रिय हैं और उनकी पोस्ट्स को लाखों लाइक्स और कमेंट्स मिलते हैं। हालांकि, इन कमेंट्स में कुछ ऐसे भी होते हैं, जिनसे

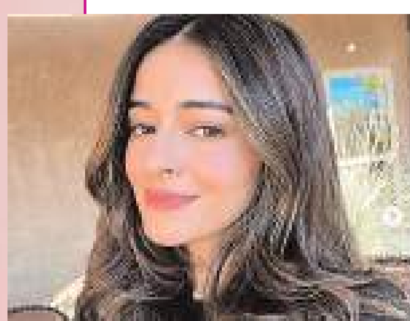

उन्हें ट्रोल करने की कोशिश की जाती है। अनन्या ने हाल ही में अपनी कुछ बेहतरीन तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिनमें वो काफी हॉट और खूबसूरत दिख रही हैं। इन तस्वीरों में अनन्या ने लाल रंग का एसिमेट्रिक फ्रंट कट ट्रांसपेरेंट क्लीवेज गाउन पहना हुआ है। लाल रंग अनन्या पर खूब फब रह है, जिसे उनके कई फॉलोअर्स ने नोटिस किया और जमकर तारीफ की। फायर और हार्ट इमोजी के जरिए अनन्या के लुक और ड्रेस की तारीफ की जा रही है। उनके परिवार और संगी साथियों ने भी इन तस्वीरों में अनन्या की पर्सनैलिटी को सराहा है। अनन्या ने इन फोटो के साथ कैप्शन में लिखा- चेरी ऑन द केक। शाह रुख खान की बेटी और अनन्या की दोस्त सुहाना खान ने इस पर कमेंट करके कहा सच है। महीप कपूर, भूमि पेडनेकर, सोफी चौधरी, शनाया कपूर, नव्या नवेली नंदा, गौहर खान और मम्मी भावना पांडेय ने कमेंट करके अनन्या की तारीफ की और प्यार जताया। **(एजेंसी)**

पति रितेश के निर्देशन में बनी पहली फिल्म वेद से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं जेनेलिया

अभिनेता रितेश देशमुख निर्देशक की कुर्सी संभालने के पूरी तरह तैयार हैं। वह मराठी फिल्म वेद के साथ अपने निर्देशन की शुरूआत कर रहे हैं, जो एक दशक के बाद जेनेलिया देशमुख की अभिनय में वापसी भी है। रितेश ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर घोषणा करते हुए कहा कि वह पहली बार कैमरे के पीछे खड़े होंगे। 20 साल तक कैमरे के सामने रहने के बाद, मैं पहली बार इसके पीछे खड़े होने के लिए एक बड़ी छलांग लगा रहा हूं। उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, मैं अपनी पहली मराठी फिल्म का निर्देशन कर रहा हूं, मैं विनम्रतापूर्वक आप सभी से शुभकामनाएं और आशीर्वाद मांगता हूं। इस यात्रा का हिस्सा बनें, इस पागलपन का हिस्सा बनें। हैशटैग वेद। जेनेलिया ने भी वही पोस्टर साझा किया और इसे कैप्शन दिया कि मेरी पहली मराठी फिल्म है। एंड बैक टू द मूवीज - फाइनली। फिल्म से संबंधित विवरण अभी भी गुप्त रखा गया है। **(एजेंसी)**

बादशाह के पानी पानी गाने के भोजपुरी वर्जन ने इंटरनेट पर मचाया गदर, खेसारी-अक्षरा हॉट डांस को देख छूट जाएंगे पसीने

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री आज बॉलीवुड से किसी मामले में कम नहीं है। आज भोजपुरी फिल्मों की शूटिंग विदेशों तक होती है। वहीं कई बॉलीवुड स्टार्स भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इसी अब एक हिट सॉन्ग के भोजपुरी वर्जन ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। जी हां, बॉलीवुड रैपर बादशाह का साल का ग्लोबल हिट सॉन्ग पानी पानी का भोजपुरी वर्जन रिलीज हो चुका है। इस गानें में भोजपुरी सिनेमा के दो सेंसेशन जोड़ी ने इस गानें में अपनी केमिस्ट्री से आग लगा दी है। ये कोई और नहीं बल्कि भोजपुरी सिनेमा की सुपरहॉट एक्ट्रेस अक्षरा सिंह और खेसारी लाल यादव हैं। दोनों ने आगे में अपनी परफॉर्मेंस से आग लगा दी है। ये गाना रिलीज होने के साथ ही यूट्यूब पर छा गया है। बॉलीवुड रैपर बादशाह के सुपरहिट सॉन्ग पानी पानी के हिंदी गाने के बाद अब इसके भोजपुरी वर्जन ने भी रिलीज होते ही तहलका? मचा दिया है। इस गाने में सेंसेशनल गर्ल अक्षरा सिंह और खेसारी लाल यादव की जोड़ी ने हर किसी को दीवाना बना दिया हे। इस गाने के लॉन्च के दौरान खेसारी लाल यादव, प्रसिद्ध एक्ट्रेस अक्षरा सिंह, सारेगामा के सीएमडी विक्रम मेहरा, गायिका ऋणी चंद्रा मौजूद रहे। गाने में हमेशा की तरह ही बादशाह का स्वैग देखने को मिल रहा है। बादशाह गाने में पहली बार भोजपुरी रैप करते नजर आ रहे हैं। जबकि गाने की फीमेल आवाज सिंगर रिनी चंद्रा ने दी हैं, जिसे आस्था गिल ने हिंदी ओरिजिनल में गाया था।गाने में अक्षरा सिंह के मूव्स फैंस के होश उड़ा रहे हैं। वहीं अक्षरा और खेसारी पानी पानी का सिग्नेचर हुक स्टेप करते दिख रहे हैं। फैन्स इसे खूब पसंद कर रहे हैं। आपको बता दें के पानी पानी सॉन्ग इस साल का सबसे हिट गाना रहा है। **(एजेंसी)**

आरआरआर का ट्रेलर रिलीज, एक्शन में दिखे जूनियर एनटीआर, राम चरण और अजय देवगन, आलिया भट्ट भी लगी दमदार

आरआरआर का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म के ट्रेलर से इन सभी कलाकारों का लुक और एक्शन देखकर ये लग लग रहा है कि आने वाले साल 2022 में यह फिल्स बॉक्स ऑफिस पर सुपर-डूपर हिट साबित होगी। बाहुबली सीरीज जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद डायरेक्टर

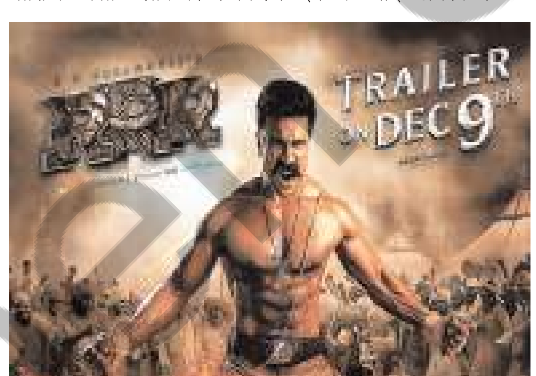

एसएस राजामौली के निर्देशन बनी आरआरआर के ट्रेलर में बेहतरीन डायलॉग्स और एक्शन देखने को मिल रहा। ट्रेलर देखने के बाद फैंस फिल्म के लिए बेताब हो गये हैं। वाकई में एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर का ट्रेलर काफी जबरदस्त है। फिल्म आरआरआर का ट्रेलर वीडियो करीब 3 मिनट 16 सेकेंड है। इस चंद मिनटों में फिल्म के सभी कलाकारों का लुक सामने आ गया है। ट्रेलर की शुरूआत ब्रिटिश बिल्डिंग से होती है। इसके दूसरे सीन में एक कोर्ट दिखता है, जिसके बैकग्राउंड में आवाज आती है कि जब स्कॉट सर आदिलाबाद आए थे तो एक छोटी बच्ची को ले आए..वो दरअसल गोंडों की बच्ची है। इस पर एक शख्स कहता है- तो...उनके सिर पर सींग होते हैं क्या? फिल्म के ट्रेलर में रामचरण के साथ-साथ जूनियर एनटीआर एक्शन अवतार में नजर आते हैं। एनटीआर एक जगह शेर से लड़ते नजर आ रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर में भले ही आलिया और अजय को कम दिखाया गया लेकिन दोनों ही अपने दमदार लुक और डायलॉग से फैंस का दिल जीत लिया है। ट्रेलर में अजय देवगन दमदार डायलॉग मारते हुए दिखाई देते हैं। वह कहते हैं -अपनी जंग ढूढते हुए हथियार खूद ब खूद वापस आएंगे। फिल्म आरआरआर के धमाकेदार ट्रेलर में कई ऐसे ग्रैंड सीन्स देखने को मिल रहे हैं, जिन्हें देखकर फैंस के साथ-साथ सेलेब्रिटीज भी तारीफों के पुल बांधते दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि ये फिल्म 7 जनवरी 2021 को सिनेमा घरों में रिलीज होने वाली है। जिसे लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म को लगभग 300 करोड़ के बजट पर बनाया गया है। जिसे हिंदी में भी डब किया गया है। यह फिल्म तेलुगु स्वतंत्रता सेनानियों अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम के की कहानी पर बेस्ड है। जिन्होंने ब्रिटिश राज और हैदराबाद के निजामों के खिलाफ जंग लड़ी थी। **(एजेंसी)**

विकी कौशल-कटरीना कैफ के लिए कॉन्डम कंपनी ने लिखा ऐसा मेसेज, लोग बोले- इस शादी का बेस्ट मीम

विकी कौशल-कटरीना कैफ की शादी के मौके पर कॉन्डम कंपनी ड्यूरेक्स ने एक बार फिर से अपनी क्रिएटिविटी दिखाई है। कंपनी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर विकी-कटरीना के लिए पोस्ट किया है। इसमें उनकी शादी की प्रिवसी पर सॉफ्ट सटायर भी है।

इससे पहले यह कंपनी दीपिका पादुकोण-रणवीर सिंह, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की शादी पर पोस्ट कर चुकी है जो काफी चर्चित रहे थे। ड्यूरेक्स के इस पोस्ट पर कई लोग मजेदार कॉमेंट्स भी कर रहे हैं। बता दें कि विकी कौशल और कटरीना कैफ आज (9 दिसंबर को) शादी के बंधन में बंध रहे हैं। विकी कौशल और कटरीना कैफ अपनी शादी की डिटेल को लेकर शुरुआत से ही काफी सतर्कता बरत रहे हैं। वेडिंग वेन्यू पर मेहमानों को मोबाइल रखने की इजाजत नहीं है साथ ही गेस्ट भी अपने असली नाम नहीं बल्कि सीक्रेट कोड्स से ठहरे हैं। विकी और कटरीना की गेस्ट लिस्ट भी सिलेक्टेड है। बचे लोगों को वे मुंबई में ग्रैंड रिसेप्शन देंगे। इस बीच कॉन्डम कंपनी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर पोस्ट किया, डियर विकी और कटरीना अगर हमें नहीं बुलाया तो जरूर ये मजाक ही होगा। इस पोस्ट पर लोगों ने कॉमेंट्स किए हैं। एक फॉलोअर ने लिखा है, ये इस शादी का सबसे बेस्ट मीम है गुरु। कई लोगों ने पोस्ट बनाने वालों की तारीफ की है तो कुछ ने विकी-कटरीना को टैग किया है। बता दें कि ड्यूरेक्स ने दीपिका पादुकोण और अनुष्का की शादी में भी पोस्ट किए थे। **(एजेंसी)**

सलमा आगा, उदित नारायण,अनु मलिक, दीपशिखा नागपाल, मधुश्री, निहारिका रायज़ादा को भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम अवार्ड से सम्मानित किया गया

मुम्बई ब्यूरो

मुंबई के इस्कॉन ऑडिटोरियम में भारत निर्माण फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम अवार्ड 2021 का शानदार आयोजन किया गया। इस अवार्ड फंक्शन के चीफ गेस्ट डॉ. (प्रोफेसर) किरीट सोलंकी (मेम्बर ऑफ पार्लियामेंट, लोक सभा) रहे। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सलमा आगा, उदित नारायण, अनु मलिक, दीपशिखा नागपाल, मधुश्री, निहारिका रायजादा, सुनील पाल, डॉ भारती लव्हेकर (एमएलए), एकता जैन, कैलाश मासूम, एकांश भारद्वाज को नवाजा गया। भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम अवार्ड् 2021 से मौरिस नोरोन्हा, डॉ खालिद शेख, डॉ राजेश डेरे, परवेज लकड़ावाला, सत्यम आनंदजी, विजय केड़िया, आराध्या गुप्ता, वैजयंतीमाला कांबले, चंद्रकांत द्विवेदी को भी नवाजा गया। लीजेंडरी सिंगर सलमा आगा ने कहा कि यह दर्शकों की मोहब्बतें हैं कि हमारे परिवार के लोग चार पीढ़ियों से पसन्द किए जा रहे हैं। मेरी बेटी ज़ारा खान का गाना कुसु कुसु काफी हिट हुआ है। मैं चांद सुल्ताना को बधाई देती हूं कि वह भारत निर्माण फाउंडेशन चैरिटबल ट्रस्ट की अध्यक्ष हैं, जिनके द्वारा भारत रत्न एपीजे अब्दुल कलाम अवार्ड का शानदार आयोजन किया। चांद सुल्ताना सेंसर बोर्ड की सदस्य भी हैं। इतनी छोटी सी उम्र में इन्होंने काफी बडी पोज़िशन हासिल कर ली है। यह इनका पहला अवार्ड शो है, जो बेहद कामयाब रहा। मैं कलाम साहब जैसी हस्ती के नाम का अवार्ड पाकर बड़ा प्राउड फील

कर रही हूं। सलमा आगा ने डॉ भारती लव्हेकर (एमएलए), की तारीफ भी की। अनु मलिक ने कहा कि किरीट सोलंकी जी ने मुझसे कहा कि आपने बॉर्डर सहित कई फिल्मों में देशभक्ति संगीत दिया है। मैं बेहद खुश हूं कि मुझे एपीजे अब्दुल कलाम के नाम का अवार्ड दिया गया ऐसा लग रहा है कि जैसे मुझे उनकी दुआएं मिलीं। एकांश भारद्वाज ने कहा कि एक तो यह अवार्ड शो डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साहब के नाम पर था, उसपर से यहां इतनी बड़ी बड़ी हस्तियां स्टेज पर मौजूद थीं, ऐसे में मुझे एंकरिंग की जिम्मेदारी दी गई, जो मेरे लिए काफी चैलेंजिंग थी। मुझे खुशी है कि लोगों ने बतौर एंकर मेरे काम को सराहा, उदित नारायण जी ने मेरे लिए दो शब्द कहे, तो अच्छा लगा। भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम अवार्ड्स 2021 की ट्रॉफी हासिल करना मेरे लिए उम्र भर का यादगार लम्हा रहा। ?क्ट्रेस निहारिका रायज़ादा ने कहा कि एपीजे अब्दुल कलाम के नाम का अवार्ड मिलना मेरे लिए गर्व की बात है। कलाम साहब जैसा दिमाग रखने वाले व्यक्तितव एक मिसाल होते हैं। सूर्यवंशी फ़िल्म के लिए मुझे यह अवार्ड मिला है। मैं तमाम आयोजकों की शुक्रगुजार हूं। सुनील पाल ने कहा कि एपीजे अब्दुल कलाम के नाम का अवार्ड मिलना बड़ी बात है। मैं कैलाश मासूम और चांद सुल्ताना का आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे इस सम्मान से नवाजा। उदित नारायण ने कहा कि चांद सुल्ताना का शुक्रिया। भारत निर्माण फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट का आभार। अब्दुल कलाम जैसे इंसान, राष्ट्रपति के नाम का पुरस्कार पाकर गर्व महसूस होता है। पालघर से आई सोशल वर्कर वैजयंती माला कांबले को भी इस सम्मान से नवाजा गया जो वर्षों से लोगों की मदद कर रही हैं।